Web Portal
www.ghatatighatana.com
सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ के लिए एक प्रकाशन...
G.G. News

घटती घटना

RNI REG.NO.-CHHHIN/2004/15050
डाक पंजीयन क्रमांक- 013/रायगढ़/2020-2022

अम्बिकापुर, वर्ष 19,अंक -84 सोमवार ,23 जनवरी 2023, पृष्ठ -8 मूल्य 2 रूपये

ज्ञान की बातें

ईर्ष्या की अग्नि तुम्हारे सत्कर्म को राख बनाकर रख देती है।

-ऋषि अंगिरा-

सुप्रीमकोर्ट का बड़ा ऐलान

सभी भाषाओं में मिलेंगे सुप्रीम कोर्ट के फैसले

सीजेआई की अपील खामियां छिपाओ नहीं, सामने लाकर सुधारो

नई दिल्ली,22 जनवरी 2023(ए)। देश के मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड ने कहा है कि जल्द ही सुप्रीम कोर्ट के फैसलों की कॉपी हिंदी सहित देश की हर भाषा) में उपलब्ध कराई जाएगी।जिससे ग्रामीण इलाकों में रहनेवाले लोगों को भी कोर्ट के फैसलों की जानकारी मिल सके।
इसे लेकर पीएम मोदी ने कहा कि यह बहुत अच्छा विचार है, जिससे खासतौर पर युवाओं समेत कई लोगों को मदद मिलेगी

कुछ खास लोगों तक ही सीमित नहीं रखना चाहिए

हमें अवसर को कुछ खास लोगों तक ही सीमित नहीं रखना चाहिए, इसके लिए हाशिए पर पड़े समुदाय के वकीलों को मौका देना जरूरी है। उन्होंने कहा- मैं सुप्रीम कोर्ट में रोज आधा घंटा युवा वकीलों को सुनता हूं, इससे देश की नब्ज का पता चलता है।

कोर्ट की कार्यवाही की लाइव-स्ट्रीमिंग पर भी

चीफ जस्टिस ने कोर्ट की कार्यवाही की लाइव-स्ट्रीमिंग पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि कानून में रुचि रखने वाले टीचर्स और स्टूडेंट्स लाइव-स्ट्रीमिंग के जरिए कोई भी केस देख सकते हैं, उसे समझ सकते हैं और उस पर चर्चा कर सकते हैं।

राष्ट्रपति के हाथों मिलेगा 11 असाधारण बच्चों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार

नई दिल्ली,22 जनवरी 2023 (ए)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 23 जनवरी को दिल्ली के विज्ञान भवन में होने वाले पुरस्कार समारोह में 11 असाधारण बच्चों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार 2023 प्रदान करेंगी। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 24 जनवरी को पुरस्कार विजेताओं के साथ बातचीत करेंगे। बता दें कि केंद्र सरकार बच्चों को उनकी असाधारण उपलब्धियों के लिए प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार प्रदान करती है। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि भारत सरकार बच्चों को उनकी असाधारण उपलब्धियों के लिए प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार प्रदान करती है। यह पुरस्कार 5 से 18 वर्ष के आयु वर्ग के बच्चों को छह श्रेणियों में उनकी उत्कृष्टता के लिए प्रदान किया जाता है। इनमें कला और संस्कृति, बहादुरी, नवाचार, शैक्षिक, सामाजिक सेवा और खेल, शामिल हैं।
23 जनवरी को दिल्ली में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा ये पुरस्कार दिए जाएंगे और अगले दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इन विजेता बच्चों से संवाद करेंगे। जानकारी के अनुसार प्रत्येक पुरस्कार विजेता को एक पदक, एक लाख रुपये का नकद पुरस्कार और एक प्रमाण पत्र दिया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

बजट सत्र से पहले पीएम मोदी लेंगे मंत्रिपरिषद की बैठक

नई दिल्ली,22 जनवरी 2023(ए)। 31 जनवरी से शुरू होने जा रहे संसद के बजट सत्र से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 29 जनवरी को अपने मंत्रिपरिषद की बैठक बुलाई है। नए वर्ष 2023 में यह मोदी सरकार के मंत्रिपरिषद की पहली बैठक होगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में होने वाली इस बैठक में केंद्र सरकार के सभी केंद्रीय मंत्री, राज्य मंत्री-स्वतंत्र प्रभार एवं राज्य मंत्री शामिल होंगे। नरेंद्र मोदी सरकार के कार्यकाल के आखिरी पूर्ण बजट से पहले बुलाई गई इस मंत्रिपरिषद की बैठक को बजट सत्र के लिहाज से काफी महत्वपूर्ण बताया जा रहा है। संसद का बजट सत्र इस बार 31 जनवरी से शुरू होने जा रहा है।

लखनऊ हवाई अड्डे पर 23 फरवरी से चार महीने तक रात की उड़ानें रहेंगी बंद

लखनऊ ,22 जनवरी 2023(ए)। चौधरी चरण सिंह अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डा 23 फरवरी से 11 जुलाई तक चार महीने के लिए रात्रि उड़ान संचालन नहीं करेगा। यह जानकारी हवाई अड्डे के अधिकारियों ने दी है। रात 9.30 बजे से सुबह 6 बजे तक के बीच कोई उड़ान संचालन नहीं होगा। इस अवधि के दौरान लखनऊ हवाईअड्डा अपने मौजूदा रनवे (एयरसाइड) के विस्तार और उन्नयन का काम करेगा ताकि यात्री और कार्गो प्रवाह की संख्या में वृद्धि के साथ भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार किया जा सके।

अब नमाज के लिए 3 मस्जिदों में जा सकेंगी महिलाएं

नई दिल्ली,22 जनवरी 2023(ए)। पुणे से यह संघर्ष शुरू हुआ था और अब यहीं से पूरे देश के लिए सुधार-बदलाव की मिसाल भी पेश की गई है। शहर की तीन मस्जिदों में महिलाओं को नमाज के लिए मिली अनुमति ने कम से कम सामाजिक स्तर पर देशभर के लिए आधार तैयार करने का काम किया है।
इस्लाम में महिलाओं और पुरुषों की बराबरी के इस संघर्ष के लिए पांच साल से जूझ रहीं यास्मीन पीरजादा के लिए इससे बेहतर दृश्य नहीं हो सकता कि उनके गांव मुहम्मदिया से लेकर पुणे शहर की दो मस्जिदों में नमाज कक्ष की दिशा बताने वाले ये बोर्ड लगे हैं जिन पर लिखा है, अहम एलान- ख्वातीन (महिलाएं) के लिए तहारत वजू और नमाज का माकूल इंतजाम है।

महिलाओं के लिए 3 मस्जिदों ने खोले दरवाजे

महिलाओं को मस्जिदों में पांच वक्त की नमाज की अनुमति देने के संदर्भ में सुप्रीम कोर्ट की नौ सदस्यीय संविधान पीठ को विचार करना है, मगर उसके पहले पुणे की तीनों मस्जिदों मुहम्मदिया जामा, बागबान और कोंडोवा पारबेनगर मस्जिद के ट्रस्ट ने यह अनुभूति कर ली कि इस तरह के प्रतिबंध मजहब समेत किसी भी आधार पर टिक नहीं सकते।
यास्मीन पीरजादा की इस लड़ाई में हर कदम पर उनका साथ देने वाले जुबेर अहमद पीरजादा ने दैनिक जागरण को बताया कि हम खुश हैं और यही चाहते थे। सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ का फैसला अगर हमारे पक्ष में आया तो फिर पूरे देश में अधिकारों की इस लड़ाई को नया मुकाम मिल जाएगा। पीठ को मस्जिदों में महिलाओं को नमाज की इजाजत से लेकर सबरीमाला मंदिर, पारसी और बोहरा समुदाय की महिलाओं के अधिकारों के सवालों के संदर्भ में अपना फैसला देना है।

पूरी तरह हालात बदलने में लगेगा वक्त

पीरजादा के अनुसार, पर्सनल ला बोर्ड ने जिस तरह यह पक्ष रखा कि महिलाओं के लिए मस्जिदों में नमाज वर्जित नहीं है, उसके बाद उन लोगों पर नैतिक दबाव बना है जो इसके विरोधी थे। पीरजादा कहते हैं कि अब सिलसिला शुरू हो गया है। हालात पूरी तरह बदलने में वक्त लगेगा। समाज के अंदर हलचल हो रही है। पर्सनल ला बोर्ड ने फरवरी 2020 में सुप्रीम कोर्ट में अपने हलफनामे में कहा था कि एक मुस्लिम महिला नमाज के लिए मस्जिद में जाने की अधिकारी है और यह उसकी इच्छा पर निर्भर करता है कि वह अपने इस अधिकार का कैसे इस्तेमाल करती है। इस्लाम के अनुसार, यह उसके लिए बाध्यकारी नहीं है कि उसे समूह में ही नमाज पढ़नी है।

47 करोड़ लोगों को मिला तोहफा

सरकार ने खाते में भेजे 10 हजार रुपये

नई दिल्ली,22 जनवरी 2023 (ए)। प्रधानमंत्री जनधन योजना के खाताधारकों को 10 हजार रुपये की राशि ट्रांसफर की जा रही है. इसके लिए आपको बैंक में आवेदन देना होगा. इसके अलावा भी इन खाताधारकों को 1 लाख 30 हजार रुपये का बीमा मिलता है।
बैंक से 10 हजार रुपये प्राप्त करना चाहते हैं तो आपके नाम पर जन धन खाता होना चाहिए. अगर आपने अभी तक इस योजना का खाता नहीं खुलवाया है तो आप बैंक जाकर इस अकाउंट को ओपन करा सकते हैं. इस अकाउंट को ओपन कराने की प्रक्रिया बहुत ही आसान है. बैंक इस तरह के अकाउंट सिर्फ आधार कार्ड और पेन कार्ड के आधार पर ही खोल देती है।

नॉमिनी को 1 लाख रुपये की इंश्योरेंस राशि

इसमें खाताधारक को 1 लाख रुपये का एक्सीडेंट इंश्योरेंस दिया जाता है. इसके अलावा आपको लाइफ इंश्योरेंस भी मिलता है. इसमें 30 हजार रुपये की राशि कवर की जाती है. अगर किसी जन धन खाताधारक की मृत्यु दुर्घटना में हो जाती है, तो नॉमिनी को 1 लाख रुपये की इंश्योरेंस राशि मिलती है।

48 अधिकारियों और कर्मचारियों को बाहर का रास्ता दिखाया

चंडीगढ़ ,22 जनवरी 2023(ए) मुख्यमंत्री मनोहर लाल सरकार ने पारदर्शी व्यवस्था स्थापित करते हुए भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही है। सरकार द्वारा भ्रष्टाचार में संलिप्त कर्मचारियों और अधिकारियों के खिलाफ कड़े फैसले लिए गए हैं। इसी कड़ी में सरकार ने 48 नॉन परफॉर्मर और भ्रष्ट कर्मचारियों पर सख्त एक्शन लिया है। केंद्र सरकार के पदचिन्हों पर चलते हुए हरियाणा सरकार ने पिछले 8 वर्षों में 50 से 55 साल की उम्र के 48 अधिकारियों/कर्मचारियों को नौकरी से हटा दिया है। कुछ कर्मचारियों ने जहां प्रीमैच्योर रिटायरमेंट ले ली तो वहीं कुछ को सरकार ने घर बैठा दिया। इनमें असिस्टेंट प्रोफेसर, सब इंस्पेक्टर, हॉर्टिकल्चर डेवलपमेंट ऑफिसर, इंडस्ट्रियल एक्सटेंशन ऑफिसर, नायब तहसीलदार, डीआरओ, सुपरवाइजर, मैनेजर, रेजिडेंट ऑडिट ऑफिसर, जूनियर ऑडिटर, असिस्टेंट रजिस्ट्रार, डिप्टी इंजीनियर, क्लर्क, असिस्टेंट, हवलदार, पियुन, गोडाउन कीपर आदि पदों के अधिकारी और कर्मचारी शामिल है।

तीन धमाकों की जांच के लिए एनआईए की टीम पहुंची जम्मू

नई दिल्ली,22 जनवरी 2023 (ए)। जम्मू के बजाल्टा इलाके में हुए तीन विस्फोटों के एक दिन बाद राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की एक टीम रविवार को घटनास्थल पर पहुंची। विस्फोटों में एक पुलिस कांस्टेबल सहित दस लोग घायल हो गए थे। फिलहाल मामले की जांच स्थानीय पुलिस कर रही है, लेकिन संभावना है कि इसे एनआईए को ट्रांसफर कर दिया जाएगा।

जांच ने सुझाव दिया है कि यह सीमा पार आतंकवादियों द्वारा किया गया है। पाकिस्तान स्थित आकाओं की भूमिका की जांच की जा रही थी।
अतिरिक्त डीजीपी (जम्मू जोन) मुकेश सिंह ने शनिवार को कहा था कि जम्मू शहर के नरवाल इलाके में दो वाहनों में हुए दो विस्फोटों में छह लोग घायल हो गए। बाद में एक और धमाके की सूचना मिली।
कांस्टेबल सुरिंदर सिंह सिधरा चौक पर अपनी ड्यूटी कर रहे थे, तभी बालू से लदा एक डंपर दिखाई दिया। पुलिस ने चेकिंग के लिए उसे रोका लेकिन अचानक उसमें विस्फोट हो गया और सभी घायल हो गए। अब एनआईए की टीम वहां पहुंच गई है और साक्ष्य जुटा रही है।

गणतंत्र दिवस को लेकर बीएसएफ ने पाक सीमा पर शुरू किया ऑपरेशन अलर्ट

नई दिल्ली,22 जनवरी 2023 (ए)। देश भर में 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस धूमधाम से मनाया जाएगा। ऐसे में आतंकी सीमा पर अपने नापाक मंसूबों को अंजाम ना दे पाएं इसके लिए भारत की प्रथम रक्षा पंक्ति यानी सीमा सुरक्षा बल ने भी कमर कस ली है। इसी कड़ी में बीएसएफ ने गुजरात में पाकिस्तान से लगी अंतरराष्ट्रीय सीमा पर ऑपरेशन अलर्ट अभ्यास शुरू किया है। ये 21 जनवरी से 28 जनवरी 2023 तक 7 दिनों के लिए होगा।
बीएसएफ के प्रवक्ता ने बताया कि ऑपरेशन अलर्ट अभ्यास भारत-पाक अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर सर क्रीक से गुजरात के कच्छ के रण और राजस्थान के बाड़मेर जिले तक किया जा रहा है। बीएसएफ ने कहा कि गणतंत्र दिवस समारोह के दौरान राष्ट्र विरोधी तत्वों के किसी भी नापाक मंसूबों को विफल करने के लिए ऑपरेशन अलर्ट अभ्यास किया जा रहा है।

राजधानी के एयरपोर्ट में पकड़ाया 4 करोड़ रूपये कैश

पुलिस और सुरक्षा एजेंसी कर रही पूछताछ

नई दिल्ली,22 जनवरी 2023 (ए)। दिल्ली के इंदिरा गांधी एयरपोर्ट पर करोड़ो रुपये पकड़े गये हैं। अब तक की प्राप्त जानकारी के मुताबिक, एयरपोर्ट से कुल चार करोड़ रुपये के नोट मिले हैं। दिल्ली पुलिस की तरफ से बताया गया है कि दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे के कार्गो टर्मिनल पर एक पैकेज की स्कैनिंग के दौरान 4 करोड़ रुपये सीज किये गये हैं। सीज किये गये कैश की गिनती जा रही है। इस मामले में दिल्ली पुलिस और सीआईएसएफ आगे की जांच कर रही है
कुछ मीडिया रिपोर्ट में इसे लेकर बताया जा रहा है कि नोटों की यह गड्डियां दिल्ली से केरल भेजी जा रही थीं। कहा जा रहा है कि दिल्ली की ही एक कंपनी इन पैसों को केरल भेज रही थी। यह भी कहा जा रहा है कि इस मामले में पुलिस ने फिलहाल कुछ लोगों को हिरासत में भी लिया है। बरामद किये गये कैश को लेकर इन लोगों से दिल्ली पुलिस और सुरक्षा एजेंसी भी पूछताछ कर रही है।

लागू होगी पुरानी पेंशन योजना! सीएम ने दिए संकेत

मुंबई ,22 जनवरी 2023 (ए)। महाराष्ट्र में पुरानी पेंशन योजना को लेकर सीएम एकनाथ शिंदे ने बड़ा बयान दिया है। मुख्यमंत्री शिंदे ने कहा है कि राज्य सरकार शिक्षकों और सरकारी कर्मचारियों की पुरानी पेंशन योजना को लेकर सकारात्मक है। आगामी विधान परिषद चुनाव के लिए एक प्रचार रैली को संबोधित करते हुए शिंदे ने शनिवार को कहा कि राज्य का शिक्षा विभाग पुरानी पेंशन योजना का अध्ययन कर रहा है। शिक्षा विभाग ओपीएस का कर रहा अध्ययन शिंदे ने यह भी कहा कि राज्य सरकार हाल ही में आयोजित दावोस शिखर सम्मेलन में निवेश प्रस्तावों पर हस्ताक्षर के संबंध में विपक्ष द्वारा लगाए गए आरोपों का अपने काम से जवाब देगी। शिंदे ने कहा कि सरकार शिक्षकों और सरकारी कर्मचारियों, गैर-सहायता प्राप्त स्कूलों के लिए पुरानी पेंशन योजना और अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों में 25 प्रतिशत आरक्षण के लिए सकारात्मक है। उन्होंने कहा कि शिक्षा विभाग पुरानी पेंशन योजना का अध्ययन कर रहा है।

कांग्रेस नेता अधीर रंजन का बड़ा हमला

इसलिए 'दीदी' के खिलाफ केंद्रीय एजेंसियों की जांच धीमी

नई दिल्ली,22 जनवरी 2023 (ए)। कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने दोनों नेताओं को एक विचार का व्यक्तित्व बताया है।
अधीर रंजन ने कहा कि ममता बनर्जी और मोदी जी के बीच एक समझ है। ममता जी ऐसा कुछ नहीं कर सकतीं जिससे मोदी जी नाराज हों।

जब मोदी जी कहते हैं- भारत 'कांग्रेस मुक्त' है, तो ममता जी भी कहती हैं कि बंगाल से कांग्रेस को हटा देना चाहिए। कई लोग भारत जोड़ो यात्रा की सराहना कर रहे हैं, लेकिन उन दोनों को यह समझ नहीं आ रहा है। उन्होंने कहा कि ये 'मो-मो' है।

मोदी-ममता के बीच हुआ है सियासी समझौता

इससे पहले भी अधीर रंजन चौधरी ने कहा था कि पीएम मोदी और ममता बनर्जी ने समझौता किया हुआ है। चौधरी ने कहा कि अमित शाह और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के बीच हाल ही में हुई बैठक का जिक्र करते हुए दावा किया कि प्रधानमंत्री मोदी, ममता बनर्जी से समझौता करने के लिए राज्य का दौरा कर रहे हैं। लोकसभा सदस्य ने कहा कि पीएम मोदी के दौरे के बाद बनर्जी के खिलाफ केंद्रीय एजेंसियों की जांच धीमी हो जाएगी।

वंदे भारत को लेकर चौधरी ने किया था कटाक्ष

दिसंबर महीने में पीएम मोदी ने बंगाल में वंदे भारत ट्रेन का उद्घाटन किया था। इस पर चौधरी ने कटाक्ष करते हुए कहा था कि हमने कभी नहीं सुना कि किसी पीएम ने ट्रेन का उद्घाटन किया हो। मैं भी रेल मंत्री था, लेकिन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने किसी ट्रेन का उद्घाटन नहीं किया।

संपादकीय

जलवायु परिवर्तन की मार

एक और खबर यह है कि जलवायु परिवर्तन और इंसानी गतिविधियों की वजह से अफ्रीकी महाद्वीप की पश्चिमी समुद्र तटरेखा पर भारी संकट खड़ा हो गया है। तटीय इलाकों को समुद्र अपनी चपेट में लेता जा रहा है। इससे लोगों की रोजी-रोटी खतरे में पड़ गई है।

जलवायु परिवर्तन का असर अब दुनिया पर इतनी तेजी से दिखने लगा है कि ऐसी आपदाएं अब आम खबर जैसी हो गई हैं। असामान्य मौसम तो अब दुनिया भर का अनुभव हो गया है। यूरोप में ठंड के मौसम में इस बार तापमान जितना ऊंचा रहा, वह आश्चर्यजनक ही था। उधर भारत के मैदानी इलाकों में तापमान इतना नीचे गया, जितना पहले शायद कभी ही होता था। अब एक और खबर यह है कि जलवायु परिवर्तन और इंसानी गतिविधियों की वजह से अफ्रीकी महाद्वीप की पश्चिमी समुद्र तटरेखा पर भारी संकट खड़ा हो गया है। तटीय इलाकों को समुद्र अपनी चपेट में लेता जा रहा है। इससे लोगों की रोजी-रोटी खतरे में पड़ गई है। कैमरून, इक्वाटोरियल गिनी, नाईजीरिया, टोगो और बेनिन समेत घाना की सीमा से लगी गिनी की खाड़ी मछली उद्योग के अलावा समुद्री व्यापार का बड़ा मार्ग है। लेकिन अब इस खाड़ी के किनारे बसे देशों में समुद्र का पानी इंसानी बसेरों को निगलने लगा है। कई लोगों के घर समुद्र में समा चुके हैं।

लगातार आने वाले समुद्री ज्वार ने घाना के फुवेमे जैसे समुदायों पर कहर बरपाया है। घर, स्कूल और सामुदायिक केंद्र, सब बह गए हैं और सैकड़ों लोग विस्थापित हो गए हैं। घाना की तट रेखा 500 किलोमीटर से ज्यादा लंबी है। देश की करीब एक चौथाई आबादी समुद्र के किनारे रहती है। यूनेस्को के एक अध्ययन के मुताबिक घाना के पूर्वी तट की करीब 40 प्रतिशत जमीन 2005 से 2017 के बीच कटाव और बाढ़ की भेंट चढ़ चुकी है। घाना के तटीय क्षेत्र वोल्टा में फुवेमे, कीटा और ऐसे ही 15 बसावटें कभी फलते-फूलते मछुआरों के गांव हुआ करती थीं। अब वहां खेती की जमीन पर समुद्र का पानी कब्जा होता जा रहा है। वैसे जानकारों के मुताबिक तटीय कटाव की वजह सिर्फ जलवायु परिवर्तन नहीं है। वजह मानवीय गतिविधियां भी हैं। इलाके में भूजल का अत्यधिक दोहन, रेत का खनन, मैंग्रोव जंगलों की कटाई आदि जैसी गतिविधियां शामिल हैं। जलवायु परिवर्तन और इन सब गतिविधियों ने मिल कर स्थानीय आबादी के लिए अत्यंत गहरा संकट खड़ा कर दिया है।

सर्वर क्राइमों की रोकथाम होना बहुत जरूरी

व्हाट्सअप, फैसबुक, इंस्टाग्राम हैक होने की घटनाएं दिनोंदिन बढ़ती जा रही हैं, आम आदमी इन हमलों से भारी नुकसान झेल रहे हैं, लेकिन बिडम्बना यह है कि सरकार के पास इसके समाधान का तंत्र कमजोर एवं बेअसर है । इन सोशल मीडिया के हमलों के साथ-साथ साइबर हमलों ने भी खतरों की झड़ी लगा दी है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि सूचना क्रांति ने हमारा जीवन आसान बना दिया है। तकनीक के जरिए प्रत्येक क्षेत्र में नित नए कीर्तिमान एवं जीवन को आसान बनाने की स्थितियां भी कायम हुई हैं। लेकिन, जिस तरह से साइबर संसार एवं तकनीक का विस्तार हो रहा है, उससे तेज गति से साइबर अपराध बढ़ रहे हैं, उन्हें देखते हुए कई बार तो लगता है कि हम कहीं वैश्विक जंग का नया मैदान तैयार करने एवं आम आदमी से जुड़ी महत्वपूर्ण सूचनाओं एवं संसाधनों को खतरे में तो नहीं डाल रहे हैं। ऐसा इसलिए, क्योंकि इस साइबर संसार के विस्तार के साथ ही राष्ट्रीय एवं व्यक्ति सुरक्षा को नया खतरा पैदा हो गया है, जो किसी युद्ध से भी ज्यादा खतरनाक एवं नुकसानदायी है। ऐसा युद्ध जिसमें न हमलावर का जल्द ही पता लग पाता और न ही हमले से हुए नुकसान का अंदाजा लगाया जा सकता। इन बढ़ते साइबर हमलों पर काबू पाने में सरकार की नाकामी ज्यादा चिन्ताजनक है। आम आदमी से संबंधित व्यक्तिगत डेटा या आंकड़े को चोरी होने से बचाना सरकार की प्रथम प्राथमिकता होनी चाहिए। प्रतिदिन व्हाट्सअप, फेसबुक, इंस्टाग्राम हैक होने की घटनाएं आम होती जा रही है, लेकिन इसी बीच अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान एम्स के सर्वर में सेंधमारी ने तो सरकार की नींद उड़ा दी है। तकनीकी विशेषज्ञों की लगातार कोशिशों के बावजूद उसे पहले की तरह ठीक नहीं किया जा सका है।

आशंका जताई जा रही है कि एम्स के सर्वर को हैक करने से करोड़ों व्यक्तियों से जुड़ी सूचनाओं पर सेंध लगने के साथ फिलहाल अस्पताल की इमरजेंसी, ओपीडी, लैब व अन्य सेवाओं में मैनुअली काम हो रहा है। मोटे अनुमान के मुताबिक एम्स के पास 4 करोड़ मरीजों का डेटा है। कई अतिविशिष्ट लोग जिनमें पूर्व प्रधानमंत्रियों, मंत्रियों, नौकरशाहों जैसे खास एवं नामचीन हस्तियों और उनकी हेल्थ-उपचार से जुड़ी जानकारी भी इस अस्पताल के सर्वर में उपलब्ध रहती है। निष्कर्ष पर नहीं पहुंच पाई हैं। इस बीच हैकर्स की ओर से सर्वर बहाल करने की एवज में 200 करोड़ रुपये की क्रिप्टो करेंसी की मांग की बात भी सामने आई है ।

देश की साइबर सुरक्षा में घुसपैठ के मामले लगातार बढ़ते ही दिख रहे हैं। इन अति महत्वपूर्ण संस्थानों के साथ आम व्यक्ति के व्हाट्सअप, फेसबुक, इंस्टाग्राम हैक होने एवं करोड़ों रुपये हैंकरों के द्वारा हड़प लेने के बावजूद सरकार ने इन खतरों से निपटने के किसी सशक्त तंत्र को विकसित नहीं किया है। साइबर अपराधों पर नियंत्रण के लिये अलग से पुलिस केन्द्र तो खोले गये हैं, लेकिन इनमें काम करने वाले कर्मी अधिकारियों को साइबर अपराधों के नियंत्रण की तकनीक का ज्ञान शून्य है, अन्य थानों की तरह यहां पर पीड़ितों से अपराधियों जैसे व्यवहार एवं सवालात किये जाते हैं। विडम्बना तो यह है कि इस तरह की शिकायत दर्ज करने में ही कोताही बरती जाती है। इन पुलिस केन्द्र में कोई भी ऐसे संसाधन एवं तकनीकी उपकरण नहीं हैं कि वे तत्काल उस पर नियंत्रण कर सके। मेरा व्हाट्सअप गत दिनों हैक हो गया, हैकर ने मेरे मिलने-जुलने वाले सभी व्हाट्सअप सदस्यों से पैसे मांगे। कुछ परिचितों ने हैकर के बताये अकाउन्ट में पैसे डाल भी दिये । अपराधी के बैंक अकाउन्ट को कुछ समय के लिये निष्क्रिय करने के लिये कार्रवाई नहीं करनी चाहिए ? क्या मोबाइल नम्बर की स्थिति का पता कर उस अपराधी तक पहुंच नहीं बनानी चाहिए ? ये कदम यदि यह साइबर अपराध सैल नहीं उठाती तो देश में साइबर अपराध पर नियंत्रण की सोचना ही मिथ्या है ।

केन्द्र सरकार की ओर से इसी साल लोकसभा में दी गई जानकारी में यह स्वीकार किया गया था कि पिछले चार वर्ष के दौरान देश में साइबर सुरक्षा तंत्र में घुसपैठ के 36.29 लाख प्रयास हो चुके हैं। साइबर अटैक के ये प्रयास वर्ष 2021 में सबसे ज्यादा हुए। सरकार अपराधों की बात महिमामंडित करके विधायी संस्थानों में प्रस्तुत करती है, लेकिन उनके समाधान के लिये सरकार ने क्या किया, इस सवाल पर गहरा सन्नाटा पसरा होता है । बात मेरे व्हाट्सअप हैक होने या एम्स सर्वर को हैक करने की ही नहीं है, यह डिजिटलीकरण की ओर बढ़ते देश में लगातार हो रहे साइबर हमलों की है ।

अजय दीक्षित

ग्रामीण चौपालों को लील गई राजनीति

गांव मैं अब न तो पहले जैसे त्योहारों की रौनक है और न ही शादी के वक्त महिलाओं द्वारा गाए जाने गीत। यहां तक की मौत पर हर घर में छा जाने वाला शोक का स्वरूप बदल गया है। पहले गांव में किसी जवान की मौत हो जाने पर उसके अंतिम संस्कार से पूर्व किसी भी घर का चूल्हा नहीं जलता था। लेकिन राजनीति के कारण पैदा हुई कटुता ने प्रेम के बंधन में बंधे गांव का माहौल इस कदर दूषित कर दिया कि महानगरों की खुदगर्जी की संस्कृति गांव में भी पड़ोसी की मौत पर दीवार सटे पड़ोसी की सेहत पर ज्यादा असर नहीं होता।

गांव की चौपाल की बात करूँ तो पुराने दिन याद आ जाते हैं, जब गांव के जोहड़/तालाब किनारे100 साल पुराने बरगद के पेड़ के नीचे 15- 20 पुराने दोस्त जो कि अब पड़ोसियों के रूप में बदल गए हैं, बैठे हुए आपस में गपशप लगाते नजर आते थे, उनकी उम्र भी करीब 70- 75 वर्ष हुआ करती थी। जब कभी मैं गांव की चौपाल के पास से गुजरता तो मुझे जहन में यही आता कि क्या कभी मैं भी इन चौपालों में शामिल हो पाऊंगा। लेकिन अब लगता है कि मैं कभी भी गांव की चौपाल में शामिल नहीं हो पाऊंगा। आपमें से ज्यादातर लोगों को पता नहीं होगा कि चौपाल क्या होती है?

रही नहीं चौपाल में, पहले जैसी बात।
नस्लें शहरी हो गई, बदल गई देहात।।
जब से आई गाँव में, ये शहरी सौगात।
मेड़ करें ना खेत से, आपस में अब बात।।

चार दशक पूर्व तक भारत के गांव कितने प्यारे थे, अपनी खूबसूरती पर चौपाले इतराया करती थी। उस वक्त चौपाले बारहमासी थी। सर्दियों में मुड्ढों पर बैठे बुजुर्ग ग्रामीण बीचों-बीच चलते अलाव के सहारे आधी रात गुजर जाने तक बतियाते रहते थे। हालांकि उस वक्त पंचायती राज की राजनीति भी गांव में घुस चुकी थी इसके बावजूद ग्रामीणों के मन और मस्तिष्क साफ-सुथरे थे। हुक्के की गुड़गुड़ाहट के बीच उस वक्त धार्मिक एवं सामाजिक कथाओं पर आधारित साफ-सुथरी चर्चाएं हुआ करती थी। बदलते परिवेश में आज इन चर्चाओं को पूरी तरह नेस्तनाबूद कर दिया है। अब अधिकांश गांव में बारहमासी चौपाले सजने की बात तो कोसों दूर यदा-कदा चर्चाओं की गूंज सुनाई देती है। चौपाल से पूरी तरह तलाक पा चुके गांव के लोग दूषित होती मानसिकता के चलते टीवी मोबाइल या फिर चूल्हे तक सीमित हो चुके है।

शहरी होती जिंदगी, बदल रहा हैं गाँव।
धरती बंजर हो गई, टिके मशीनी पाँव।।
गलियां सभी उदास हैं, सब पनघट हैं मौन।
शहर गए गाँव को, वापस लाये कौन।।

गांवों की चौपालें राजनीति का ककहरा सीखने की पाठशाला रही हैं तो ग्रामीणों के आपसी विवादों को निपटाने की अदालत भी। हुक्का गुड़गुड़ाते पंच जब किसी फैसले पर पहुंचते हैं तो उसे पंच परमेश्वर के निर्णय के रूप में माना जाता रहा है। बड़ी बात यह है कि चौपाल पर होने वाले पंचायती फैसलों को अदालत में भी तरजीह मिलती है। इसी प्रकार चौपाल से राजनीतिक फरमान भी सुनाए जाते रहे हैं तथा जिसके पक्ष में पंचायती फैसला हो गया, फिर उसे गांव-बस्ती के लोग मिलकर फलीभूत करते रहे हैं।

गांव की चौपाल की बात करूँ तो पुराने दिन याद आ जाते हैं, चौपाल उसे कहते हैं, जहां बैठक आयोजित हो और क्षेत्र चारों ओर से खुला हो, यहां पर गांव के लोग बैठकर देश डुविदेश की बातें करते या फिर गांव के भविष्य के बारे में चर्चा करते। आसान भाषा में मैं कह सकता हूं कि बरगद के नीचे 4-5 चारपाइयों पर बैठे वे बुजुर्ग चौपाल का हिस्सा होते हैं।

बदल गया तकरार में, अपनेपन का गाँव।
उलझ रहें हर आंगना, फूट-कलह के पाँव।।
पत्थर होता गाँव अब, हर पल करे पुकार।
लौटा दो फिर से मुझे, खपरैला आकार।।

गांव मैं अब न तो पहले जैसे त्योहारों की रौनक है और न ही शादी के वक्त महिलाओं द्वारा गाए जाने गीत। यहां तक की मौत पर हर घर में छा जाने वाला शोक का स्वरूप बदल गया है। पहले गांव में किसी जवान की मौत हो जाने पर उसके अंतिम संस्कार से पूर्व किसी भी घर का चूल्हा नहीं जलता था। लेकिन राजनीति के कारण पैदा हुई कटुता ने प्रेम के बंधन में बंधे गांव का माहौल इस कदर दूषित कर दिया कि महानगरों की खुदगर्जी की संस्कृति गांव में भी पड़ोसी की मौत पर दीवार सटे पड़ोसी की सेहत पर ज्यादा असर नहीं होता। अब गांव की चौपाल सिमट गयी है और घर में शाम को खाना होते वक्त हर घर की चौपाल वहीं पर आयोजित होती हैं। अब शायद गांव की चौपाल, फिर से जिन्दा नहीं हो पाएगी। बड़ा दुख होता है यह कहते हुए की मेरे देश की सबसे सच्ची न्याय प्रणाली आज खत्म हो रही हैं।

खत आया जब गाँव से, ले माँ का सन्देश।
पढ़कर आंखें भर गई, बदल गया वो देश।।
लौटा बरसों बाद मैं, बचपन के उस गाँव।
नहीं रही थी अब जहाँ, बूढी पीपल छाँव।।

परिवर्तन प्रकृति का नियम है और गांव में आया सांस्कृतिक सामाजिक व आर्थिक बदलाव में किसी दूसरे ग्रह से चलकर नहीं आया। बल्कि इंसान नहीं समय की रफ्तार से पैदा हुई आधुनिकता की दौड़ में शामिल होने के लिए नए आयामों को तलाशा में अंगीकार किया है। जिस प्रकार पुरानी इमारतें जमींदोज हो जाती है। ठीक उसी प्रकार पुरातन परंपराओं की छाती पर नए संसाधनों और संस्कृति ने स्वयं को प्रतिस्थापित किया है। अब हम लोगों का ये दायित्व बनता है कि हम सभी एक होकर ऐसी पुरानी परंपराओं को जोड़ें जो हमें मिलजुल कर रहने के लिए प्रेरित करें। चौपालों में लिए गए निर्णय पर शायद कभी अपील नहीं की जाती थी। इन सवालों के निर्णय में इंसानियत जिंदा नजर आती थी। मगर आज न्याय प्रणाली में इंसानियत से ज्यादा पैसों का महत्व नजर आता है। क्या मेरे देश में फिर से, क्या मेरे गांव में फिर से, उस बरगद के पेड़ के नीचे चौपाल बैठ पाएगी? खैर यह सोच कर भी क्या करना, क्योंकि चौपाल में बैठने का समय भी किसके पास रह गया ?

अपने प्यारे गाँव से, बस है यही सवाल।
बूढा पीपल हैं कहाँ,गई कहाँ चौपाल।।
चिठ्ठी लाई गाँव से, जब यादों के फूल।
अपनेपन में खो गया, शहर गया मैं भूल।।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

डॉ. सत्यवान सौरभ,
बड़वा (सिवानी) भिवानी, हरियाणा

रस घोल दो भोले

जीवन में रस घोल दो भोले,
मन की आंखें खोल दो भोले,
बहती है जो मस्त पवन वो,
उसको सुरभित कर दो भोले।
जीवन में रस ....
राग-द्वैष में जो डूबा है,
उसको गंग-सा पावन कर दो,
शहर हमारा स्वच्छ है भोले,
मन भी सबका उज्जवल कर दो।
जीवन में रस ....
प्रेम, प्यार हो सारे जन में,
और भोले की छवि हो मन में,
हो गुंजित सब मेल की बातें,
रात कटें भोले से बातें ।
जीवन में रस .....
ना जीवन में हो कोई बंधन,
भोले से हो बस गठबंधन,
नज़र मिले जब भोले से तो,
बस कर लूं चरणों का वंदन।
जीवन में रस ...
बस भोले को भजते-भजते,
उमर कटे बस भोले जपते,
एक ही इच्छा हो पानें की,
मिल जाएं भोले हंसते-हंसते।
जीवन में रस ....

कार्तिकेय कुमार त्रिपाठी राम
गांधीनगर, इन्दौर,मध्यप्रदेश

आओ राष्ट्र प्रेम जनजागरण कराएं

आओ साथ मिलकर राष्ट्र प्रेम
का जनजागरण कराएं
हमारी परम्पाओं सभ्यताओं
कलाकृतियों में आस्था दर्शाए
भारत राष्ट्र प्रेम संस्कृति का ख़ज़ाना है
यह कभी भी कम ना हो पाए
घर घर में जाकर भारतीय राष्ट्र प्रेम
संस्कृति दिल से अपनाने का मंत्र दिलाएं
बच्चों युवाओं में भारतीय राष्ट्र प्रेम
संस्कृति के प्रति प्रोत्साहन करवाएं
हमेशा याद दिलवाएं हम अपनी
विरासत की जड़ों को भूल न जाएं
डटकर लड़ना होगा हमें
पाश्चात्य संस्कृति से
ऐसा संकल्प करवाएं
हम अपनी जड़ों को भूल ना जाएं
पारंपरिक कला शैलियों को कायम रखने
हम ऐसा मिलकर रास्ता अपनाएं
बेहतर जिंदगी की तलाश में
हम अपनी जड़ों को भूल ना जाएं
हम देख रहे हैं कैसे शहरीकरण स्वदेशी
लोककला शैलियों को नुकसान पहुंचा रहे हैं
बड़े बुजुर्गों की बातों को छोड़
पाश्चात्य संस्कृति अपना रहे हैं

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

किशन सनमुख़दास भावनानी
गोंदिया महाराष्ट्र

हेमू कालाणी : अंग्रेजी सत्ता के विरुद्ध उठा किशोर सिंधी स्वर

भारत की आजादी के लिए अंग्रेजों के विरुद्ध 1857 से आरंभ किया गया संग्राम अनवरत अहर्निश गतिमान रहा है। स्वातंत्र्य समर की यह जाज्वल्यमान मशाल न कभी बुझने पाई, न डिगने पाई। स्वतंत्र समर में समाज के प्रत्येक क्षेत्र से जुड़े व्यक्तियों ने अपना योगदान दिया है। चाहे वे किसान, मजदूर, राजनैतिक व्यक्तित्व रहे हों या फिर विद्यार्थी, शिक्षक और पत्रकार। किसी ने अपनी लेखनी से क्रांति के गीत रचे हैं तो किसी ने अपने पावन रक्त से मां भारती का तिलक किया है। देश के अस्तित्व रक्षा के लिए उम्र मायने नहीं रखती। गुलामी की बेड़ियां काटने के लिए किशोर वय क्रांतिकारियों ने भी राष्ट्र चेतना के गौरव अनुष्ठान में अपने जीवन की आहुति समर्पित की है। नाना साहब पेशवा की बेटी मैना हो, उत्कल का किशोर पूनम नेगी या फिर बंगाल का सिंह शावक खुदीराम बोस। किशोर बलिदानियों की इस श्रंखला में सिंध के शहीद हेमू कालाणी का नाम विश्व में बड़े आदर से लिया जाता है।

हेमू कालानी को राष्ट्रप्रेम एवं देशभक्ति के संस्कार बचपन से ही मिले थे। हेमू का जन्म 23 मार्च 1923 को सिंध के सक्खर नामक गांव में पिता पेसूमल कालाणी एवं माता जेठी बाई के कुल परिवार में हुआ था। वह समय भारत में स्वतंत्रता आंदोलन के चरम का था तो वहीं भारतीयों के विरुद्ध अंग्रेजी शासन द्वारा किए जा रहे अमानवीय यातना एवं दमन का भी। अंग्रेजों के इस कठोर एवं निर्दयी पाशविक व्यवहार से संपूर्ण देश में क्रांति एवं विद्रोह का एक वातावरण बना हुआ था। महात्मा गांधी, सुभाषचंद्र बोस, विनायक दामोदर सावरकर, लाला लाजपत राय, लोकमान्य तिलक जन-जन के दिलों में श्रद्धा एवं शक्ति का केंद्र बन गये थे। महात्मा गांधी जब सिंध की यात्रा पर आए तो जन सैलाब सड़कों पर उतर आया। कराची में आयोजित कांग्रेस के अधिवेशन से भी पूरे सिंधु में स्वतंत्रता के लिए एक प्रेरक वातावरण बना। ऐसे में हेमू का बाल मन भला कैसे अप्रभावित रह सकता था, जिसे आरंभ से ही मां जेठी बाई द्वारा रात्रि में सोने से पहले महान नेताओं की कहानी सुनाई जाती रही हो। सात-आठ वर्ष का बालक अपने हमउम्र साथियों के साथ अपने हाथों में तिरंगा उठा नेतृत्व करते हुए शहर की बस्तियों में गली-गली प्रभात फेरी निकाला करता। संयोग से 23 मार्च 1931 को भगत सिंह एवं साथियों को फांसी की सजा दिए जाने से देशभर में अंग्रेजों के खिलाफ ज्वार उमड़ा। बालक हेमू ने संकल्प लिया कि एक दिन वह भी भगत सिंह की तरह भारत माता की सेवा-साधना में अपने प्राणों कि समिधा समर्पित कर देगा। वह कपड़े से फांसी का फंदा बना साथियों के साथ भगत सिंह की फांसी का खेल खेलता। मां के यह पूछने पर कि हेमू तू केसे खेल खेलता रहता है। वह निर्भय बालक बोलता, ÷मां ! एक दिन पूरा भारत वर्ष तुम्हारे पुत्र पर गौरव करेगा। मुझे भारत माता को अंग्रेजों से मुक्त कराना है।÷ मां गर्व से फूल बालक को सीने से लगा चूमने लगती। अब हेमू कालाणी जगह-जगह विदेशी वस्तुओं का बहिष्कार करता, होली जलाकर स्वदेशी वस्तुओं के प्रयोग हेतु सामान्य जन को प्रेरित करता। काल चक्र गतिशील था। 8 अगस्त 1942 को महात्मा गांधी ने भारत छोड़ो आंदोलन का ऐलान कर अंग्रेजों के विरुद्ध देशव्यापी संघर्ष छेड़ा। देश भर में जगह-जगह अंग्रेजों के विरुद्ध जनता उठ खड़ी हुई। सिंध भी ललकार कर खड़ा हुआ। पुलिस थानों, चौकियों, चौराहों पर विरोध प्रदर्शन होने लगे। हेमू इन गतिविधियों में बढ़-चढ़कर भाग लेने लगा। वह सिंध में लोकप्रिय हो घर-घर पहचाना जाने लगा। अक्टूबर 1942 में हेमू को जानकारी मिली कि क्वेटा में आंदोलनकारियों को दबाने एवं संसार के लिए सक्खर से एक फौजी दस्ता तमाम घातक हथियारों को लेकर ट्रेन से जाने वाला है। तब हेमू ने साथियों के साथ योजना बना रात के समय पुल के पास रेल ट्रैक की फिश प्लेटें उखाड़ना शुरू किया। रात्रि के शांत वातावरण में हथौड़े की आवाज से ड्यूटी पर तैनात सिपाही मुस्तैद हो गए और पकड़ने को दौड़े। हेमू ने अपने दोनों साथियों को भगा दिया और स्वयं डटे रहे। पकड़े गए। सिपाहियों द्वारा असहनीय शारीरिक दंड दिया गया। साथियों का नाम-पता जानने के लिए निर्मम यातनाएं दी गयीं। लेकिन हेमू ने यही कहा कि मेरे केवल दो साथी थे रिंच और हथोड़ा। मार्शल लॉ कोर्ट ने देशद्रोह के अपराध में हेमू को आजन्म कारावास दिया। आदेश की प्रति सिंध के हैदराबाद सेना मुख्यालय के अधिकारी कर्नल रिचर्डसन के पास अनुमोदन हेतु प्रेषित की गई। कर्नल आदेश प्रति पढ़कर आग बबूला हो गया और हेमू कालानी को अंग्रेजी सत्ता का खतरनाक शत्रु करार देते हुए आजीवन सजा को फांसी की सजा में बदल दिया। यह जानकारी बाहर आते हैं सिंध उबल पड़ा। गणमान्य व्यक्तियों के एक समूह ने वायसराय को पत्र लिखकर फांसी की सजा को आजन्म कारावास में बदलने की प्रार्थना की। लेकिन वायसराय ने शर्त रखी कि हेमू अपने दोनों साथियों के नाम बता दे। लेकिन हेमू ने शर्त अस्वीकार कर बलिदान का पथ चुना। अंततः 21 जनवरी 1943 को 19 वर्ष की अल्प आयु में प्रातः काल 7-55 पर हेमू कालाणी को सक्खर की जेल में फांसी दे दी गई।

देश अपने उस किशोर बलिदानी को भुला नहीं। 18 अक्टूबर 1983 को प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने माता जेठी बाई की उपस्थिति में हेमू कालाणी पर 50 पैसे का डाक टिकट जारी किया। देश के तमाम शहरों यथा इंदौर, जयपुर, राजनांदगांव, जोधपुर, अजमेर, उल्हासनगर आदि में चौराहों के नाम हेमू कालानी चौक रखे गए। फैजाबाद में एक पार्क का नाम रख , हेमू कालाणी की 15 फीट ऊंची प्रस्तर प्रतिमा स्थापित की गई। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के मुख्य चौराहे कचहरी चौक में प्रतिमा स्थापित कर वार्ड का नाम हेमू कालाणी वार्ड रखा गया। तो दिल्ली में एक विद्यालय का नाम शहीद हेमू कालाणी सर्वोदय बाल विद्यालय रख श्रद्धांजलि अर्पित की गई। स्वाधीनता के युद्ध का यह किशोर नायक करोड़ों भारतीयों के दिलों में हमेशा जीवित जाग्रत रहेगा।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

प्रमोद दीक्षित मलय
बांदा उत्तरप्रदेश

बाल कहानी //हैप्पी बर्थडे प्रेरणा//

प्रेरणा के लिये आज का दिन बहुत खास था, और होगा भी क्यों नहीं; आखिर आज उसका जन्मदिन जो था। सुबह उठ कर उसने सबसे पहले मम्मी का आशीर्वाद लिया। भैया बड़ी दूर जगह नौकरी करते थे। वे भी आये हुए थे; साथ में मामा जी थे।

प्रेरणा के पापा जी दुनिया में नहीं थे। उनकी बहुत याद आ रही थी उसे। मन बड़ा उदास था। पापा के साथ बिताये लम्हें खुशियों में धुँधलापन ले आते। ऐसा लगने लगता, मानो प्रभात का खिला कँवल रवि के अस्तांचल से धुमिल होने लगा हो। आज तो प्रेरणा के दिलो-दिमाग में बस एक ही बात चल रही थी-÷काश ! आज पापा जी होते।÷

मम्मी ने आज सब के लिये मीठा पकवान बनाया। भला वह कैसे भूलती, अपनी प्यारी बिटिया का जन्मदिन। प्रेरणा भी सुबह जल्दी उठी। नहा भी लिया। पूजा-पाठ भी हो गया। सुबह से ही उसका ध्यान बार-बार मोबाइल की तरफ जा रहा था कि अब किसी का कॉल आने वाला है। बड़ी प्रतीक्षा थी कि कौन उसे सबसे पहले जन्मदिन की बधाई देता है।

समय बीतता गया। न ही प्रेरणा की किसी सहेली का कॉल आया; और न ही रिश्तेदारों का। उसके मन में उथल-पुथल होने लगी। कुछ देर बाद भैया को वापस शहर जाना था, तो वे प्रेरणा को जल्दी ही केक काटने को बोले। मम्मी, भैया, मामा जी के साथ प्रेरणा ने केक काटा। थोड़ी खुशी हुई। नाश्ता कर के वे चले गए। फिर कुछ खास मित्रों के कॉल आते गये।

कुछ समय बाद प्रेरणा अपनी मम्मी से बोली- ÷मम्मी, किसी रिश्तेदार का कॉल नहीं आया।÷ मम्मी की नजर भी मोबाइल की तरफ ही थी कि आज उसकी बेटी को कोई जन्मदिन की बधाई क्यों नहीं दे रहा है। सुबह से रात हो गयी। किसी रिश्तेदार का कुछ पता नहीं। अब प्रेरणा का गुस्सा उबलता ही जा रहा था। आजकल तो मोबाइल में जिनका भी जन्मदिन रहता है; स्टेटस में फोटो के साथ बधाई प्रेषित हो ही जाता है। लेकिन उसके साथ ऐसा कुछ नहीं हुआ। वह घड़ी-घड़ी मोबाइल का स्टेटस देखती थी, कोई न कोई तो बधाई दिये होंगे। पर हर मैसेज बॉक्स ब्लैंक रहता। उसे बहुत बुरा लगा। मम्मी से शिकायती लहजे में बात करने लगी।

देखते ही देखते रात हो गयी। किसी का कुछ पता नहीं। प्रेरणा के गुस्सा का पारा बढ़ता गया; बोली- ÷दूसरे का जन्मदिन सब को याद रहता है, आज मेरी बारी आई तो सब भूल गए। क्या यही है हमारा परिवार ? अगर किसी का जन्मदिन रहता है तो आप तो बड़े सबेरे से ही कॉल कर के बधाई दे देते हैं। सब का जन्मदिन आपको याद रहता है। लेकिन मेरा जन्मदिन आज किसी को याद नहीं। हम लोग हर किसी की खुशी और गम दोनों में बराबर साथ देते हैं। कल तक पापा जी साथ थे, तो सब आगे से हमें याद करते थे। कॉल करते थे। आज एक कॉल तक नहीं , क्यों मम्मी क्यों...? मम्मी पर आज प्रेरणा के सवालों की झड़ी लगती जा रही थी- ÷अब कोई जरूरत नहीं है आपको भी किसी का जन्मदिन वगैरह याद करने की। कितने स्वार्थी हैं लोग... ! मुझे आज पता चल गया।÷

मम्मी प्रेरणा के समक्ष निरुत्तर थी। उसे भी बहुत बुरा लग रहा था। लेकिन बेटी के सामने मन मसोस कर रह गयी। मम्मी ने लाडली प्रेरणा को गोद में बिठाया; और बड़े प्यार से समझाने लगी- ÷देखो बेटा ! जो जैसा करता है, उसे वैसा ही करने दें। अगर हम भी उनके जैसा ही करेंगे तो, उनमें और हम में क्या फर्क रह जायेगा। जिनके पास जो रहता है न, वही तो ही वो दे सकते हैं न।÷

मम्मी की बातें सुन प्रेरणा बिफर गयी- ÷कुछ न होगा इन सबसे। जैसे के साथ तैसा ही होना चाहिए।÷ नन्ही प्रेरणा की आवाज तेज होने लगी। तभी मम्मी गहरी साँस लेते हुए बोली- ÷कभी ऐसा नहीं सोचना चाहिए कि उन सब के साथ ऐसा ही व्यवहार किया जाय। नहीं... नहीं....। हमेशा याद रखना बिटिया, हम अपने व्यवहार व संस्कार का ध्यान रखें। आज तुम्हें बहुत बुरा लग रहा है; यह मुझे पता है, लेकिन कभी यह मत सोचना कि कल तुम भी उनके साथ ऐसा ही करोगी। इससे फिर तुम में और उन लोगों में कोई अंतर नहीं रह जायेगा। तुम्हें हम से जो संस्कार मिला है, उसका सदुपयोग करो। तुम क्यों निरर्थक सोच कर परेशान हो रही हो। मैं हूँ न। जिनकी जैसी मर्जी, उन्हें करने दें। हमें फर्क नहीं पड़ता। हमेशा खुश रहना सीखो। मन से प्रफुल्लित रहो, और बदले की भावना भी मत रखो। भगवान सब देख रहे हैं। तुम्हारे साथ तुम्हारे पापा जी भी हैं; और पापा हैं तो भगवान हैं। तुम्हारी हर मनोकामना पूरी होगी। याद रखना, मनुष्य को अपना संस्कार नहीं भूलना चाहिए। प्रेरणा मम्मी की बातें कान लगाकर सुन रही थी। धारा प्रवाह बोलती हुई मम्मी का गला भर आया। वहाँ से उठ कर चली गयी। प्रेरणा को आज जीवन की महत्वपूर्ण बातें सीखने को मिली। भीगी पलकें लिए मम्मी के पास गयी। मम्मी के आँसू पोंछते हुए उनसे लिपट गयी; बोली- मम्मी, मुझे बोलो न.... हैप्पी बर्थडे टू यू...! हैप्पी बर्थडे प्रेरणा....! हैप्पी बर्थडे माय डियर ! अँई बोलो न....!

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

प्रिया देवांगन प्रियू
गरियाबंद छत्तीसगढ़

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

शहर में घुसे हाथी ने एक युवक को कुचला,3 दिन बाद मिली लाश

- संवाददाता-

अंबिकापुर,22 जनवरी 2023 (घटती-घटना)। शहर के पास पिछले तीन दिनों से भटक रहे हाथी ने अंततः एक ग्रामीण को कुचल कर मार डाला। युवक अपने ससुराल जाने के लिए घर से निकला था परन्तु उसकी लाश आज गांव के पास ही बांसबाड़ी में मिली।

20 जनवरी को शहर में प्रतापपुर की ओर से एक हाथी शहर में घुस आया था। इसकी भनक लगते ही वन अमला मुस्तैद हो गया था। हाथी फॉरेस्ट कॉलोनी व संजय पार्क व गाड़ा घाट होते हुए तकिया नर्सरी की ओर चला गया था। यहां वन विभाग द्वारा उस पर ड्रोन कैमरे से निगरानी रखी गई थी।इधर शहर के बौरीपारा गाड़ाघाट निवासी प्रकाश केरकेट्टा पिता रामलाल 32 वर्ष 19 जनवरी को ही अपने एक दोस्त के साथ स्कूटी से अपने ससुराल कोरबा जिले के मोरगा के आसपास जाने निकला था। गाड़ाघाट की ओर हाथी आने की खबर पर वह साथी के साथ रुक गया।इधर वन अमले द्वारा सभी को हाथी की ओर न जाने की समझाइश दी जा रही थी लेकिन प्रकाश केरकेट्टा बांसबाड़ी की ओर चला गया। इस दौरान हाथी ने उसे कुचलकर मार डाला। उसकी क्षत-विक्षत लाश 22 जनवरी की सुबह बांसबाड़ी में मिली। मृतक न तो अपने ससुराल पहुंचा था और न ही घर। परिजनों ने अपने स्तर से उसकी खोजबीन की लेकिन उसका कहीं पता नहीं चल रहा था। इधर उसका दोस्त भी अपने घर पहुंच गया था। उसे भी पता नहीं था कि प्रकाश के साथ आखिर क्या हुआ था।रविवार की सुबह कुछ लोगों ने गाड़ाघाट स्थित बांसबाड़ी में युवक की लाश देख वन विभाग को सूचना दी। सूचना पर पहुंची वन विभाग की टीम ने शव को बरामद किया, उसकी पहचान प्रकाश केरकेट्टा के रूप में की गई। वन विभाग ने हाथी द्वारा उसे मारे जाने की पुष्टि की है।

अजबनगर व एकेडमी-11 की टीम ने जीता लीग मैच

- संवाददाता-

अंबिकापुर, 22 जनवरी 2023 (घटती-घटना)। स्व. एमएस सिंहदेव स्कूल स्मृति क्रिकेट प्रतियोगिता अंबिकापुर में रविवार को लीग मैच हायर सेकेंडरी स्कूल अजबनगर, बिश्रामपूर, मल्टीपरपज स्कूल, होली क्रास स्कूल और एकेडमी 11 टीम का आपस में लीग खेला जाएगा। पहला लीग मैच होली क्रास और हायर सेकेंडरी स्कूल अजबनगर के बीच खेला गया। जिसमें होली क्रास टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 15 ओवर में 101 रनों का लक्ष्य दिया। हायर सेकेन्डरी स्कूल अजबनगर 101 रन का लक्ष्य का पीछा करते हुए 11 ओवर में ही 8 विकेट से मैज जीत लिया। टीम की ओर से अभय मैन ऑफ द मैच रहे।

दूसरा लीग मैच एकडमी 11 और बिश्रामपुर के बीच खेला गया। इस मैच में विश्रामपुर की टीम ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी करते हुए 15 ओवर में 8 विकेट खो कर 130 बनाए। 130 रन का लक्ष्य का पीछा करने के लिए एकेडमी 11 की टीम ने 13 ओवर 4 बाल पर 131 रन बना कर मैच जीत लिया। इस मैच का मैन ऑफ द मैच त्रम्बेंकेश्वर सिंह उर्फ शिवम रहे। निर्णायक रवि शंकर भगत, कमल किशोर निकुंज, रविन्द्र सिंह, पवनीत गील, अरुण पटवा, इशहाक तिर्की, विशेष दुबे थे।

अज्ञात व्यक्ति के शव मिलने से क्षेत्र में फैली सनसनी जताई जा रही हत्या की आशंका

- संवाददाता-

अंबिकापुर, 22 जनवरी 2023 (घटती-घटना)। लखनपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम चूकनडांड एफसीआई गोदाम के समीप रतनजोत प्लांटेशन में 22 जनवरी दिन रविवार की दोपहर अज्ञात व्यक्ति के शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई।घटना की सूचना ग्रामीणों के द्वारा लखनपुर पुलिस को दी गई। सूचना पाकर पुलिस अनुविभागीय अधिकारी अखिलेश कौशिक, प्रशिक्षु डीएसपी डॉ प्रशांत देवांगन दल बल के साथ मौके पर पहुंचे। शव को कब्जे में लेकर मामले की छानबीन करते हुए मृतक की शिनाख्त की जा रही है। बताया जा रहा है कि मृतक के सर एवं चेहरे में चोट के निशान हैं। हत्या की आशंका जताई जा रही है। फिलहाल पुलिस शव को चीरघर भिजवा कर मामले की जांच करते हुए संदेहियो से पूछताछ की जा रही है।

चित्रकला प्रतियोगिता में बच्चों ने अपनी भावनाओं को उकेरा

इप्टा द्वारा आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता में लगभग 50 स्कूल के बच्चे हुए शामिल

- संवाददाता-

अंबिकापुर, 22 जनवरी 2023 (घटती-घटना)। भारतीय जन नाट्य संघ (इप्टा) अम्बिकापुर द्वारा स्कूल स्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया। प्रतियोगिता 4 वर्गों में सम्पन्न हुई। लगभग 40 से 50 विद्यालयों के सैकड़ों विद्यार्थिओं ने भाग लिया। प्रतियोगिता में वनों, राष्ट्रीय एकता, भ्रष्टाचार, मंदिर-मस्जिद में सौहार्द, किसान, जल, पर्यावरण, प्राकृतिक, राजनीति एवं विविध विद्याओं पर आधारित चित्र बनाए गए। जो कि विभिन्नता में एकता की प्रस्तुति थी। इप्टा की तरफ से इस मौके पर वरिष्ठ साहित्यकार तपन बनर्जी इप्टा के सहयोगी प्रह्लाद गोयल दम्पति, मजदूर नेता जितेन्द्र सिंह सोढ़ी, पार्षद रिन्कु वर्मा, इप्टा के वरिष्ठ सदस्य डॉ. आशा शर्मा एवं विजय गुप्त का पुष्प गुच्छ से सम्मान किया गया। इस प्रतियोगिता का यह 34वां वर्ष था। कई वक्ताओं ने शुभकामनाएं देते हुए कहा कि बच्चों को कला से जोडने और एक अच्छे नागरिक में बदलने का प्रयास इप्टा अम्बिकापुर को इतिहास में जगह प्रदान करता है। इस मौके पर संस्था के अध्यक्ष अंजनी पाण्डेय, सचिव संदीप कुमार सिन्हा, कोषाध्यक्ष संजय मनवानी, वरिष्ठ सदस्य राजेश मिश्रा, प्रितपाल सिंह अरोरा (पूर्व अध्यक्ष), वेद प्रकाश अग्रवाल, कृष्णानंद तिवारी, जयेश वर्मा, प्रियंका पाण्डेय, अंबिका खेमरिया, शहीद भगत सिंह अकादमी के चरण प्रीत सिंह, टिया विश्वकर्मा लगातार कार्यरत रहे। विशेष सहयोग दिनेश कुमार पाण्डेय, करूणा पाण्डेय का रहा। अम्बिकापुर नगरपालिका निगम, प्रदीप गुप्ता एवं गोयल का आभार व्यक्त किया गया। इस प्रतियोगिता में केशवपुर के आत्मानन्द स्कूल , आशा निकुंज के मूक बधिर बच्चों एवं लुड्डा विद्यालय के प्रतियोगी बच्चों ने भाग लिया।

कलेक्टोरेट बंगला के पास से बाइक पार

- संवाददाता-

अंबिकापुर, 22 जनवरी 2023 (घटती-घटना)। शहर के कलेक्टोरेट बंगला स्थित कंपनी बाजार के पास से एक व्यक्ति की बाइक अज्ञात चोर ने पार कर दी। पीड़ित ने मामले की रिपोर्ट कोतवाली में दर्ज कराया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार अजय साहू शहर के लक्ष्मीपुर का रहने वाला है। वह 8 जनवरी को अपनी बाइक क्रमांक सीजी 15 सीआर 6732 से सब्जी खरीदने कंपनी बाजार गया था। वह कलेक्टोरेट बंगला के पास अपनी बाइक खड़ी कर सब्जी खरीद रहा था। इस दौरान अज्ञात चोर ने बाइक पार कर दी। वह मामले की रिपोर्ट कोतवाली में दर्ज कराया है। पुलिस अज्ञात के खिलाफ अपराध दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

सड़क दुर्घटना में एक युवक की मौत दूसरा गंभीर

- संवाददाता-

अंबिकापुर, 22 जनवरी 2023 (घटती-घटना)। अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार दो युवक गंभीर रूप से जख्मी हो गए। दोनों को इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर में भर्ती कराया गया। यहां इलाज के दौरान एक युवक की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार पप्पू पैकरा पिता समय लाल कंवर उम्र 27 वर्ष खडगांवा थाना क्षेत्र के ग्राम मायापुर का रहने वाला था। वह अपने साथी सीधमा निवासी राजू पैकरा के साथ अंबिकापुर में रहकर मजदूरी का काम करता था। शनिवार को दोनों बाइक से घर से अंबिकापुर आ रहे थे। रास्ते में छतरपुर के पास पीछे से अज्ञात वाहन टक्कर मार कर फरार हो गया। दुर्घटना में दोनों गंभीर रूप से जख्म हो गए। दोनों को इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर में भर्ती कराया गया। यहां इलाज के दौरान पप्पू पैकरा की मौत हो गई। जबकि राजू का इलाज चल रहा है।

राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए ताइक्वांडो खिलाड़ियों का हुआ चयन

- संवाददाता-

अंबिकापुर 22 जनवरी 2023 (घटती-घटना)। 18वीं राज्य स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन 28 से 30 जनवरी तक कोरबा में किया जाना है। इस प्रतियोगिता में शामिल होने हेतु सरगुजा जिला में सलेक्शन प्रतियोगिता का आयोजन 22 जनवरी को अम्बिकापुर ताईक्वाडो प्रशिक्षण केन्द्र पीजी कॉलेज ग्राउंड में किया गया। चयन प्रतियोगिता का आयोजन सरगुजा ताइक्वांडो संघ के अध्यक्ष शैलेन्द्र प्रताप सिंह के नेतृत्व में किया गया। प्रतियोगिता में 118 खिलाडियों ने भाग लिया और इस प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन करने वाले खिलाडियों को 18वीं राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयन किया जाएगा। चयन प्रतियोगिता के दौरान मुख्य रूप से सौरभ फिलिप, रवि शंकर त्रिपाठी, सरगुजा ताइक्वांडो संघ के सचिव अशोक तिर्की, प्रिंस विश्वकर्मा, जॉनी एसके, पुलिस लाइन ताइक्वांडो क्लास के कोच राधेश्याम मानिकपुरी, देव कश्यप, उदयपुर के कोच श्रीनाथ, सीतापुर के कोच संजय खेस, मैनपाट के कोच चांदनी पैकरा, प्रतापपुर के कोच बलराम ठाकुर, लखनपुर के कोच देवीचंद बैग, लुण्ड्रा के कोच पंकज मिंज, पीजी कॉलेज ट्रेनिंग सेंटर के कोच गन्नू खत्री, रेफरी नितिन श्रीवास्तव व चंदू मिंज शामिल रहे।

पशु सखियों को मिला 7 दिवसीय प्रशिक्षण

- संवाददाता-

अंबिकापुर 22 जनवरी 2023 (घटती-घटना)। अम्बिकापुर. कलेक्टर कुंदन कुमार के निर्देश और जिला पंचायत सीईओ विश्वदीप के मार्गदर्शन में सीएसएमए अंतर्गत आजीविका मिशन द्वारा चयनित पशु सखियां को पशुधन विकास विभाग द्वारा 7 दिवसीय अवासीय प्रशिक्षण कृषि विज्ञान केंद्र अंबिकापुर में दिया गया। पशु सखियों को प्रशिक्षण के अंतर्गत सभी पशुओं जैसे गाय, भैंस, बछड़ा तथा गाभिन गायों सहित बकरी, शूकर के बारे में विस्तृत प्रशिक्षण मास्टर ट्रेनेट डॉ. सीके मिश्रा द्वारा दिया गया। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य पशु सखियों को पशुपालन अंतर्गत रोग नियंत्रण तथा रोकथाम, प्रबंधन, पोषण, प्राणीजन्य रोग, टीकाकरण, डिवार्मिंग, बधियाकरण, पशु प्रजनन चक्र, गर्भावस्था निदान, तरल नाइट्रोजन की हैंडलिंग, कृत्रिम गर्भाधान तथा पशु चिकित्सा क्लीनिकल प्रैक्टिकल संबंधी विस्तृत जानकारी दी गई। जिले में नवाचार के रूप में बकरियों में कृत्रिम गर्भधान कार्य किया जा रहा है। पशु सखियों को बकरियों में कृत्रिम गर्भाधान के बारे में विस्तृत रूप से बताया गया। पशु सखियों को बैंक लिंकेज और बैंक से ऋण के विषय में जानकारी डीपीएम राहुल मिश्रा द्वारा दिया गया। प्रशिक्षण में उप संचालक डॉ बीपी सतनामी के द्वारा भी मार्गदर्शन दिया गया।

साधु के भेष में चोर सीसी टीवी फुटेज में हुआ कैद

- पान ठेला में दो जगहों पर तोड़ा ताला
- लगभग 5 हजार का सामान व नगदी की हुई चोरी

- संवाददाता-

उदयपुर, 22 जनवरी 2023 (घटती-घटना)। चोर अब साधु का भेष बदलकर पहले शहर में चार से पांच दिनों तक भिक्षा मांगने का काम करने के बाद रात में चोरी करने लगे है। ऐसा ही मामला उदयपुर नगर का है जहां शनिवार की रात को तीन बजे के बाद साधु का भेष बदलकर चोर रात में आया और नगर के मध्य में स्थित रमेश पान कार्नर और विश्वनाथ पान कार्नर में दोनों जगह ताला काटकर ठेला में रखे कुछ नगदी रुपए लगभग 1500 और मंहगे सिगरेट लगभग 30 पैकेट को ले गया। जाते जाते ठेला में रहे पैसे वाली पेटी को सीढ़ी के नीचे फेंक कर चला गया।

ठेला वालों को चोरी की जानकारी तब लगी जब सुबह ठेला खोलने आए। अगल बगल के सीसी टीवी फुटेज खंगालने पर पता चला की

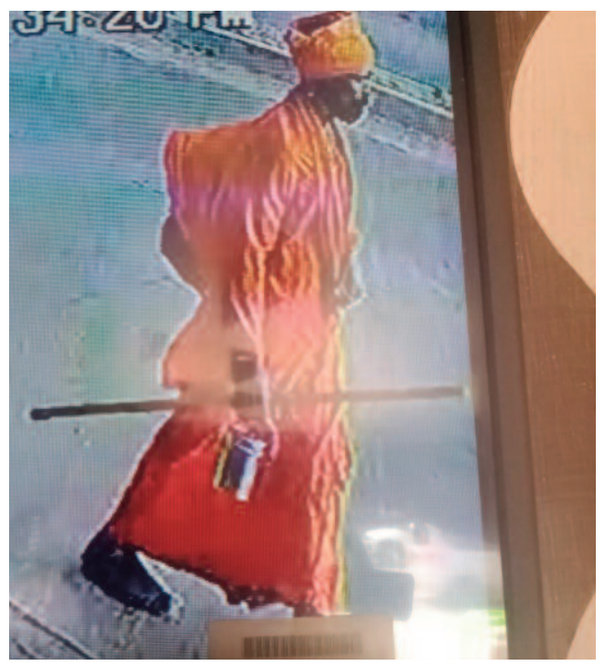

रात को तीन बजकर बीस मिनट में साधु का वेश धारण किया हुआ बदमाश चोरी किया है। इससे पूर्व उक्त साधु का वेश धारण किया शख्स लगभग पांच दिनों से उदयपुर में घूमघूम कर भिक्षा मांगने का काम किया है। घटना की सूचना उदयपुर पुलिस को दे दी गई है। पुलिस द्वारा आरोपी की पता तलाश की जा रही है।

हत्या के मामले का थाना सूरजपुर पुलिस ने किया खुलासा,1 आरोपी गिरफ्तार

- संवाददाता-

सूरजपुर,22जनवरी 2023 (घटती-घटना)। कालेज रोड़ सूरजपुर निवासी बबिता सिंह ने थाना सूरजपुर में सूचना दिया कि 20 जनवरी की सुबह धनरासो उर्फ निशा सिंह के घर सुपा मांगने गई थी घर के बाहर से उसे आवाज देने पर कोई जवाब नहीं मिला तब यह घर अंदर जाकर देखी तो धनरासो किचन कमरे में कंबल से ढकी हुई थी कंबल को हटाकर देखी तो वह मृत पड़ी थी मृतिका का पति रामरतन देवांगन घर में नहीं था। सूचना पर मर्ग कायम कर थाना सूरजपुर की पुलिस मौके पर पहुंची।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक सूरजपुर रामकृष्ण साहू (भा.पु.से.) ने एसडीओपी सूरजपुर प्रकाश सोनी, एफएसएल व क्राईम सीन की टीम को मौके पर भेजते हुए घटना स्थल का बारीकी से अवलोकन कर साक्ष्य संकलन करने के निर्देश दिए। घटना स्थल पर पहुंची पुलिस टीमों के द्वारा शव पंचनामा के बाद पीएम के लिए भेजा और पड़ोसियों से बारीकी से पूछताछ किया। डॉक्टर के द्वारा शार्ट पीएम रिपोर्ट में मृतिका की मृत्यु हत्यात्मक प्रकृति का होना लेख किए जाने पर मामले में अपराध क्रमांक 39/23 धारा 302 भादसं. के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया।

पुलिस अधीक्षक सूरजपुर ने प्रकरण के आरोपी को अविलम्ब गिरफ्तार करने के निर्देश थाना प्रभारी सूरजपुर को दिए। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मधुलिका सिंह व एसडीओपी सूरजपुर प्रकाश सोनी के मार्गदर्शन में थाना सूरजपुर की पुलिस के द्वारा प्रकरण की गंभीरतापूर्वक विवेचना की गई। मामले को लेकर पुलिस महानिरीक्षक, सरगुजा रेंज सरगुजा श्री रामगोपाल गर्ग (भा.पु.से.) के द्वारा लगातार मामले की विवेचना की जानकारी लेते हुए विवेचना संबंधी महत्वपूर्ण निर्देश दिए।

मृतिका का पति रामरतन घटना के बाद से ही फरार था जिससे शक उसी पर गहराता गया। इसी बीच विश्वस्त सूत्रों से जानकारी मिली कि संदेही रामरतन देवांगन बाहर भागने की फिराक में है और बस स्टैण्ड के पास देखा गया है जिसके बाद पुलिस ने घेराबंदी कर उसे पकड़ा। पूछताछ पर उसने बताया कि 19 जनवरी की सुबह अपनी मोटर सायकल लेने ग्राम सेंदरी गया था पत्नी धनरासो उर्फ निशा घर में अकेली थी, दोपहर में घर वापस आया तो दरवाजा बंद था पत्नी को आवाज देने पर नहीं सुनी, दरवाजे को धक्का देकर खोला और अंदर गया तो पत्नी शराब पीकर सो रही थी आवाज देकर खाना देने के लिए उठाया तो नहीं उठी इस कारण गुस्सा होकर टांगी के बेट से पत्नी को मारपीट कर गंभीर चोट पहुंचाया जिससे वह बेहोश हो गई फिर उसे किचन कमरे में जमीन में लेटा दिया और कंबल ढककर वहां से भाग गया। आरोपी रामरतन देवांगन पिता स्व. सुखल राम देवांगन उम्र 30 वर्ष निवासी छातापारा सुरता, थाना रामानुजनगर, वर्तमान निवासी कालेज रोड़ सूरजपुर के निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त टांगी जप्त का आरोपी को गिरफ्तार किया है।

इस कार्यवाही में एसआई दिनेश राजवाड़े, संतोष सिंह, गजपति मिर्रे, एएसआई बजरंगी लाल चौहान, प्रधान आरक्षक इसित बेहरा, लखेश साहू, मोहम्मद तालीब शेख, आरक्षक रामकुमार नायक, लक्ष्मी नारायण मिर्रे, संजय सिंह, विजय टोप्पो व बृजभवन कंवर सक्रिय रहे।

चोरी के बिजली पम्प सहित 2 गिरफ्तार, चौकी उमेश्वरपुर पुलिस की कार्यवाही

- संवाददाता-

सूरजपुर, 22 जनवरी 2023 (घटती-घटना)। को ग्राम नमना निवासी कवलसाय सिंह ने चौकी उमेश्वरपुर में रिपोर्ट दर्ज कराया कि अपने खेती किसानी के लिए अटेम नदी किनारे एक टेक्समो कंपनी का 1 एचपी का बिजली पम्प लगवाया था जिसे बीते रात्रि को कोई अज्ञात चोर चोरी कर ले गया। रिपोर्ट पर धारा 379 भादसं के तहत मामला पंजीबद्ध कर चोर की पतासाजी की गई।

एसडीओपी प्रेमनगर प्रकाश सोनी के मार्गदर्शन में चौकी उमेश्वरपुर की पुलिस ने चोर की पतासाजी में लगी थी इसी बीच मुखबीर से सूचना मिली कि गांव के ही 2 व्यक्ति परशुराम व रमेश पम्प चोरी किए है जिसके बाद दोनों संदेहियों को पकड़ा गया। पूछताछ पर दोनों ने 1 एचपी का बिजली पम्प चोरी कर अटेम नदी के बालू के नीचे छिपाकर रखना बताया जिसे आरोपियों के निशानदेही पर बरामद किया गया। मामले में

1 एचपी बिजली पम्प कीमत 8500 रूपये का जप्त कर आरोपी परशुराम पिता शिवराम उम्र 30 वर्ष व रमेश पिता गरजुराम उम्र 30 वर्ष निवासी ग्राम नमना को गिरफ्तार किया गया। इस कार्यवाही में चौकी प्रभारी उमेश्वरपुर देवनाथ चौधरी, आरक्षक विक्रम सिंह, राकेश सिंह, मनोज जायसवाल, जगदीश साहू, सुरेन्द्र पैंकरा व सत्य नारायण तिवारी सक्रिय रहे।

हनुमानजी अपनी शक्ति क्यों भूल गए थे?

श्री सीता हरण के बाद हनुमानजी और श्रीराम का मिलन हुआ और हनुमानजी ने श्रीराम को सुग्रीव, जामवंत आदि वानरयूथों से मिलाया। फिर जब लंका जाने के लिए रामसेतु बनाया गया तो श्रीराम ने हनुमानजी को लंका जाने का आदेश दिया, परंतु हनुमानजी ने लंका जाने में अपनी असमर्थता जताई तब जामवंतजी ने हनुमानजी को उनकी शक्तियों की याद दिलाई। परंतु सवाल यह है कि हनुमानजी अपनी शक्ति क्यों भूल गए थे? दरअसल, हनुमानजी को कई देवताओं ने विभिन्न प्रकार के वरदान और अस्त्र-शस्त्र दिए थे। इन वरदानों और अस्त्र-शस्त्र के कारण बचपन में हनुमानजी उधम मचाने लगे थे। खासकर वे ऋषियों के बगीचे में घुसकर फल, फूल खाते थे और बगीचा उजाड़ देते थे। वे तपस्यारत मुनियों को तंग करते थे। उनकी शरारतें बढ़ती गई तो मुनियों ने उनकी शिकायत उनके पिता केसरी से की। माता-पिता में खूब समझाया कि बेटा ऐसा नहीं करते, परंतु हनुमानजी शरारत करने से नहीं रुके तो एक दिन अंगिरा और भृगुवंश के ऋषियों ने कुपित होकर उन्हें श्राप दे दिया कि वे अपने शक्तियों और बल को भूल जाएंगे परंतु उचित समय पर उन्हें उनकी शक्तियों को कोई याद दिलाएगा तो याद आ जाएगी। फिर जब हनुमानजी को श्रीराम का कार्य करना था तो जामवंत जी का हनुमानजी के साथ लंबा संवाद होता है। इस संवाद में वे हनुमानजी के गुणों का बखान करते हैं और तब हनुमानजी को अपनी शक्तियों का आभास होने लगता है। अपनी शक्तियों का आभास होते ही हनुमानजी विराट रूप धारण करते हैं और समुद्र को पार करने के लिए उड़ जाते हैं।

छठी इंद्री क्या होती है, इसे कैसे जाग्रत किया जा सकता है

- छठी इंद्री को अंग्रेजी में सिक्स्थ सेंस कहते हैं। यह क्या होती है, कहां होती है और कैसे इसे जाग्रत किया जा सकता है यह जानना भी जरूरी है। इसे जाग्रत करने के लिए वेद, उपनिषद, योग आदि हिन्दू ग्रंथों में अनेक उपाय बताए गए हैं। नास्त्रेदमस इसी तरह के उपायों से भविष्यवक्ता बने थे।
- मस्तिष्क के भीतर कपाल के नीचे एक छिद्र है, उसे ब्रह्मरंध्र कहते हैं, वहीं से सुषुम्ना नाड़ी सहस्रकार के जुड़कर रीढ़ से होती हुई मूलाधार तक गई है। इसी नाड़ी के बायीं ओर इड़ा और दायीं ओर पिंगला नाड़ी स्थित है। दोनों के बीच सुप्तावस्था में छठी इंद्री स्थित है।
- यह छठी इंद्री ही हमें हर वक्त आने वाले खतरे या भविष्य में होने वाली घटनाओं का आभास करती रहती है लेकिन कुछ लोग इसे स्पष्ट समझ लेते हैं और कुछ नहीं। यदि आप इसे समझें तो आपके साथ घटने वाली घटनाओं के प्रति ये इंद्री आपको सजग कर देगी।
- छठी इंद्री जाग्रत होने से व्यक्ति में भूत और भविष्य में झांकने की क्षमता आ जाती है। ऐसा व्यक्ति मीलों दूर बैठे व्यक्ति की बातें सुन सकता और उसे देख भी सकता है। दूसरों के मन की बात जान ही नहीं सकता बल्की उनका मन बदल भी सकता है और दूसरों की बीमारी दूर की जा सकती है।
- वैज्ञानिकों के अनुसार छठी इंद्री कल्पना नहीं, वास्तविकता है, जो हमें किसी घटित होने वाली घटना का पूर्वाभास कराती है। यूनिवर्सिटी ऑफ ब्रिटिश कोलंबिया के रॉन रेसिक के अनुसार छठी इंद्रिय के कारण ही हमें भविष्य में होने वाली घटनाओं का पूर्वाभास होता है।
- छठी इंद्री को जाग्रत करने का बहुत ही सरल तरीका है। तीन माह के लिए खुद को परिवार और दुनिया से काटकर आपको योग की शरण में जाना होगा। यम, नियम, प्राणायम और योगासन करते हुए लगातार ध्यान करना होगा।
- प्राणायाम सबसे उत्तम उपाय इसलिए माना जाता है क्योंकि हमारी दोनों भौहों के बीच छठी इंद्री होती है। सुषुम्ना नाड़ी के जाग्रत होने से ही छठी इंद्री जाग्रत हो जाती है। प्राणायम के माध्यम से छठी इंद्री को जाग्रत किया जा सकता है।
- मेस्मेरिज्म या हिप्नोटिज्म जैसी अनेक विद्याएं इस छठी इंद्री को जाग्रत करने का सरल और शॉर्टकट रास्ता है लेकिन इसके खतरे भी हैं। हिप्नोटिज्म को सम्मोहन कहते हैं। सम्मोहन विद्या को ही प्राचीन समय से 'प्राण विद्या' या 'त्रिकालविद्या' के नाम से पुकारा जाता रहा है।
- मन के कई स्तर होते हैं। उनमें से एक है सुक्ष्म शरीर से जुड़ा हुआ आदिम आत्म चेतन मन। यह मन हमें आने वाले रोग या खतरें का संकेत देकर उससे बचने के तरीके भी बताता है। इस मन को प्राणायाम या सम्मोहन से साधा जा सकता है।
- त्राटक क्रिया से भी इस छठी इंद्री को जाग्रत कर सकते हैं। आप बिना पलक गिराए किसी एक बिंदु, क्रिस्टल बॉल, मोमबत्ती या घी के दीपक की ज्योति पर देखते रहिए। इसके बाद आंखें बंद कर ध्यान करें। कुछ समय तक इसका अभ्यास करें। इससे धीरे-धीरे छठी इंद्री जाग्रत होने लगेगी।
- ऐसा कई बार देखा गया है कि कई लोगों ने अंतिम समय में अपनी बस, ट्रेन अथवा हवाई यात्रा को कैंसिल कर दिया और वे चमत्कारिक रूप से किसी दुर्घटना का शिकार होने से बच गए। बस यही छठी इंद्री का कमाल है। आप इसे पहचानें क्योंकि यह सभी संवेदनशील लोगों के भीतर होती है।
- यदि आपको यह आभास होता है कि पीछे कोई चल रहा है या दरवाजे पर कोई खड़ा है। कुछ होनी-अनहोनी होने वाली है या कोई खुशी का समाचार मिलने वाला है तो आप अपनी इस क्षमता पर लगातार गौर करें और ध्यान देंगे तो यह विकसित होने लगेगी। जैसे-जैसे अभ्यास गहराएगा आपकी छठी इंद्री जाग्रत होने लगेगी और आप भविष्यवक्ता बन जाएंगे।

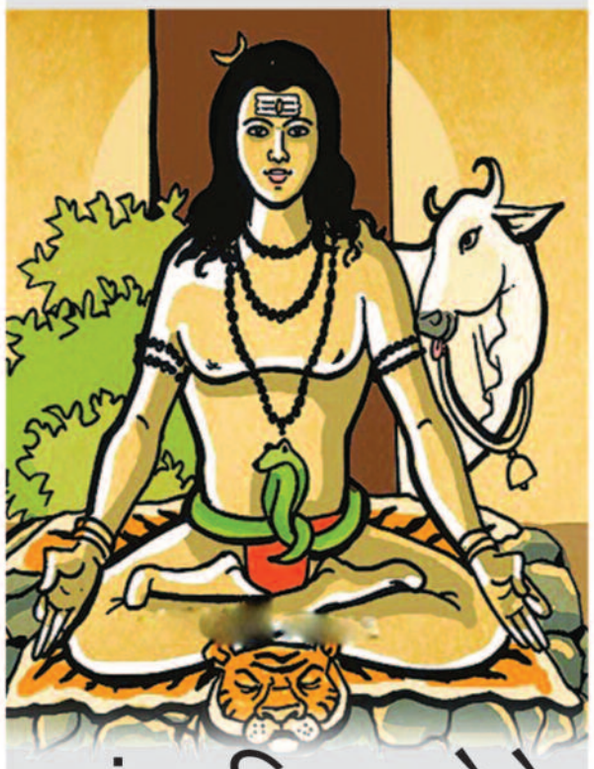

तुरंत सिद्ध होते हैं साबर मंत्र

वैदिक अथवा तांत्रोक्त अनेक ऐसे मंत्र हैं, जिसमें साधना करने के लिए अत्यंत सावधानी की जरूरत होती है। असावधानी से कार्य करने पर प्रभाव प्राप्त नहीं होता अथवा सारा श्रम व्यर्थ चला जाता है, परंतु शाबर मंत्रों की साधना या सिद्धि में ऐसी कोई आशंका नहीं होती। यह सही है कि इनकी भाषा सरल और सामान्य होती है।

माना जाता है कि लगभग सभी साबर साधनाओं और मंत्रों का अविष्कार गुरु गोरखनाथ ने किया है। यह मंत्र बहुत जल्दी ही सिद्ध भी हो जाते हैं और इनकी साधनाएं बहुत ही सरल होती हैं। ओम गुरुजी को आदेश गुरजी को प्रणाम, धरती माता धरती पिता, धरती धरे ना धीरबाजे श्रींगी बाजे तुरतुरि आया गोरखनाथमीन का पुत मुंज का छड़ा लोहे का कड़ा हमारी पीठ पीछे यति हनुमंत खड़ा, शब्द सांचा पिंड काचास्फुरो मन्त्र ईश्वरो वाचा।।

इस मन्त्र को सात बार पढ़ कर चाकू से अपने चारों तरफ रक्षा रेखा खींच ले गोलाकार, स्वयं हनुमानजी साधक की रक्षा करते हैं। शर्त यह है कि मंत्र को विधि विधान से पढ़ा गया हो।

साबर मंत्रों को पढ़ने पर ऐसा कुछ भी अनुभव नहीं होता कि इनमें कुछ विशेष प्रभाव है, परंतु मंत्रों का जप किया जाता है तो असाधारण सफलता दृष्टिगोचर होती है। कुछ मंत्र तो ऐसे हैं कि जिनको सिद्ध करने की जरूरत ही नहीं है, केवल कुछ समय उच्चारण करने से ही उसका प्रभाव स्पष्ट दिखाई देने लगता है। यदि किसी मंत्र की संख्या निर्धारित नहीं है तो मात्र 1008 बार मंत्र जप करने से उस मंत्र को सिद्ध समझना चाहिए। दूसरी बात शाबर मंत्रों की सिद्धि के लिए मन में दृढ़ संकल्प और इच्छा शक्ति का होना आवश्यक है। जिस प्रकार की इच्छा शक्ति साधक के मन में होती है, उसी प्रकार का लाभ उसे मिल जाता है। यदि मन में दृढ़ इच्छा शक्ति है तो अन्य किसी भी बाह्य परिस्थितियों एवं कुविचारों का उस पर प्रभाव नहीं पड़ता।

9 प्रमुख मणियां किस मणि को धारण करने से क्या होता है

आपने पारस मणि, नागमणि, कौस्तुभ मणि, चंद्रकांता मणि, नीलमणि, स्यमंतक मणि, स्फटिक मणि आदि का नाम तो सुना ही होगा, परंतु ही यहां निम्नलिखित नौ मणियों की बात कर रहे हैं- घृत मणि, तैल मणि, भीष्मक मणि, उपलक मणि, स्फटिक मणि, पारस मणि, उलूक मणि, लाजावर्त मणि, मासर मणि। आओ जानते हैं कि इन मणियों को धारण करने से क्या होता है। हालांकि यह सभी बातें मान्यता पर आधारित हैं।

- घृत मणि की माला धारण कराने से बच्चों को नजर से बचाया जा सकता है।
- स्फटिक मणि को धारण करने से कभी भी लक्ष्मी नहीं रूठती।
- तैल मणि को धारण करने से बल-पौरूष की वृद्धि होती है।
- भीष्मक मणि धन-धान्य वृद्धि में सहायक है।
- उपलक मणि को धारण करने वाला व्यक्ति भक्ति व योग को प्राप्त करता है।
- उलूक मणि को धारण करने से नेत्र रोग दूर हो जाते हैं।
- लाजावर्त मणि को धारण करने से बुद्धि में वृद्धि होती है।
- मासर मणि को धारण करने से पानी और अग्नि का प्रभाव कम होता है।

तेलमणि को धारण करने से होती हैं सभी मनोकामनाएं पूर्ण

आपने पारस मणि, नागमणि, कौस्तुभ मणि, चंद्रकांता मणि, नीलमणि, स्यमंतक मणि, स्फटिक मणि आदि का नाम तो सुना ही होगा, परंतु ही यहां निम्नलिखित नौ मणियों की बात कर रहे हैं- घृत मणि, तैल मणि, भीष्मक मणि, उपलक मणि, स्फटिक मणि, पारस मणि, उलूक मणि, लाजावर्त मणि, मासर मणि। आओ जानते हैं कि तेलमणि को धारण करने से क्या होता है। हालांकि यह सभी बातें मान्यता पर आधारित हैं।

- तेलमणि को उदउक, उदोक भी कहते हैं और अंग्रेजी में टूर्मेलीन कहा जाता है।
- लाल रंग की आभा लिए हुए श्वेत, पीत व कृष्ण वर्ण की होती है तेलमणि और स्पर्श करने से तेल जैसा चिकना ज्ञात होता है।
- कहते हैं कि श्वेत रंग की तेलमणि को अग्नि में डालने पर ही पीत वर्ण की तथा कपड़े में लपेट कर रखने पर तीसरे दिन पीत वर्ण की हो जाती है। लेकिन बाहर निकालकर हवा में रखने से कुछ समय बाद ही यह पुनः अपने असली रंग में बदल जाती है।
- इस मणि को धारण करने से भक्ति भाव, वैराग्य तथा आत्म ज्ञान प्राप्त होकर सभी तरह की मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं।
- कहते हैं कि रोहिणी नक्षत्र, पूर्णिमा या मंगलवार के दिन तेलमणि को जिस खेत में 4-5 हाथ गहरे गड्ढे में खोदकर दबा दिया जाए और मिट्टी से ढंककर सींचा जाए तो सामान्य से बहुत अधिक अन्न उत्पन्न होता है।

इन कारणों से दिखाई देते हैं हमें अच्छे या बुरे सपने

मनोविज्ञान, आयुर्वेद, ज्योतिष और योग में अच्छे या बुरे सपने दिखाई देने के कई कारण बताए गए हैं। जब हम कोई स्वप्न देखते हैं तो जरूरी नहीं कि प्रत्येक सपने का अच्छा या बुरा फल होता है। आओ जानते हैं कि सपने किन कारणों से दिखाई देते हैं।

अधिकतर सपने हमें हमारी दिनचर्या में किए गए कार्य से प्राप्त होते हैं। कार्य का अर्थ हमने जो देखा, सुनना, समझा, इच्छा किया और भोगा वह हमारे चित्त में विराजित होकर रात में स्वप्नों के रूप में दिखाई देता है। यह सब बदले स्वरूप में इसलिए भी होते हैं क्योंकि वे हमारे शरीर में स्थित भोजन और पानी की स्थिति और अवस्था से भी संचालित होते हैं। निम्नलिखित बातों से आप समझ सकते हैं। इन कारणों से दिखाई देते हैं स्वप्न :-

- दृष्ट- जो जाग्रत अवस्था में देखा गया हो उसे स्वप्न में देखना।
- श्रुत- सोने से पूर्व सुनी गई बातों को स्वप्न में देखना।
- अनुभूत- जो जागते हुए अनुभव किया हो उसे देखना।
- प्रार्थित- जाग्रत अवस्था में की गई प्रार्थना की इच्छा को स्वप्न में देखना।
- दोषजन्य- वात, पित्त आदि दूषित होने से स्वप्न देखना।
- भाविक- जो भविष्य में घटित होना है, उसे देखना।

अतः अब आप जान सकते हैं कि आपने जो सपने देंखे हैं वे किस श्रेणी के हैं। इससे आप यह भी अनुमान लगा सकते हैं कि आपका सपना शुभ होगा या अशुभ।

हिन्दू धर्म में सफेद वस्त्र का क्या है महत्व

हिन्दू धर्म में सफेद वस्त्र का बहुत महत्व है। सफेद रंग हर तरह से शुभ माना गया है, लेकिन वक्त के साथ लोगों ने इस रंग का मांगलिक कार्यों में इस्तेमाल बंद कर दिया। हालांकि प्राचीनकाल में सभी तरह के मांगलिक कार्यों में इस रंग के वस्त्रों का उपयोग किया जाता था। यह रंग शांति, शुभता, पवित्रता और मोक्ष का रंग है।

लक्ष्मी का वस्त्र : सच तो यह है कि सफेद रंग सभी रंगों में अधिक शुभ माना गया है इसीलिए कहते हैं कि लक्ष्मी हमेशा सफेद कपड़ों में निवास करती है।

मांगलिक वस्त्र : 20-25 वर्षों पहले तक लाल जोड़े में सजी दुल्हन को सफेद ओढ़नी ओढ़ाई जाती थी। इसका यह मतलब कि दुल्हन ससुराल में पहला कदम रखे तो उसके सफेद वस्त्रों में लक्ष्मी का वास हो। आज भी ग्रामीण क्षेत्र में सफेद ओढ़नी की परंपरा का पालन किया जाता है।

यज्ञकर्ता का वस्त्र : प्राचीन काल में जब भी यज्ञ किया जाता था तो पुरुष और महिला दोनों ही सफेद वस्त्र ही धारण करके बैठते थे। पुरोहित वर्ग इसी तरह के वस्त्र पहनकर यज्ञ करते थे। दूसरी ओर आज भी किसी भी सम्मान समारोह आदि में सफेद कुर्ता और धोती पहनने का रिवाज है।

विधावा का वस्त्र : यदि किसी का पति मर गया तो उसे विधवा और किसी की पत्नी मर गई है तो उसे विधुर कहा जाता है। शास्त्रों के अनुसार पति की मृत्यु के नौवें दिन उसे दुनियाभर के रंगों को त्यागकर सफेद साड़ी पहननी होती है, वह किसी भी प्रकार के आभूषण एवं श्रृंगार नहीं कर सकती। स्त्री को उसके पति के निधन के कुछ सालों बाद तक केवल सफेद वस्त्र ही पहनने होते हैं और उसके बाद यदि वह रंग बदलना चाहे तो बेहद हल्के रंग के वस्त्र पहन सकती है। मध्यकाल में हिन्दू धर्म में कई तरह की बुराइयां सम्मलित हुई उसमें एक यह भी थी कि कोई स्त्री यदि विधवा हो जाती थी तो वह दूसरा विवाह नहीं कर पाती थी। हालांकि आज भी उत्तर भारत के ग्रामीण इलाकों में विधवा विवाह का प्रचलन है जिसे नाता कहा जाता है। कोई स्त्री पुनर्विवाह का निर्णय लेती है, तो इसके लिए वह स्त्रतंत्र है। आज समाज का स्वरूप बदल रहा है। विधवाएं रंगीन वस्त्र भी पहन रही है और शादी भी कर रही हैं। वेदों में एक विधवा को सभी अधिकार देने एवं दूसरा विवाह करने का अधिकार भी दिया गया है। वेदों में एक कथन शामिल है-

'उदीरष्व नार्यभि जीवलोकं
गतासुमेतमुप शेष एहि।
हस्तग्राभस्य दिधिषोस्तवेदं
पत्युर्जनित्वमभि सम्बभूथ।'

अर्थात पति की मृत्यु के बाद उसकी विधवा उसकी याद में अपना सारा जीवन व्यतीत कर दे, ऐसा कोई धर्म नहीं कहता। उस स्त्री को पूरा अधिकार है कि वह आगे बढ़कर किसी अन्य पुरुष से विवाह करके अपना जीवन सफल बनाए। चार कारणों से विधवा महिलाओं को सफेद वस्त्र दिए गए। पहला यह कि यह रंग कोई रंग नहीं बल्कि रंगों के अनुपस्थिति है। मतलब यह कि अब जीवन में कोई रंग नहीं बचा। दूसरा यह कि इससे महिला की एक अलग पहचान बन जाती है और लोग उसे सहानुभूति एवं संवेदना रखते हैं। तीसरा यह कि सफेद रंग आत्मविश्वास, सात्विक और शांति का रंग है। इसके साथ ही सफेद वस्त्र विधवा स्त्री को प्रभु में अपना ध्यान लगाने में मदद करते हैं। चौथा कराण यह कि इससे महिला का कहीं ध्यान नहीं भटकता है और उसे हर वक्त इसका अहसास होता है कि वह पवित्र है। पांचवां कारण यह कि यदि महिला के कोई पुत्र या पुत्री है तो वह अपने भीतर नैतिकता और जिम्मेदारी का अहसास करती रहे ताकि वह दूसरा विवाह नहीं करें। दोबारा शादी नहीं करने से पुत्र पुत्रियों के जीवन पर विपरित या प्रतिकुल असर नहीं पड़ता है।

CMYK

अफगानिस्तान में महसूस किए गए 4.2 तीव्रता के भूकंप के झटके कोई हताहत नहीं

काबुल । अफगानिस्तान में भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। रेक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 4.2 थी। भूकंप से अभी तक किसी के हताहत होने की जानकारी सामने नहीं आई है। यह भूकंप अफगानिस्तान के हिंदूकुश क्षेत्र में रविवार सुबह करीब 9 :04 बजे आया। भूकंप का केंद्र अफगानिस्तान के फैजाबाद से 79 किमी दूर 120 किमी की गहराई में था। इससे पहले 5 जनवरी को इसी इलाके में 5.9 तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। तब भूकंप का केंद्र 200 किमी गहराई में था। इस भूकंप के झटके दिल्ली में भी महसूस किए गए थे। इससे पहले साल 2022 में अफगानिस्तान में एक बड़ा भूकंप आया था। इस भूकंप के कारण लगभग 1150 लोगों की मौत हो गई थी जिसमें 155 बच्चे भी शामिल थे। लगभग 6000 लोग घायल हुए थे। भूकंप के कारण लगभग 360000 लोग प्रभावित हुए थे। ये भूकंप 2002 के बाद आया सबसे बड़ा भूकंप था जिसमें 2000 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई थी। ज्यादातर लोगों की मौत घरों के गिरने और उसके नीचे दबने से हुई।

सीरिया के अलेप्पो शहर में इमारत गिरने से 10 लोगों की मौत

बेरूत। सीरिया के उत्तरी शहर अलेप्पो में रविवार तड़के पांच मंजिला एक इमारत के ढह जाने से एक बच्चे समेत कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई। मीडिया में आई खबरों के अनुसार, यह हादसा अमेरिका समर्थित कुर्द नेतृत्व वाली सीरियन डेमोक्रेटिक फोर्सेस के नियंत्रण वाले शेख मकसूद क्षेत्र में हुआ। हादसे के समय इमारत में 30 लोग मौजूद थे। खबरों में कहा गया है कि पानी के रिसाव के कारण इमारत की संरचना कमजोर हो गई थी। घटना के बाद मौके पर राहत एवं बचावकमर्की मलबे में दबे लोगों की तलाश करते नजर आए। समाचार एजेंसी हवार न्यूज ने इस हादसे में सात लोगों से मारे जाने और तीन लोगों के घायल होने की खबर दी है। एजेंसी के मुताबिक दो लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। सीरिया के 11 साल के संघर्ष के दौरान अलेप्पो में अनेक इमारतें नष्ट हो गई हैं। इस संघर्ष में हजारों लोग मारे गए हैं और लाखों लोग विस्थापित हुए हैं। हालांकि राष्ट्रपति बशर असद के नेतृत्व वाली सीरिया सरकार ने अलेप्पो शहर को सशस्त्र विपक्षी समूहों के कब्जे से वापस अपने नियंत्रण में ले लिया है। शेख मकसूद कुर्द बलों के नियंत्रण वाले कुछ इलाकों में से एक है। अलेप्पो सीरिया का सबसे बड़ा शहर है और यह कभी सीरिया का वाणिज्यिक केंद्र था।

अमेरिका के कैलिफोर्निया में हुई अंधाधुंध गोलीबारी, 10 लोगों की हुई मौत

वाशिंगटन । अमेरिका के कैलिफोर्निया में अंधाधुंध फायरिंग किए जाने का मामला सामने आया है। इस घटना में 16 लोगों को गोली लगी है। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दी है। पुलिस द्वारा मिली जानकारी के मुताबिक घटना कैलिफोर्निया मोंटेरे पार्क में हुई है। जानकारी के मुताबिक मोंटेरे पार्क में चीन के नव वर्ष के दौरान एक खास कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। नव वर्ष कार्यक्रम के दौरान यहां हजारों की संख्या में लोग मौजूद थे। इस दौरान शनिवार यानी 21 जनवरी की रात 10 बजे अंधाधुंध फायरिंग की गई। माना जा रहा है कि फायरिंग में लगभग 16 लोगों को गोली लगी है, जिसमें से 10 लोगों की मौत हो गई है। वहीं घायलों का नजदीकी अस्पताल में इलाज जारी है। इससे पहले 16 जनवरी को भी कैलिफोर्निया के गोशेन में एक घर में गोलीबारी हुई थी। इस हादसे में एक मां और उसके छह महीने के बच्चे की मौत हुई थी। पुलिस ने इस घटना को टारगेट किलींग बताया था। वहीं कैलिफोर्निया में चीनी नव वर्ष मनाए जाने के दौरान हुई घटना के पीछे फायरिंग करने वाले कौन लोग हैं या इसके पीछे का मकसद अब तक साफ नहीं हुआ है। पुलिस मामले की छानबीन करने में जुट गई है।

एलन मस्क के ट्विटर में 80 फीसदी कर्मचारी कम

वाशिंगटन । अमेरिकी उद्योगपति एलोन मस्क के ट्विटर पर अधिग्रहण के बाद से कर्मचारियों की संख्या में लगभग 80 प्रतिशत की कमी आई है। एक रिपोर्ट के मुताबिक अक्टूबर-2022 के अंत में मस्क के ट्विटर के 44 अरब डॉलर के अधिग्रहण को अंतिम रूप देने से पहले सैन फ्रांसिस्को स्थित कंपनी में लगभग 7500 कर्मचारी थे लेकिन यह संख्या घटकर लगभग 1300 सक्रिय कर्मचारियों तक हो गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि ट्विटर के पास अब 550 से कम पूर्णकालिक इंजीनियर हैं और सुरक्षा टीम में 20 से कम कर्मचारी शामिल हैं तथा कंपनी के पास लगभग 1400 गैर-काम करने वाले कर्मचारी भी हैं जिन्हें अभी भी भुगतान किया जा रहा है। इसके अलावा कंपनी के 1300 कर्मचारियों में से लगभग 75 छुट्टी पर हैं जिनमें 40 इंजीनियर है। मस्क ने कंपनी के दिन-प्रतिदिन के संचालन में परिवर्तन करने के साथ ही कई कर्मचारियों को बाहर कर दिया है।

बिस्किट खरीदने गई महिला घर लौटी तो बन चुकी थी करोड़पति !

वाशिंगटन । इस दुनिया में हर व्यक्ति चाहता है कि वो रातोंरात मालामाल हो जाए और उसके पास इतने रुपये आ जाएं कि उसे कभी पैसों की कमी ना रहे. पर ऐसा सिर्फ फिल्मों में ही होता है। हालांकि कभी-कभी जब किस्मत साथ दे तो लोगों की कल्पना भी हकीकत हो जाती है। हाल ही में ऐसा ही अमेरिका में एक महिला के साथ भी हुआ जो दुकान में बिस्किट खरीदने गई थी पर जब घर लौटी तो करोड़पति बन गई थी ।रिपोर्ट के अनुसार 51 साल की एमीलिया एस्ट्स नॉर्थ कैरोलाइना में रहती हैं और पिछले ?दिनों वो दुकान से बिस्किट खरीदने के लिए गई थीं। वहां से उन्होंने 1600 रुपए का एक लॉटरी स्क्रैचकार्ड खरीद लिया। जब उन्होंने कार्ड स्क्रैच किया और लॉटरी के नंबर से मैच किया तो उनके होश उड़ गए। उनके नाम 16 करोड़ रुपयों की लॉटरी लग गई थी। उन्होंने जो लॉटरी गेम खेला उसमें कंपनी जीतने वालों को दो विकल्प देती है. पहला ये कि तो वो 20 सालों तक हर साल 80 लाख रुपए लें या फिर एक बार में 9 करोड़ रुपए ले लें। एमीलिया ने एक बार में रुपए लेने का विकल्प चुना।

पाक के लिए मुश्किल हुआ भुगतान शिपिंग कंपनियां निर्यात सेवा बंद करने पर कर रहीं विचार

इस्लामाबाद। भीषण आर्थिक संकट का सामना कर रहे पाकिस्तान के लिए आयात का भुगतान करना मुश्किल हो गया है। आयात किया गया ज्यादातर सामान बंदरगाह पर ही पड़ा है। अब संभव है कि पाकिस्तान के बंदरगाहों पर जहाज आना-जाना ही बंद हो जाएं। जहाज एजेंट्स ने सरकार को आगाह किया है कि विदेशी शिपिंग कंपनियां पाकिस्तान के लिए अपनी निर्यात सर्विस बंद करने पर विचार कर रही हैं। क्योंकि डॉलर की कमी के कारण बैंक उनका माल ढुलाई का पेमेंट नहीं कर रहा है। शिपिंग लाइन बंद हो जाती है तो सामान बेच कर जो डॉलर पाकिस्तान पा रहा है वह भी नहीं मिलेगा। पाकिस्तान के सीमावर्ती देशों को अगर छोड़ दें तो लगभग सभी देशों से व्यापार समुद्र के जरिए ही होता है। इसमें किसी भी तरह की रुकावट पाकिस्तान के लिए गंभीर समस्या पैदा कर सकता है। पाकिस्तान शिप एजेंट्स एसोसिएशन (पीएसएए) के अध्यक्ष अब्दुल रऊफ ने वित्त मंत्री इशाक डार को एक पत्र लिख कर चेतावनी दी है। एसोसिएशन ने कहा है कि पाकिस्तान में विदेशी शिपिंग कंपनियां अपना व्यापार समेटने का मन बना रही हैं। अगर अंतर्राष्ट्रीय व्यापार बंद हो गया तो स्थिति और भी ज्यादा खराब हो जाएगी। पीएसएए के चेयरमैन ने पाकिस्तान स्टेट बैंक के गवर्नर जमील अहमद वाणिज्य मंत्री सय्यद नवीद और समुद्री मामलों के मंत्री फैसल सब्ज़वारी को भी पत्र लिखा है। अब्दुल रऊफ ने संबंधित मंत्रालयों और विभागों से अनुरोध किया है कि वे शिपिंग लाइन को चालू रखने के लिए हस्तक्षेप करें। उन्होंने आगे लिखा पाकिस्तान का विदेशी व्यापार शिपिंग लाइन पर निर्भर है। पेमेंट नहीं होने से समुद्री व्यापार में बाधा आनी शुरु हो गई है। जहाजों में कंटेनर सबसे महंगे होते हैं। तरल पदार्थ या अनाज को निर्यात करने में सामान्य तौर पर इनकी जरूरत नहीं होती है।

यूक्रेन को टैंक देने के लिए ब्रिटेन ने जर्मनी पर डाला दबाव

रूस ने कहा-इसका अंजाम होगा भयावह

बर्लिन,22 जनवरी 2023। रूस से लड़ रहे यूक्रेन का समर्थन जर्मनी जारी रखेगा। यह बात जर्मनी के चांसलर ओलफ शुल्ज ने कही है। लेकिन यूक्रेनी सेना के लिए जर्मन लेपर्ड टू टैंक भेजने के विषय में उन्होंने कुछ नहीं कहा है। ब्रिटेन, लातविया, लिथुआनिया और एस्टोनिया ने जर्मनी से यूक्रेन को टैंक भेजने का अनुरोध किया है। इन देशों ने यह अनुरोध शुक्रवार को सहयोगी देशों की बैठक में यूक्रेन को टैंक भेजने पर सहमति न बन पाने के बाद किया है।

जर्मनी के रक्षा मंत्री जा सकते हैं यूक्रेन

यूक्रेन ने कहा है कि रूसी सेना के हमलों से यूक्रेनी नागरिकों की जान बचानी है तो उसकी सेना को टैंक दिए जाने जरूरी हैं। इस बीच रूसी राष्ट्रपति के एक निकट सहयोगी ने आगाह किया है कि यूक्रेनी सेना को टैंक दिए गए और उनसे रूसी नागरिकों पर हमले हुए तो विश्व पर कहर टूटेगा। टैंक आपूर्ति को लेकर बने गतिरोध के बीच जर्मनी के नवनियुक्त रक्षा मंत्री बोरिस पिस्टोरियस जल्द ही यूक्रेन जा सकते हैं।

ब्रिटेन के पूर्व पीएम ने की कीव का दौरा

ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री बोरिस जानसन ने रविवार को कीव जाकर यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की से मुलाकात की और रूस के साथ जारी युद्ध में पूर्ण समर्थन का भरोसा दिया। जबकि यूक्रेन के लुहांस्क, डोनेस्क, जपोरीजिया और सुमी क्षेत्रों में भीषण लड़ाई जारी है। इन स्थानों पर रूसी सेना आगे बढ़ने के लिए लगातार गोलाबारी कर रही है।

सुनक ने जेलेंस्की से की थी बात

ब्रिटेन ने कीव की मदद के लिए अपना हाथ आगे बढ़ाया है। ब्रिटिश प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने हाल ही में कहा था कि यूक्रेन को चैलेंजर 2 टैंक और अन्य आर्टिलरी सिस्टम भेजा जाएगा। सुनक के डाउनिंग स्ट्रीट कार्यालय के एक बयान में कहा गया था कि ब्रिटिश प्रधानमंत्री ने राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की से बात करने के बाद यह निर्णय लिया है। हालांकि बयान में इस बात की जानकारी नहीं दी गई कि कब और कितने टैंकों की आपूर्ति की जाएगी। ब्रिटिश मीडिया ने बताया कि 4 चैलेंजर 2 टैंक तत्काल प्रभाव से पूर्वी यूरोप भेजे जाएंगे और जल्द ही 8 और टैंक की आपूर्ति की जाएगी।

दहशत में पुतिन मॉस्को में एंटी मिसाइल डिफेंस सिस्टम की तैनाती

-आधुनिक एस-400 मिसाइल सिस्टम को तैनात किया

मॉस्को । रूस-यूक्रेन युद्ध को सालभर होने को हैं लेकिन दोनों पक्ष पीछे हटने को तैयार नहीं हैं। रूस के खिलाफ यूक्रेन को पश्चिमी देश मदद कर रहे हैं इससे उसकी सैन्य क्षमता बढ़ गई है। यूक्रेन ने हाल के दिनों में रूस पर जवाबी आक्रमण तेज हुए हैं। यूकेन को अमेरिका ने हाल ही में 90 कॉम्बैट वाहन और पैट्रिएट मिसाइल देने का ऐलान किया है। इस बीच रूस को इसकी चिंता सता रही है कि यूक्रेन राजधानी मॉस्को पर मिसाइल हमला कर सकता है। इससे बचने के लिए पुतिन ने मॉस्को की ऊंची-ऊंची बिल्डिंग पर मिसाइल लांचर और एंटी मिसाइल डिफेंस सिस्टम की तैनाती की है। इसी क्रम में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के आधिकारिक आवास के निकट एंटी एयर मिसाइल सिस्टम तैनात किया गया है। रूसी रक्षा मंत्रालय के राष्ट्रीय रक्षा प्रबंधन केंद्र की छत पर एक पैंटिर-एस1 रक्षा प्रणाली दिखाई दी है जो व्लादिमीर पुतिन के यूक्रेन पर आक्रमण के कमांड सेंटर फ्युन्जेंस्काया के पास है। वीडियो में उसी शक्तिशाली प्रणाली को क्रेमलिन से डेढ़ मील दूर तगांका जिले के टेटरिंस्की लेन में एक छत पर ले जाते हुए दिखाया गया है। एक अन्य वीडियो क्लिप में नोवो-ओगारेवो में रूसी राष्ट्रपति के कंट्री रिट्रीट के करीब एक और पैंटिर-एस1 कॉम्प्लेक्स की तैनाती दिखाई गई है। साफ है कि ये तैनातियां रूसी ठिकानों को यूक्रेनी ड्रोन या मिसाइलों के हमले से बचाने के लिए की गई हैं।

एफबीआई को राष्ट्रपति बाइडेन के घर पर 13 घंटे छापेमारी में मिले छह गोपनीय दस्तावेज जब्त

वाशिंगटन (एजेंसी)। एफबीआई ने डेलावेयर में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के आवास की तलाशी ली और गोपनीय दस्तावेज के तौर पर चिह्नित छह दस्तावेज बरामद किए। विभाग ने बाइडन के कुछ हस्तलिखित नोट भी अपने कब्जे में लिए हैं। राष्ट्रपति बाइडेन के वकील बॉब बाउर ने यह जानकारी दी। बाउर ने बताया कि न्याय विभाग ने शुक्रवार को बाइडन के विलमिंग्टन स्थित आवास की तलाशी ली। उन्होंने बताया कि यह तलाशी करीब 13 घंटे तक चली। बाउर ने एक बयान में कहा कि न्याय विभाग ने अपनी जांच के दायरे में मानी जा सकने वाली सामग्री को कब्जे में ले लिया जिनमें गोपनीय दस्तावेज के तौर पर चिह्नित दस्तावेज और अन्य सामग्री शामिल हैं।

इनमें से कुछ सामग्री राष्ट्रपति (बाइडन) की सीनेट सदस्य और उपराष्ट्रपति के तौर पर सेवाओं के समय की हैं। बयान के मुताबिक अभियोजकों ने उपराष्ट्रपति के तौर पर बाइडन के कार्यकाल के दौरान उनके व्यक्तिगत रूप से हस्तलिखित नोट भी आगे की समीक्षा के लिए अपने कब्जे में ले लिए हैं।

जो बाइडेन के वकीलों को लगभग एक सप्ताह पहले उनके घर की लाइब्रेरी में छह गोपनीय दस्तावेज मिले थे। ये दस्तावेज उनके उपराष्ट्रपति कार्यकाल के समय से जुड़े थे। दस्तावेजों की खोज अमेरिका में एक राजनीतिक मुद्दा बन गया था। क्योंकि राष्ट्रपति पद से हटने के बाद डोनाल्ड ट्रंप के घर पर भी छापेमारी की गई थी और गोपनीय दस्तावेज जब्त किए गए थे। इन दस्तावेजों ने ट्रंप से जुड़ी जांच को जटिल बना दिया था। इसे देखते हुए एफबीआई ने तलाशी की है।

बाइडेन से जब इस बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा हमें कई दस्वावेज गलत जगहों पर मिले हैं। हमने तुरंत इन्हें आर्काइव और जस्टिस डिपार्टमेंट को सौंप दिया है। बाइडेन ने कहा वह पूरी तरह से सहयोग कर रहे हैं और इस मामले का जल्द ही हल निकालना चाहते हैं। जिस दौरान घर की तलाशी ली गई तब राष्ट्रपति बाइडेन और उनकी पत्नी घर पर नहीं थे। अभी यह नहीं पता चला है कि क्या एफबीआई बाकी जगहों पर सर्च करेगी या नहीं।

अमेरिका पर भारी कर्ज संकट अर्थव्यवस्था लड़खड़ाई

-वाइडन मिलेंगे स्पीकर मेक्कार्थी से

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका की जो वाइडन सरकार आर्थिक संकट से लड़खड़ा गई है।अमेरिका निर्धारित सीमा 31।4 लाख डालर का कर्ज पहले ही ले चुकी है। सरकारी भुगतान नहीं हो पा रहे हैं। जिसके कारण सरकार ने अतिरिक्त कर्ज लेने की मांग की है।अमेरिका के ट्रेजरी विभाग के अनुसार बिल और बांड के जरिए उधार लेकर सरकार जून तक कर्मचारियों का वेतन और मेडीकेयर का भुगतान कर सकती है।

अमेरिका के वित्त मंत्री जेनेट येलेन ने कहा यदि सरकार की कर्ज सीमा को नहीं बढ़ाया गयातो पूरा विश्व आर्थिक संकट में फंस जाएगा। इस संकट को दूर करने के लिए अमरीका की सरकार ने अमेरिकी प्रतिनिधि सभा से अतिरिक्त कर्ज की अनुमति देने की मांग की है।

उल्लेखनीय है अमेरिका पर सकल घरेलू उत्पाद जीडीपी के अनुपात में 128 फ़ीसदी कर्ज हो चुका है। अमेरिका सरकार बार-बार कर्ज संकट को दूर करने के लिए कांग्रेस से कर्ज सीमा बढ़ाने की मांग कर रही है। इसके लिए अमेरिकी राष्ट्रपति जो वाइडन और अमेरिका प्रतिनिधि सभा के स्पीकर केविन मैककार्थी आपस में मिलकर चर्चा कर उपयुक्त फैसला करेंगे।

दुनिया में कर्ज और आर्थिक मंदी के चलते दुनिया का सबसे शक्तिशाली देश अमेरिका भी गहरे आर्थिक संकट में फंस गया है।जापानयूनान इटली इत्यादि देशों की तुलना में जीडीपी से अमेरिका का कर्ज थोड़ा ही कम है।आर्थिक दृष्टि से देखें तो अमेरिका सहित दुनिया के 12 विकसित देश गहरे आर्थिक संकट में फंस गए हैं। इसके कारण सारी दुनिया में अफरा-तफरी का माहौल बनता जा रहा है।

न्यायिक प्रणाली में बदलाव की नेतन्याहू सरकार की योजना के खिलाफ सड़कों पर उतरे लोग

तेल अवीव। (एजेंसी)। इज़राइल में न्यायिक प्रणाली में बदलाव की प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू नीत सरकार की योजना का विरोध करने के लिए तेल अवीव में शनिवार रात हजारों लोग सड़कों पर उतर आए। विरोधियों का आरोप है कि न्यायिक प्रणाली में बदलाव की नेतन्याहू सरकार की योजना ने देश के बुनियादी लोकतांत्रिक सिद्धांतों को खतरे में डाल दिया है। इज़राइली मीडिया ने पुलिस के हवाले से कहा कि तेल अवीव में लगभग एक लाख लोगों ने नेतन्याहू सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। नेतन्याहू के नेतृत्व में गठित मौजूदा सरकार को इज़राइल के इतिहास की सबसे अधिक रूढ़िवादी और राष्ट्रवादी सरकार बताया जा रहा है।

न्यायिक प्रणाली में बदलाव की सरकारी योजना के खिलाफ तेल अवीव में पिछले हफ्ते भी बड़े पैमाने पर प्रदर्शन हुए थे। नेतन्याहू ने विरोध के बावजूद न्यायिक प्रणाली में बदलाव की योजना पर आगे बढ़ने की प्रतिबद्धता जताई है।उनकी सरकार का कहना है कि शक्ति असंतुलन ने न्यायाधीशों और सरकारी कानूनी सलाहकारों को कानून निर्माण और शासन प्रणाली में बहुत हावी बना दिया है।

तेल अवीव में प्रदर्शन कर रहे लोगों ने हाथों में तख्तियां और बैनर थाम रखे थे, जिन पर लिखा था, 'हमारे बच्चे तानाशाही के साये में नहीं जिएंग' और 'इज़राइल, हमारे समक्ष एक समस्या है।' प्रदर्शन में शामिल विपक्षी नेता एवं पूर्व प्रधानमंत्री यायर लेपिड ने कहा, 'यह देश की रक्षा के लिए किया जा रहा विरोध-प्रदर्शन है। लोग आज यहां अपने लोकतंत्र की रक्षा के लिए एकत्रित हुए हैं।' प्रदर्शनकारी छात्र लायोर ने कहा, 'सभी पीढ़ियां चिंतित हैं। यह कोई मजाक नहीं है। यह लोकतंत्र की पूर्ण पुनर्व्याख्या है।' यरूशलम, हाइफा और बेर्शेबा जैसे शहरों में सरकार विरोधी प्रदर्शन होने की खबरें हैं।

कर्ज में फंसे श्रीलंका की ओर भारत ने बढ़ाया मदद का हाथ चीन के व्यवहार पर कोलंबो ने जताई निराशा

कोलंबो (एजेंसी)। भारत ने श्रीलंका को बताया है कि वह बुरी तरह से कर्ज में फंसे अपने इस पड़ोसी की मदद के लिए तैयार है। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने श्रीलंका दौरे पर वादा किया कि सात दशक का सबसे बड़ा कर्ज संकट दूर करने में भारत उसकी मदद के लिए प्रतिबद्ध है। इस बयान के तुरंत बाद चीन ने श्रीलंका के वित्त मंत्रालय को एक चिट्ठी भेजी है। इसमें उसने अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) के कर्ज प्रोग्राम को हासिल करने में उसकी मदद का वादा किया है।

एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार चीन की तरफ से भेजी गई चिट्ठी में उस ऋण पुनर्गठन में समर्थन की बात कही गई है इसके लिए श्रीलंका काफी समय से कोशिश कर रहा है। श्रीलंका एक सरकारी सूत्र ने बताया श्रीलंका सरकार को चीन से एक सकारात्मक रवैये की उम्मीद थी। मगर चीन की जगह भारत ने मदद का हाथ बढ़ाया और संकट में फंसे देश ने राहत की सांस ली है। श्रीलंका की सरकार चीन की तरफ

से मिली चिट्ठी को लेकर थोड़ी निराश है।

इस निराशा के बाद भी श्रीलंका ने तय किया है कि वह कर्ज पुर्नगठन के लिए बातचीत जारी रखेगा। साथ ही उसे सब अच्छा होने की उम्मीद है। सरकार के सूत्रों की मानें तो चीन की तरफ से जैसी प्रतिक्रिया मिली है वह आशा के विपरीत है। दूसरी तरफ भारत ने पेरिस क्लब के साथ मिलकर श्रीलंकाई कर्ज के पुर्नगठन में सहयोग की इच्छा जताई है। भारत की इस इच्छा का चीन के साथ साझा नहीं किया गया है। पेरिस क्लब की तरफ से प्रस्ताव दिया गया है कि कर्ज का पुर्नगठन सभी लेनदारों के लिए एक समान होना चाहिए। इसके साथ ही निजी लेनदारों को एक समान पेशकश की जाए। लेकिन द्विपक्षीय लेनदारों से कर्ज को टालने का प्रस्ताव दिया गया है।

इस बीच आईएमएफ श्रीलंका के कर्ज के पुनर्गठन के लिए चीन के साथ बातचीत कर रहा है और देश को मनाने की कोशिशों में लगा है। पिछले दिनों आईएमएफ की मुखिया क्रिस्टालिना जॉर्जीवा ने कहा है कि आईएमएफ चीन को इस पूरे मुद्दे पर समझान चाहता है। वह चीन को बताना चाहता है कि इसके लिए और क्या-क्या हो सकता है। भारत सरकार ने पिछले हफ्ते आईएमएफ को एक आधिकारिक चिट्ठी भेजी थी। इस चिट्ठी में उसने ऋण पुनर्गठन कार्यक्रम को अपना समर्थन जाहिर किया था।

ब्राजील में दंगाइयों का समर्थन करने के आरोप में पीएम लूला ने सेना प्रमुख को बर्खास्त किया

ब्रासीलिया । ब्राजील में 8 जनवरी को हुए दंगों में दावा किया गया है कि सेना प्रमुख ने दक्षिणपंथी दंगाइयों को गिरफ्तारी से बचाने की कोशिश की थी ।इन आरोपों के बाद देश के नए राष्ट्रपति लुइज़ इनासियो लूला डा सिल्वा ने नए सेना प्रमुख जनरल जूलियो सीज़र डी अरुडा को बर्खास्त कर दिया है। लूला के समर्थकों का कहना है कि जूलियो सीजर डी अरुडा ने राजनीतिक रूप से बोल्सनारो के साथ गठबंधन किया कथित तौर पर हमले की रात ब्रासीलिया के सेना मुख्यालय के बाहर एक छावनी में शरण लेने वाले संदिग्ध दंगाइयों को हिरासत में लेने वाली पुलिस को रोक दिया। उल्लेखनीय है कि 30 अक्टूबर को राष्ट्रपति चुनाव के बाद पूर्व राष्ट्रपति बोलसोनारो ने अपनी हार को स्वीकार करने से इनकार कर दिया था जिसके बाद 8 जनवरी को ब्राजील में पूर्व राष्ट्रपति बोलसोनारो के समर्थकों ने राष्ट्रपति महल कांग्रेस सुप्रीम कोर्ट में जमकर तोड़फोड़ की और वर्तमान राष्ट्रपति लूला डा सिल्वा के खिलाफ नारेबाजी की। राजधानी में पीले और हरे रंग के कपड़े पहने हजारों प्रदर्शनकारियों ने देश में बवाल मचा दिया। इस विद्रोह में 400 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया गया है। स्थिति को काबू करने के लिए पुलिस को आंसू गैस के गोले छोड़ने पड़े लेकिन तब भी प्रदर्शनकारी अधिकारियों पर भारी पड़ गए। इस दंगे को लूला के प्रशासन ने तख्तापलट का प्रयास बताया था।

यूएन की उप महासचिव अमीना ने कहा- तालिबान का एक धड़ा चाहता है महिलाओं की आजादी

- कट्टरपंथी गुट नहीं चाहता महिलाओं की स्वतंत्रता

संयुक्त राष्ट्र (एजेंसी)। संयुक्त राष्ट्र की उप महासचिव अमीना मोहम्मद के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने अफगानिस्तान की चार दिवसीय यात्रा के दौरान तालिबान से महिलाओं और लड़कियों के अधिकारों को बहाल करने की अपील की। संयुक्त राष्ट्र के एक प्रवक्ता ने कहा कि तालिबान के कुछ अधिकारी महिलाओं के अधिकारों को बहाल करने के पक्ष में थे लेकिन अन्य स्पष्ट रूप से इसके खिलाफ थे। संयुक्त राष्ट्र की टीम ने राजधानी काबुल और दक्षिणी शहर कंधार में तालिबान से मुलाकात की। हालांकि उसने बैठक में शामिल तालिबान के किसी भी अधिकारी के नाम जारी नहीं किए। ये बैठकें तालिबान के अगस्त 2021 में अफगानिस्तान की सत्ता पर काबिज होने के बाद महिलाओं और लड़कियों पर लगाई गई पाबंदियों पर केंद्रित रही। संयुक्त राष्ट्र के उप प्रवक्ता फरहान हक ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र उप महासचिव अमीना मोहम्मद के नेतृत्व वाली टीम ने पाया कि तालिबान के कुछ अधिकारियों का रुख सहयोगात्मक था और उन्हें प्रगति के कुछ संकेत मिले हैं। उन्होंने कहा कि महत्वपूर्ण बात उन (तालिबान) अधिकारियों से सामंजस्य स्थापित करना है जिनका रुख सकारात्मक था। हक ने इस बात पर जोर दिया कि तालिबान के बीच प्राधिकार के कई अलग-अलग बिंदु हैं और संयुक्त राष्ट्र की टीम चाहेगी कि वे हमारे लक्ष्य पर मिलकर काम करें जिसमें सबसे महत्वपूर्ण महिलाओं और लड़कियों के अधिकारों को बहाल किया जाना है।

लैंगिक समानता व महिलाओं के अधिकारों के लिए काम करती है 'संयुक्त राष्ट्र महिला'

मोहम्मद पूर्व नाइजीरियाई कैबिनेट मंत्री और एक मुस्लिम हैं। उनके नेतृत्व वाली इस यात्रा में संयुक्त राष्ट्र महिला की कार्यकारी निदेशक सिमा बाहौस भी शामिल थीं। 'संयुक्त राष्ट्र महिला' लैंगिक समानता और महिलाओं के अधिकारों के लिए काम करती है। साथ ही इस यात्रा में राजनीतिक मामलों के सहायक महासचिव खालिद खियारी भी शामिल थे। जैसा कि तालिबान ने 1996 से 2001 तक अफगानिस्तान के अपने पिछले शासन के दौरान किया था उसने धीरे-धीरे इस्लामी कानून या शरिया की अपनी कठोर व्याख्या को फिर से लागू कर दिया है। लड़कियों को छठवीं कक्षा के बाद स्कूल जाने से रोक दिया गया है और महिलाओं को ज्यादातर नौकरियों सार्वजनिक स्थानों और जिम जाने से प्रतिबंधित कर दिया गया है। दिसंबर के अंत में तालिबान ने सहायता समूहों को महिलाओं को रोजगार देने से रोक दिया। इससे युद्ध प्रभावित देश में सहायता संगठनों के लिए काम कर रही हजारों महिलाओं की रोजी-रोटी छिन गई। स्वास्थ्य क्षेत्र सहित कुछ क्षेत्रों में महिलाओं को सीमित कार्य की अनुमति दी गई है।

अभी अफगानिस्तान कर रहा एक भयानक मानवीय संकट का सामना

हक ने कहा कि महिलाओं और लड़कियों के मामले में हमने जो देखा है वह पीछे ले जाने वाला कदम है। हम और अधिक करने की कोशिश कर रहे हैं और हम उस मोर्चे पर काम जारी रखेंगे। एक बयान में मोहम्मद ने कहा कि तालिबान के लिए उनका संदेश बहुत स्पष्ट था कि ये प्रतिबंध अफगान महिलाओं और लड़कियों को एक ऐसे भविष्य की ओर ले जाएंगे जो उन्हें उनके घरों में सीमित कर देगा उनके अधिकारों का उल्लंघन करेगा और समुदायों को उनकी सेवाओं से वंचित कर देगा। उन्होंने कहा कि हमारी सामूहिक महत्वाकांक्षा एक समृद्ध अफगानिस्तान के लिए है जो खुद शांति के साथ रहने के साथ ही अपने पड़ोसियों के साथ भी शांति से रहे और सतत विकास के मार्ग पर आगे बढ़े। लेकिन अभी अफगानिस्तान एक भयानक मानवीय संकट का सामना कर रहा है।

सक्षम वर्ग धनबल के जरिए वाजिब और गैर वाजिब तरीकों से न्याय प्राप्त कर लेता है,वंचित वर्ग का पूरा जीवन जेलों में सड़ने के लिए बाध्य:अजय सिंह

न्यायपालिका की पहल से जिलों पर भी होगा बोझ कम,लंबे समय से दोष सिद्ध ना होने के बाद भी जिलों में बंद विचाराधीन बंदियों को मिल सकेगा जमानत

- न्याय पालिका का सराहनीय कदम विचाराधीन बंदियों के बचाव में खड़े होंगे अच्छे अधिवक्ता
- सजायाफ्ता कैदियों की संख्या में तो आई गिरावट,परंतु अंडर ट्रायल कैदियों की संख्या में बेतहाशा वृद्धि सोचनीय
- पैसे के भाव में गरीब तबके के लोग नहीं रख पाते थे अपना बचाव पक्ष,अब न्यायपालिका ही इनके बचाव के लिए अधिवक्ता की नियुक्त
- कोरिया जिले में गरीबों व विचाराधीन बंदियों के बचाव पक्ष के लिए चार डिफेंस काउंसिल हुए हैं नियुक्त
- डिफेंस काउंसिल का दो दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न
- गरीबों को न्याय में मिले सुविधा,राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण बिलासपुर ने कोरिया के लिए 4 डिफेंस कौंसिल हुए थे नियुक्त
- पैनल में पहले वकीलों को हर केस का दो से ढाई हजार रुपये मलते थे अब कमजोर वर्ग के पैरवी के लिए मिले सम्मानजनक मानदेय

- रवि सिंह

बैकुण्ठपुर, 22 जनवरी 2023 (घटती-घटना)। न्यायपालिका में भी समय-समय पर बदलाव के साथ निर्दोषों को भी बे वजह सजा ना हो इसके लिए तरह तरह से काम करती है न्याय लोगों के लिए सरल हो इसके लिए भी न्यायपालिका हरसंभव पहल करती है पैसे वालों के लिए तो बड़े-बड़े अधिवक्ता आधी रात में भी न्यायालय का दरवाजा खुलवा लेते हैं पर गरीब तबके व कमजोर वर्ग के लोग पैसे के अभाव में बिना सजा हुए जेलों में कैद रहते हैं, जिन्हें विचाराधीन बंदी भी कहा जाता है, जिनके ऊपर ना तो दोष सिद्ध हो पाता है और ना वह अपना बचाव रख पाते हैं जिस वजह से जमानत भी नहीं मिल पाती है और वह लंबे समय तक जेलों में ही बिना बचाव के सजा काटने जैसी स्थिति हो जाती हैं, इन्हीं लोगों के लिए न्यायपालिका ने एक सराहनीय कदम उठाया है जिसमें कमजोर तबके के लोगों को भी अपना बचाव करने के लिए इन की सुविधा के लिए न्यायपालिका ने एक अच्छे अधिवक्ताओं का पैनल तैयार किया है और उनके बचाव के लिए उन अधिवक्ताओं को एक अच्छा मानदेय भी दिया जा रहा है ताकि इन अधिवक्ताओं की वजह से विचाराधीन लोगों का भी बचाव हो सके। न्यायपालिका के इस कदम से जिलों पर भी बोझ कम होगा क्योंकि जेल में भी क्षमता से ज्यादा विचाराधीन कैदियों के कारण समस्या बनी हुई है।

ज्ञात हो कि छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण पुराना उच्च न्यायालय भवन बिलासपुर द्वारा छत्तीसगढ़ के 18 जिला न्यायालय के लिए जिलों में स्थापित होने वाले लीगल एंड डिफेंस कौंसिल सिस्टम हेतु चीफ लीगल एंड डिफेंस कौंसिल, डिप्टी लीगल एंड डिफेंस कौंसिल एसोसिएट, लीगल एंड डिफेंस कौंसिल की संविदात्मक नियुक्ति की गई है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोरिया बैकुंठपुर के लिए कोरिया जिला अधिवक्ता अजय कुमार सिंह को चीफ लीगल एंड डिफेंस कौंसिल पद पर नियुक्त किया गया, वही राजेंद्र प्रसाद कुशवाहा को डिप्टी चीफ लीगल एंड डिफेंस कौंसिल नियुक्त किया गयाे साथ ही के.बी नामदेव व श्रीमती मंजू पांडेय को असिस्टेंट लीगल एंड डिफेंस कौंसिल नियुक्त किया गया। नियुक्त अधिवक्ताओं का दो दिवसीय प्रशिक्षण जुडिशल एकेडमी बिलासपुर में हुआ जहां पर जजों ने नियुक्त अधिवक्ताओं को उनका कार्य समझाया और उन्हें बताया कि कैसे आपको विचाराधीन व कमजोर वर्गों का बचाव करना है, जिनके लिए आप को नियुक्त किया गया है, नियुक्त अधिवक्ताओं का लाभ विचाराधीन को तब मिलेगा जब वह जिला विधिक प्राधिकरण में अधिवक्ता की मांग करेंगे ताकि उनके बचाव में नियुक्त अधिवक्ता खड़े हो सके।

मुद्दा इतना गंभीर होने के बाद भी आज तक किसी के जेहन में यह विकराल समस्या सामने नहीं दिखी

अधिवक्ता अजय सिंह ने महामहिम राष्ट्रपति की बाते यदा दिलाते हुए कहा की देश में संभवत पहली बार किसी ने इतने गंभीर मुद्दे को बहुत ही सहज और सरल तरीके से सामने रखा, मंच भी ऐसा जहां देश के सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के अलावा देश के विधि मंत्री और सम्माननीय न्यायाधीशों का सम्मेलन था। मुद्दा इतना गंभीर होने के बाद भी आज तक किसी के जेहन में यह विकराल समस्या सामने नहीं दिखी। आमतौर पर आम जनमानस और बुद्धिजीवियों का भी ध्यान इस ओर आकृष्ट नहीं हुआ, परंतु जैसे ही देश की महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने इस मुद्दे पर बोलना प्रारंभ किया सभी की आंखें खुली रह गई। उन्होंने कहा की 2019 की राष्ट्रीय सर्वेक्षण के अनुसार जहां एक और देश की जेलों में कैदियों की संख्या में लगभग 9 प्रतिशत की गिरावट दर्ज हुई, वहीं दूसरी ओर अंडर ट्रायल कैदियों की संख्या में 45 प्रतिशत की भारी वृद्धि हुई है। इस विकराल समस्या की ओर उंगली उठाते हुए महामहिम राष्ट्रपति ने कहीं ना कहीं न्यायपालिका को आईना दिखाने का काम किया।

शिक्षक,चिकित्सक और वकीलों को अपना भगवान मानते है

अधिवक्ता अजय सिंह के अनुसार जेलों में बंद अधिकांश अंडर ट्रायल के वे कैदी जो वंचित, दलित और शोषित वर्ग से आते हैं सामान्यतः गरीब हैं। जो न्याय प्रणाली में विहित महंगी विभीषिका के शिकार हैं। उन्होंने ने कहा कि गांव के लोग शिक्षक, चिकित्सक और वकीलों को अपना भगवान मानते हैं और चिकित्सक तथा वकीलों के पास लोग परेशानी में ही जाते हैं, ताकि उन्हें परेशानियों से निजात मिल सके। परंतु वर्तमान परिदृश्य में महंगी चिकित्सा के साथ-साथ कानून के पैरोकार की महंगाई, वंचित वर्ग के लिए भीषण विभीषिका का कार्य कर रही है। सक्षम वर्ग जहां धनबल के जरिए वाजिब और गैर वाजिब तरीकों से न्याय प्राप्त कर लेता है, वहीं वंचित वर्ग का पूरा जीवन जेलों में सड़ने के लिए बाध्य है। अधिकांश लोग महंगी व्यवस्था से परेशान होकर अपना बचत, धनसंपदा इस ओर गवाना नहीं चाहते और व्यक्ति छोटे-छोटे मामलों में भी जीवन भर जेल में रह जाता है।

जमानत योग्य होने पर भी आर्थिक कारणों से जमानत प्राप्त नहीं कर पाते

अधिवक्ता अजय सिंह के अनुसार जिस प्रकार वर्तमान परिस्थिति में अंडर ट्रायल कैदियों की संख्या में बेतहाशा वृद्धि हुई है, इनमें से ज्यादातर वंचित और शोषित वर्ग के लोग हैं, जो जमानत योग्य होने पर भी आर्थिक कारणों से जमानत प्राप्त नहीं कर पाते और बगैर किसी वाजिब कारण के सालों अपना जीवन जेल में बिताते हैं। उन्होंने कहा कि जेलों में निरुद्ध कैदियों की अधिकांश संख्या आदिवासियों, दलितों और वंचित वर्ग की है, तो इसका तात्पर्य यह नहीं कि यह आदतन अपराधी होते हैं। बल्कि इनके पीछे बहुत ऐसे कारण हैं जिनका निवारण कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका मिलकर कर सकती है। उन्होंने अपील की कि समय है मिलकर कार्य करने का, जिससे नए भारत का निर्माण किया जा सके।

सत्र न्यायालय में कम से कम 30 प्रकरणों में पैरवी करना अनिवार्य है

मुख्य डिफेंस काउंसिल के लिए आपराधिक प्रकरणों में पैरवी का न्यूनतम 10 वर्ष का अनुभव जरूरी है। साथ ही सत्र न्यायालय में कम से कम 30 प्रकरणों में पैरवी करना अनिवार्य है। उप डिफेंस काउंसिल के लिए आपराधिक प्रकरणों में पैरवी का न्यूनतम सात वर्ष का अनुभव होना चाहिए। सत्र न्यायालय में कम से कम 20 प्रकरणों में पैरवी आवश्यक है। सहायक डिफेंस काउंसिल के लिए आपराधिक प्रकरणों में एक वर्ष से तीन वर्ष का अनुभव होना चाहिए।

अक्षम लोगों को भी मिल सकेगा न्याय

अधिवक्ता अजय सिंह ने बताया कि यह व्यवस्था पहले काफी कम जिलों में ही थी पर अब छत्तीसगढ़ के 19 जिलों में यह संचालित होगी। छत्तीसगढ़ विधिक सेवा प्राधिकरण से उन लोगों को लाभ मिलेगा जो आर्थिक रूप से कमजोर हैं और अपना पक्ष पैसे के अभाव में अदालतों में नहीं रख पाते और वह इस वजह से विचाराधीन बंदी होकर लंबा समय सलाखों के पीछे बिताते हैं। डिफेंस काउंसिल सिस्टम का सबसे ज्यादा लाभ वंचित व आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग को मिलेगा। फिलहाल अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, स्त्री, बालक, मानसिक रूप से अस्वस्थ व्यक्ति, विकलांग, औद्योगिक कर्मकार या ऐसा व्यक्ति जिसकी वार्षिक आय दो लाख रुपये से कम के विरुद्ध आपराधिक मामला दर्ज होने पर विधिक सेवा प्राधिकरण उसकी तरफ से कोर्ट में पक्ष रखने के लिए निःशुल्क वकील उपलब्ध करवाता है। ऐसे लोगों कि सुविधाओं के लिए न्यायपालिका ने इसे लागू किया है और यह काफी लाभकारी भी है। कमजोर तबके के लोगों के कई सारे विचाराधीन बंदियों को इस सेवा का लाभ मिलेगा, कमजोर तबके के लोगों के लिए न्यायालय में खड़े होकर उनका पक्ष रखेंगे जो पक्ष पैसा ना होने की वजह से अपना वकील नहीं कर पाते थे और अपना पक्ष नहीं रख पाते थे। कई ऐसे विचाराधीन बंदी जिन्हें जमानत पर या अपराध मुक्त होकर छूटना चाहिए, जो अभाव के कारण अपना पक्ष न्यायालय में रखने को सक्षम नहीं होते, इस नियुक्ति के बाद जिले में ऐसे लोगों के लिए त्वरित न्याय की व्यवस्था हो सकेगी।

पहले थी ऐसी सुविधा

पहले इसके लिए वकीलों की पैनल बनाई गई है पैनल में शामिल वकीलों को हर केस का दो से ढाई हजार रुपये तक भुगतान किया जाता है। पैनल में शामिल वकीलों को निजी वकालत की अनुमति भी होती है। इसके चलते जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा सौंपे गए मामलों पर ये वकील अपना पूरा ध्यान नहीं दे पाते, इसका सीधा नुकसान पक्षकार को होता है पर नई व्यवस्था के तहत डिफेंस काउंसिल के रूप में नियुक्त वकील को एक ही काम करना होगा उन्हें निजी वकालत की अनुमति नहीं होगी। इससे पीड़ित पक्ष को न्याय मिलने में अपेक्षाकृत आसानी होगी।

निजी वकालत की रहेगी मनाही

अभियोजन अधिकारी के समान ही विधिक सेवा प्राधिकरण के डिफेंस काउंसिल के लिए अलग से कार्यालय की व्यवस्था की जाएगी। उन्हें आफिस सहायक, क्लर्क, टाइपिस्ट, मुंशी व अन्य कर्मचारियों की सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। डिफेंस काउंसिल की नियुक्ति दो वर्ष के लिए होगी और इस दौरान वे वकील निजी वकालत नहीं कर सकेंगे। राज्य में डिफेंस काउंसिल सिस्टम अलग- अलग चरणों में लागू किया जाएगा। डिफेंस काउंसिल की सुविधा महज आपराधिक मामलों में ही मिलेगी।

राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय शिविर का समापन

- संवाददाता-

चिरमिरी, 22 जनवरी 2023 (घटती-घटना)। राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई शासकीय लाहिड़ी स्नातकोत्तर महाविद्यालय चिरमिरी जिला मनेंद्रगढ़-चिरिमिरी-भरतपुर द्वारा ग्राम पंचायत दुबछोल में विशेष सात दिवसीय आवासीय शिविर दिनांक 06.01.2023 से 12.01.2023 तक ग्रामीण विकास के लिए युवा के थीम पर आयोजित किया गया। इस शिविर के सातवे दिवस दिनांक 12/01/2023 को समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में मनेंद्रगढ़ विधानसभा क्षेत्र के विधायक डॉ. विनय जयसवाल, शिवांश जैन विधायक प्रतिनिधि हरि सिंह सरपंच प्रतिनिधि द्वारा दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया,समापन समारोह कार्यक्रम में मंच संचालन स्वयं सेवक दुर्गेश चतुर्वेदी द्वारा किया गया। अतिथियों का स्वागत बैच लगाकर एवं स्वागत गीत के माध्यम से पुष्पेंद्र सिंह ने किया उसके पश्चात् रासेयो का लक्ष्य गीत मोहित कुमार, मनीष पटेल, दुर्गेश चतुर्वेदी, शिवसागर देशमुख द्वारा गाया गया, शिविर गीत - नदिया न पिए कभी अपना जल गीत धनराज रवानी, दीपक चौधरी, विकास कुमार, शुभम, संजय कुमार द्वारा वहीं होंगे कामयाब गीत कौशर अली,साहिल अंसारी, मो. समीर, संतोष द्वारा प्रस्तुत किया गया।फिर सांस्कृतिक कार्यकर्मो में मद्यपान के प्रति जागरूकता नाटक, बम - बोले डांस, शिविर अनुभव तथा अन्य आकर्षक प्रस्तुति स्वयं सेवकों द्वारा दी गई, शिविर संचालक श्री विरेन्द्र कुमार द्वारा सात दिनी शिविर का प्रतिवेदन प्रस्तुत कर शिविर के प्रति दिन के परियोजना कार्य को बताया गया, शिविर समापन सत्र के इस अवसर पर ग्राम पंचायत दुबछोला के उपसरपंच, पंचगण व अन्य गणमान्य नागरिको की उपस्थिती के साथ साथ महाविद्यालय परिवार से डॉ.प्रदीप सिंह, डॉ. धनसाय देवांगन, विजय बघेल, भागवत प्रसाद जांगड़े, गिरीश देवांगन, विमलेश साहू, उमेश कुमार, सुभाष राउल, सर्वजीत पटेल, अशोक कुमार, शंकर यादव उपस्थित रहे।

जीवन में सफलता के लिए जरूरी है अनुशासन:गुलाब

सरस्वती शिशु मंदिर के वार्षिक उत्सव का गरिमामय आयोजन

- संवाददाता-

मनेन्द्रगढ़, 22 जनवरी 2023 (घटती-घटना)। सरस्वती शिशु मंदिर अनुशासन एवं संस्कृति के संरक्षक के रूप में जाने जाते हैं। जीवन में अनुशासन अति आवश्यक है जिसे बच्चों में प्रारंभिक दौर से ही होना चाहिए और सदैव अपने लक्ष्य को याद करते हुए उसे प्राप्त करने के लिए भरपूर प्रयास करना चाहिए। यह बात भरतपुर सोनहत विधायक गुलाब कमरो ने सरस्वती शिशु मंदिर मनेन्द्रगढ़ के वार्षिक उत्सव को संबोधित करते हुए कही।

इस दौरान बच्चों द्वारा योग, आसान, सामूहिक व्यायाम, गीत गायन के साथ-साथ नृत्य, नाटक, विद्याभारती का लक्ष्य वाचन, विज्ञान प्रयोग, अमृत वाचन आदि प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में विधायक गुलाब कमरो मौजूद रहे. इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय समिति के अध्यक्ष पुरुषोत्तम गुप्ता ने की.विशिष्ट अतिथि के रूप में नपाध्यक्ष प्रभा पटेल, व्यवस्थापक दिनेश्वर मिश्रा , प्राचार्य दिनेश मिश्रा, समिति उपाध्यक्ष महेंद्र जैन, कोषाध्यक्ष पवन फरमानिया, सह व्यवस्थापक गणेश अग्रवाल, रामचरित द्विवेदी मौजूद रहे.कार्यक्रम का शुभारंभ मंचस्थ अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण के साथ दीप प्रज्वलन कर सरस्वती वंदना से किया गया। मंचासीन अतिथियों के स्वागत उपरांत बच्चों ने एक से बढ़कर एक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए, कार्यक्रम का संचालन राकेश पाण्डेय एवं अंत में आभार प्रधानाचार्य दिनेश मिश्रा द्वारा व्यक्त किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के रघुराई लाल साहू, श्रीमती दुर्गा माली,श्रीमती मोनिका सिन्हा, श्रीमती लेखनी वैश्य,शशि कला राव,विनोद शुक्ला, श्रीमती रत्न मणि केसरवानी,सुवाष विश्वास,नागेंद्र नाथ तिवारी,दिवाकर मिश्र, गौतम पुरी, ओम प्रकाश सोनी ,दीपक पांडे सहित पूर्व नपा उपाध्यक्ष सुरेश श्रीवास्तव, पार्षद गोपाल गुप्ता,समाजसेवी ठाकुर प्रसाद केसरी, सुरेश सोनी, पार्षद सुनैना विश्वकर्मा, आरके मिश्रा ,छात्र-छात्राएं, अभिभावक, आचार्य परिवार, नगर के नागरिक मौजूद रहे।

पुलिस सिविल लाइन रामपुर के द्वारा चलाया गया निजात जागरूकता अभियान

- संवाददाता-

कोरबा,22 जनवरी 2023 (घटती-घटना)। पुलिस अधीक्षक संतोष सिंह के निर्देश पर कोरबा जिले में अवैध नशे के विरुद्ध निजात अभियान संचालित किया जा रहा है । इस अभियान के अंतर्गत रामपुर पुलिस सिविल लाइन थाना के द्वारा जैन इंटरनेशनल स्कूल गोढ़ी स्कूल में विद्यार्थियों एवं स्टाफ को अवैध नशे से होने वाले वाले नुकसान के बारे में बताकर नशा मुक्त समाज एवं परिवार बनाने की अपील की गई ढ्ढ विद्यार्थियों से अपील किया गया की स्वयं भी नशे से दूर रहना है एवं अपने परिवार व आसपास कोई नशा करता हो तो उसको नशे के नुकसान के बारे में बता कर नशा छोड़ने हेतु प्रेरित करना है । साथ ही छ ग शासन द्वारा संचालित हमर बेटी हमर मान के अंतर्गत छात्र, छात्राओं को सामान्य कानून की जानकारी, गुड टच बैड टच ,अभिव्यक्ति ऐप की जानकारी, यातायात नियमों का पालन करने सहित विभिन्न कानूनी जानकारियां भी दी गई।

ब्यूटी सलोन नई साज सज्जा के साथ पुनःस्थापित

- संवाददाता-

कोरबा,22 जनवरी 2023 (घटती-घटना)। भारत का लीडिंग ब्यूटी सलोन चैन स्ट्रैंड्स नई साज सज्जा के साथ ट्रांसपोर्ट नगर के क्यूब काम्प्लेक्स में पुनः स्थापित किया गया । इस उपलक्ष्य में कोरबा की पूर्व महापौर श्रीमती रेनू अग्रवाल ने स्टोर का औपचारिक शुभारंभ कर सभी को शुभकामनाएं दी ढ्ढ इस कार्यक्रम में शहरी कांग्रेस अध्यक्षा श्रीमती सपना चौहान नगर के अनेक प्रतिष्ठित नागरिक एवं महिलाएं मौजूद रही 7 उद्घाटन के अवसर पर अतिथियों का स्वागत जितेन्द्र करमाकर (संचालक),धीरज करमाकर एवं रेम्या ने किया। स्ट्रैंड्स ब्यूटी सलोन के संचालक ने बताया की यह सैलून 365 दिन सुबह 9ः30 से रात्रि 9ः00 बजे तक खुला रहेगा तथा वीकेंड में यह रात्रि 10ः00 बजे तक खुला रहेगा ढ्ढ सैलून को पॉश इंटीरियर , खूबसूरत फर्नीचर एवं नई साज सज्जा , नई मौजूद सर्विस एवं सुविधा के साथ

खोला गया है । इनमे मुख्य रूप से हेअरकट स्मूथिंग , हेयर स्पा ,हेयर कलर ,हेयर स्ट्रेटनिंग हेयर बोटोप्लेक्स, पर्मिंग बॉडी मसाज स्क्रब फुट स्पा , फेसिअल ,अंडर आई ट्रीटमेंट ,स्किन केयर,रेफ्लेक्सोलोजिस ,बॉडी पॉलिश ,ब्राइडल सर्विसेज पम्पेर पैकेजेस आदि उपलब्ध है । स्ट्रैंड्स सैलून के फ्रेंचाइस जीत करमाकर ने बताया कि स्ट्रैंड्स सैलून में विश्व स्तरीय सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएगी 7 इस अवसर पर फ्रेंचाइस पार्टनर रेम्या ने कहा कि भारत का प्रसिद्ध व एवाटेट स्ट्रैंड्स ब्यूटी सलोन विगत दस सालों से कोरबा शहर में लोगों के बीच अपनी पहचान बना चुका है । वर्तमान में भारत के कई राज्यों में सेवा देने के साथ विदेशों में भी ÷स्ट्रैंड्स÷सेवा दे रही है ढ्ढउन्होंने कहा के कोरबा ऊर्जा नगरी होने से पॉलुशन जोन है जिससे लोग चेहरे, बाल और रंग की समस्याओं से ग्रसित है ढ्ढ इन्हीं समस्याओं का समाधान के लिए सर्वसुविधा युक्त , सुसज्जित व आलीशान सैलून ग्राहको को अच्छी सेवा देने के लिए कोरबा शहर के व्यपारिक हृदयस्थल टीपी नगर के ÷क्यूब कॉम्प्लेक्स÷ में सेवा देने के लिए खोला गया है। इस सुस्सजित सलोन में ग्राहकों को और बेहतर सेवा व उनके चेहरे व बालों का पूरा ख्याल रखते हुए उच्च व संपूर्ण गुणवत्तायुक्त आयुर्वेद हर्बल उत्पादों का इस्तेमाल किया जा रहा है। यहीं नहीं स्ट्रैंड्स सलोन में ग्राहकों का पूरा ख्याल रखने के लिए त्वचा विशेषज्ञ भी मौजूद रहेंगे, जिनकी निगरानी में ग्राहको को सेवा दी जाएगी। कोरबा शहर के लिए यह सौभाग्य की बात है कि देश के विभिन्न राज्यों जैसे चंडीगढ़, पंजाब, हरियाणा महाराष्ट्र, वेस्ट बंगाल, उड़ीसा, तमिलनाडु व मध्यप्रदेश के बाद अब छत्तीसगढ़ में जो दस वर्षों से सेवा देने बाद पूनः नए साज-सज्जाओं व आधुनिक उपकरण के आलावा सौ प्रतिशत नेचुरल वे हर्बल उत्पादों के साथ महिलाओं व पुरूषों के लिए उपलब्ध है। लड़कियों को अपनी सुंदरता बढ़ाने का भी शौक होता है वर्तमान समय में ब्यूटी पार्लर और मेकअप प्रोफेशनल होते है जो आपको इतना खूबसूरत और सुंदर बना देंगे कि आपको अपने खुद की आँखों पर भी यकीन नहीं होगा। साथ ही अपने आपको सुडौल एवं खूबसूरत रखने के लिए महिलायें ब्यूटी पार्लर जाने के लिए उत्साहित होती है ढ्ढ इसी को ध्यान में रखते हुए स्ट्रैंड्स ब्यूटी सलोन द्वारा ग्राहको को 50त्न तक के छुट का कूपन दिया जा रहा है , जिसका लाभ महिलायें एवं पुरुष दोनो ले सकते है।

छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग
कार्यालय कार्यपालन अभियंता
जल संसाधान संभाग, क्रमांक,01 अम्बिकापुर
Main Portal : http://cgeprocurement.gov.in
WRD Portal : http://wrd.cgeprocurement.gov.in
–: निविदा निरस्तीकरण सूचना :–
क्रमांक- 01/व.ले.लि./ 2022-23 दिनांक -11/01/2023
1. इस कार्यालय के निविदा आमंत्रण सूचना क्र0 05/व0ले0लि0/2018-19 दिनांक 31.05.2018 निविदा सिस्टम क्र0 37168 कुंवरपुर जलाशय की मुख्य नहर आर0डी0 4500 पर एक्वाडक्ट निर्माण एवं मुख्य नहर का मरम्मत कार्य। हेतु आमंत्रित निविदा जिसका जी नम्बर 54206 दिनांक 03.08.2018 है, को निविदा की एंडिका 3.26 (निविदा प्रपत्र फर्म-बी) में वर्णित प्रावधान के तहत् निविदा निरस्त की जाती है।
2. इस कार्यालय के निविदा आमंत्रण सूचना क्र0 07/व0ले0लि0/2020-21 दिनांक 25.11.2020 ग्रप-3 निविदा सिस्टम क्र0 68818 बांकीपुर जलाशय योजना में 04 नग व्ही.आर.बी. 04 नग सी.डी. 01 नग एक्वाडक्ट एवं बांयी एवं दांयी तट नहर का मरम्मत कार्य। हेतु आमंत्रित निविदा जिसका जी नम्बर 85197 दिनांक 26.11.2020 है, को निविदा की एंडिका 3.26 (निविदा प्रपत्र फर्म-बी) में वर्णित प्रावधान के तहत् निविदा निरस्त की जाती है।
3. इस कार्यालय के निविदा आमंत्रण सूचना क्र0 07/व0ले0लि0/2018-19 दिनांक 04.02.2019 निविदा सिस्टम क्र0 49743 लब्जी जलाशय योजना नहर पर कांक्रीट चैनल का निर्माण कार्य। हेतु आमंत्रित निविदा जिसका जी नम्बर 58453 दिनांक 20.02.2019 है, को निविदा की एंडिका 3.26 (निविदा प्रपत्र फर्म-बी) में वर्णित प्रावधान के तहत् निविदा निरस्त की जाती है।
4. इस कार्यालय के निविदा आमंत्रण सूचना क्र0 07/व0ले0लि0/2017-18 दिनांक 12.11.2017 निविदा सिस्टम क्र0 23745 बटपरगा व्यपवर्तन योजना के आर0बी0सी0 आर0बी0सी0 के आर0डी0 990 मी0 से 1530 मी0 पर मिटटी का कार्य एवं 24 नग पक्के संरचनाओं का निर्माण कार्य। हेतु आमंत्रित निविदा जिसका जी नम्बर 56670 दिनांक 19.12.2018 है, को निविदा की एंडिका 3.26 (निविदा प्रपत्र फर्म-बी) में वर्णित प्रावधान के तहत् निविदा निरस्त की जाती है।
कार्यपालन अभियंता
जल संसाधन संभाग क्र0 01
अम्बिकापुर
कृते-मुख्य अभियंता हसदेव
गंगा कछार जल संसाधन विभाग
अम्बिकापुर (छ.ग.)
जी नंबर -97830/1

भारत और न्यूज़ीलैंड की बीच तीसरा वनडे कल

» होलकर में कभी नहीं हारी इंडिया,

» इंदौर पहुंची दोनों टीमें

इंदौर,22 जनवरी 2023। विश्व क्रिकेट में धूम मचाने वाले क्रिकेटर आज मालवा की माटी पर उतरेंगे। भारत और न्यूजीलैंड की टीमें रविवार दोपहर इंदौर पहुंची। शहर में 24 जनवरी को दोनों टीमों के बीच सीरीज का तीसरा वनडे मैच खेला जाएगा। भारतीय टीम सीरीज पर पहले ही कब्जा कर चुकी है।

इंदौर में करीब 6 साल बाद वनडे मैच होने वाला है। भारतीय टीम कभी भी होलकर स्टेडियम में वनडे मैच नहीं हारी है, वहीं न्यूजीलैंड को इंदौर में कभी भी जीत नसीब नहीं हुई है। एमपीसीए सचिव संजीव राव के अनुसार, दोनों टीमें दोपहर 1.40 बजे विमान से इंदौर आएंगी।

फिलहाल रविवार को टीम के अभ्यास की कोई आधिकारिक योजना नहीं है। मैदान के सेंटर विकेट को मैच के लिए तैयार किया गया है। साथ ही प्रेस बाक्स छोर पर अभ्यास विकेट बनाए गए हैं। मैच के दौरान ही खेलो इंडिया यूथ गेम्स का प्रचार भी किया जाएगा। इसके लिए खेलो इंडिया के होर्डिंग विभिन्न स्थानों पर लगाने की तैयारी है।

भारतीय टीम में इंदौर के रजत पाटीदार भी शामिल हैं। उन्हें सीरीज में अब तक अंतिम एकादश में मौका नहीं मिला, लेकिन अब भारत सीरीज जीत चुका है। ऐसे में टीम प्रबंधन वरिष्ठ खिलाड़ियों को आराम दे सकता है, जिससे प्रशंसकों को कुछ निराशा हो सकती है। हालांकि, ऐसे में अपने गृहनगर में रजत पाटीदार को खेलने का मौका मिल सकता है।

40 साल में पहली बार इंदौर में इंदौरी ही सुनाएगा फैसला

इंदौर में होने वाले वनडे मैच के लिए बीसीसीआइ ने इंदौर के नितिन मेनन को ही मैदानी अंपायर नियुक्त किया है। शहर में 40 साल में पहली बार कोई इंदौरी अंपायर अंतरराष्ट्रीय वनडे मैच में मैदान पर फैसला सुनाएगा। इंदौर में पहला अंतरराष्ट्रीय वनडे मैच एक दिसंबर 1983 को नेहरू स्टेडियम में हुआ था।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद के एलीट पैनल में शामिल देश के एकमात्र अंपायर नितिन इसके पहले शहर में हुए तीन अंतरराष्ट्रीय मैचों में तीसरे अंपायर रह चुके हैं। इसमें न्यूजीलैंड और बांग्लादेश के खिलाफ हुए टेस्ट मैच के अलावा श्रीलंका के खिलाफ टी-20 मैच शामिल है। उनके पिता नरेंद्र मेनन भी इंदौर में दो अंतरराष्ट्रीय मैचों के दौरान तीसरे अंपायर रहे हैं। इंदौर के सुधीर असनानी एक वनडे मैच में टीवी अंपायर रह चुके हैं। इस मैच में वीरेंद्र सहवाग ने दोहरा शतक लगाया था।

युवा अन सियंग ने जीता टूर्नामेंट का महिला एकल खिताब

नई दिल्ली ,22 जनवरी 2023। कोरिया की युवा खिलाड़ी अन सियंग ने दो बार की विश्व चैम्पियन अकाने यामागुची के खिलाफ लगातार हार के सिलसिले को तोड़ते हुए पिछड़ने के बाद वापसी कर रविवार को यहां इंडिया ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट का महिला एकल खिताब अपने नाम किया। इस तरह वह इंडिया ओपन जीतने वाली पहली कोरियाई खिलाड़ी भी बन गयीं। इस 20 साल की खिलाड़ी ने महिला एकल फाइनल में दुनिया की नंबर एक जापानी खिलाड़ी को 15-21 21-16 21-12 से मात दी। पिछले हफ्ते भी मलेशिया ओपन में इसी तरह के तीन गेम का फाइनल हुआ था लेकिन वह इस मुकाबले में यामागुची से हार गयी थीं।

इस 72 मिनट तक चले मुकाबले के बाद अन सियंग ने कहा, ''मैं जानती थी कि मैच लंबा चलेगा। इसलिये मैंने अपने दिमाग को पहले से ही तैयार कर लिया था। '' इस जीत से वह जापानी खिलाड़ी के खिलाफ जीत के अंतर को कम करके 6-10 करने में सफल रहीं। अन सियंग को 2017 में राष्ट्रीय टीम में शामिल किया गया था, तब वह 15 साल की थीं। वह विश्व जूनियर चैम्पियनशिप में कांस्य पदक विजेता मिश्रित टीम का हिस्सा बनीं और 2018 में उबेर कप में कोरिया को कांस्य पदक दिलाने में भी उन्होंने अहम भूमिका निभायी थी। उनके नाम 11 विश्व टूर खिताब हैं और एक विश्व चैम्पियनशिप का कांस्य पदक है जिससे वह कोरिया की ओलंपिक में बड़ी उम्मीद बनती जा रही हैं। वहीं पुरूष युगल का खिताब लियांग वेई केंग और वांग चांग की जोड़ी के नाम रहा। इस जोड़ी का यह दूसरा विश्व टूर खिताब रहा, उन्होंने पिछले साल जापान ओपन में यही ट्राफी हासिल की थी।

दुनिया की 11वें नंबर की जोड़ी ने पुरूष युगल एकल फाइनल आरोन चिया और सोह वूई यिक की तीसरी वरीयता प्राप्त जोड़ी को 14-21 21-19 21-18 से पराजित किया। वहीं दो युगल मैच नहीं हो सके क्योंकि बीमार होने के कारण चीन के दो खिलाड़ियों को हटना पड़ा। वांग यि लियू (हुआंग डोंग पिंग के साथ मिश्रित युगल खेलने वाली) और चेन किंग चेन (महिला युगल फाइनल में जिया यि फिन के साथ खेलने वाली) को डायरिया के कारण अपने मैचों से हटना पड़ा।

सानिया महिला युगल में हारी

जीवन और बालाजी की जोड़ी भी बाहर

मेलबर्न ,22 जनवरी 2023। सानिया मिर्जा और कजाखस्तान की उनकी जोड़ीदार अन्ना डानिलिना ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के दूसरे दौर में हारकर बाहर हो गई जिससे भारतीय खिलाड़ी का ग्रैंडस्लैम प्रतियोगिताओं के महिला युगल में करियर का भी अंत हो गया।

सानिया और डानिलिना की आठवीं वरीयता प्राप्त जोड़ी को बेल्जियम की एलिसन वान उइतवैंक और यूक्रेन की एनहेलिना कलिनिना से दो घंटे से अधिक समय तक चले मैच में 4-6, 6-4, 2-6 से हार का सामना करना पड़ा। एन श्रीराम बालाजी और जीवन नेदुनचेझियन की भारतीय पुरुष युगल जोड़ी को भी दूसरे दौर में जेरेमी चार्डी और फैब्रिस मार्टिन की फ्रांसीसी जोड़ी से शिकस्त झेलनी पड़ी।

वैकल्पिक टीम के रूप में टूर्नामेंट में प्रवेश करने वाले बालाजी और जीवन की जोड़ी को 4-6, 4-6 से हार का सामना करना पड़ा जिससे पुरुष युगल में भारतीय चुनौती भी समाप्त हो गई। सानिया और डानिलिना की जोड़ी पहला सेट गंवाने के बाद दूसरे सेट में भी एक समय 0-3 से पीछे चल रही थी लेकिन इसके बाद उन्होंने लगातार तीन गेम जीतकर शानदार वापसी की। उन्होंने मैच को निर्णायक गेम तक खींचा लेकिन उसमें उनकी लय फिर से गड़बड़ा गई।

क्रिकेट फैंस की उम्मीदों को लगा बड़ा झटका

2028 ओलंपिक गेम्स में शामिल नहीं किया जाएगा क्रिकेट

नई दिल्ली ,22 जनवरी 2023। क्रिकेट फैंस के लिए एक बुरी खबर सामने आई है. 2028 में होने वाले लॉस एंजिलिस ओलंपिक गेम्स में क्रिकेट को शामिल नहीं किया जाएगा. इंटरनेशनल ओलंपिक कमेटी ने इस बात की जानकारी आईसीसी को दे दी है. बता दें कि 2028 में होने वाले लॉस एंजिलिस ओलंपिक गेम्स में कुल 28 खेलों को शामिल किया जाएगा.

रिपोर्ट्स में सामने आई ये जानकारी

यह बात भी निकलकर सामने आ रही है कि 2028 की जगह 2032 में ब्रिस्बेन में होने वाले ओलंपिक खेलों में क्रिकेट को शामिल किया जा सकता है. रिपोर्ट्स में अब यह भी पता चला है कि आईसीसी एक नई ओलंपिक समिति बना रही है और बीसीसीआइ सचिव जय शाह, जो आईसीसी में भारतीय क्रिकेट बोर्ड का प्रतिनिधित्व भी करते हैं, इसकी अध्यक्षता करेंगे. हालांकि इसके बारे में अभी तक आईसीसी, बीसीसीआई और अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति ने पुष्टि नहीं की है. इस खबर को लेकर अभी कोई आधिकारिक सूचना नहीं दी गई है.

दरअसल भारत समेत कई दुनिया के कई देशों में क्रिकेट का क्रेज गजब का है. फुटबॉल के बाद पूरी दुनिया में क्रिकेट दूसरा सबसे ज्यादा लोकप्रिय खेल है। करोड़ों की संख्या में लोग इस खेल के दिवाने हैं.

कॉमनवेल्थ गेम का हिस्सा बना क्रिकेट

बर्मिंघम में खेले गए कॉमनवेल्थ गेम्स 2022 में क्रिकेट को शामिल किया गया था, जिसमें महिला टी20 फॉर्मेट आठ देशों के बीच खेला गया था. हालांकि, ओलंपिक खेलों में शामिल होने के लिए एक खेल आयोजन के लिए, यह पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिए होना चाहिए. साल 2022 में हुए कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत ने रजत पदक जीता था. भारत को फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के हाथों हार का सामना करना पड़ा था.

आइसीसी ने 2028 ओलंपिक के लिए छह टीमों की स्पर्धा कराने की सिफारिश की

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आइसीसी) को अब भी क्रिकेट को लास एंजिल्स 2028 ओलंपिक में शामिल किए जाने की उम्मीद है और उसने खेलों की आयोजन समिति से पुरुष और महिला वर्गों के लिए छह टीम की टी-20 स्पर्धा कराने की सिफारिश की है।

रिपोर्ट के अनुसार, क्रिकेट को शामिल करने पर फैसला अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आइओसी) द्वारा अक्टूबर में लिया जाएगा। इसके बाद मुंबई में आइओसी के सत्र में इसकी पुष्टि की जाएगी, जिसके इस साल अक्टूबर के आसपास कराए जाने की उम्मीद है।

रणनीतिक कदम के तहत बीसीसीआइ के सचिव जय शाह को आइसीसी के ओलंपिक कार्यकारिणी समूह में शामिल किया गया है जिसकी अध्यक्षता आइसीसी अध्यक्ष ग्रेग बार्कले करते हैं और इसमें इंदिरा नूई (स्वतंत्र निदेशक) और पराग मराठे (अमेरिकी क्रिकेट संघ के पूर्व अध्यक्ष) शामिल हैं।

शाह को भारत की 2036 में ओलंपिक मेजबानी की महत्वाकांक्षा को ध्यान में रखते हुए शामिल किया गया था। क्रिकेट के साथ आठ अन्य खेल, बेसबाल/साफ्टबाल, फ्लैग फुटबाल, लैक्रोस, ब्रेक डांसिंग, कराटे, किक बॉक्सिंग, स्क्वाश और मोटरस्पोर्ट भी कार्यक्रम में शामिल किए जाने की प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं।

अनिल कपूर ने शेयर किया द नाइट मैनेजर में काम का अनुभव

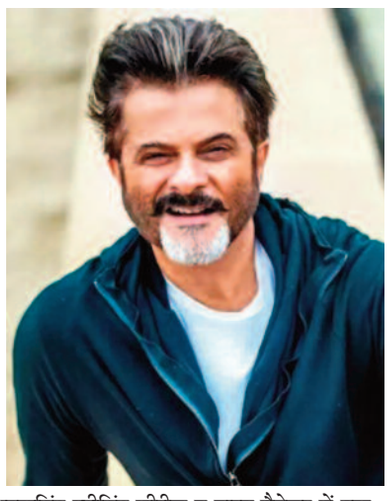

बॉलीवुड एक्टर अनिल कपूर अपकमिंग स्ट्रीमिंग सीरीज द नाइट मैनेजर में एक शक्तिशाली व्यक्ति की भूमिका निभा रहे हैं। उन्हें कलाकारों के ग्रुप के साथ काम करना पसंद है। प्रोजेक्ट पर काम करते हुए उन्हें सबसे ज्यादा क्या पसंद है, इस सवाल पर एक्टर कहते हैः जब आप किसी शो में इतने लंबे समय तक काम कर रहे होते हैं, तो आप निश्चित रूप से बहुत सारी यादें बनाते हैं और बहुत सारे रिश्ते बनाते हैं।

हमने बहुत सारे भावनात्मक क्षण साझा किए है। मुझे कास्ट और क्रू, आदित्य, सोभिता, संदीप, प्रियंका, सास्वता चटर्जी, तिलोत्तमा शोम और बेन जैस्पर के साथ काम करने में बहुत मजा आया। उन्होंने आगे कहाः हर कोई शानदार है! जब आप कहानी में एक साल से अधिक समय बिताते हैं तो बहुत सारे मजेदार और भावनात्मक क्षण होते है।

इस दौरान गुस्सा भी होता है, कभी निराशा भी होती है और कभी-कभी हंसी-मजाक भी होता। कुल मिलाकर यह एक बहुत ही समृद्ध और रचनात्मक रूप से संतोषजनक अनुभव था। द इंक फैक्ट्री और बनिजय एशिया द्वारा निर्मित, संदीप मोदी द्वारा निर्मित और निर्देशित और प्रियंका घोष द्वारा सह-निर्देशित, द नाइट मैनेजर एक हाई-ऑक्टेन थ्रिलर है। इसमें आदित्य रॉय कपूर भी हैं। सीरीज जल्द ही डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर दस्तक देगी।

रेड स्टाइलिश ड्रेस में याशिका आन्नंद के स्टनिंग पोज ने उड़ाए फैंस के होश

तमिल फिल्मों की अभिनेत्री याशिका आन्नंद हमेशा अपने बोल्ड लुक्स की तस्वीरें से सोशल मीडिया पर शेयर करती रहती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस याशिका आन्नंद ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट की हैं जिसमें उनका हॉट अंदाज फैंस के बीच धमाल मचा रहा है। एक्ट्रेस आए दिन अपने ग्लैमरस तस्वीरों से इंटरनेट पर कहर बरपाती रहती हैं। एक्ट्रेस याशिका आन्नंद हमेशा अपनी हॉट एंड सेक्सी तस्वीरों से फैंस को मदहोश कर देती हैं।

हाल ही में एक्ट्रेस याशिका आन्नंद ने अपने बोल्ड लुक्स की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं। इन तस्वीरों में एक्ट्रेस याशिका आन्नंद ने रेड कलर का बेहद ही स्टाइलिश प्रोफेशनल लुक में आउटफिट कैरी किया है। ओपन हेयर और लाइट मेकअप कर के अभिनेत्री याशिका आन्नंद ने अपने इस आउटलुक को कंप्लीट किया है। इन तस्वीरों में एक्ट्रेस अपना थाई स्लिट ड्रेस में टोंड लैग्स फ्लॉन्ट करती हुई नजर आ रही हैं।

एक्ट्रेस याशिका आन्नंद इंटरनेट सेंसेशन हैं और एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर करती हैं तो वो तेजी से वायरल होने लगती हैं। याशिका आन्नंद जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर करती हैं तो फैंस उनकी तस्वीरों पर अपनी-अपनी प्रतिक्रियाएं देते हैं। एक्ट्रेस का हर लुक फैंस के बीच ट्रेंड करता है और याशिका कहीं पर भी जाती हैं तो लोगों की निगाहें उन पर टिकी रह जाती हैं।

अभिनेता उमर शरीफ ने कुत्ते में काम करने को लेकर की बात

मॉडल और अभिनेता उमर शरीफ ने कुत्ते में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अभिनेता ने अपनी भूमिका के बारे में बात की और सह-अभिनेताओं के साथ अपने काम के अनुभव को साझा किया। अपनी बात करते हुए अभिनेता ने कहा, मैं जावेद मुफ्ती का किरदार निभा रहा हूं जो बंदूक बनाने वाला है।

उसके 2 बड़े भाई हैं और जो गोलीबारी में फंस गए हैं, जिसके कारण उन्हें पुलिस ने पकड़ लिया है, लेकिन कैद से बचने के लिए वे उनकी रिहाई के लिए वस्तु विनिमय के रूप में 4 करोड़ रुपये की एटीएम कैश वैन लूटने की योजना बनाई ताकि वो उसको छोड़ दें।उनका बड़ा ब्रेक 2013 में अनुभवी निर्देशक सईद मिर्जा के साथ ये है इंडिया मेरी जान के रूप में आया। 2014 में उमर ने अपनी पहली फीचर फिल्म खामोशियां साइन की। उसके बाद से उनका सफर प्यार का दर्द, इश्क किल्स जैसे शो और सावधान इंडिया और गुमराह जैसे एपिसोड करने के साथ अपना काम जारी रहा। उन्होंने रंगमंच से अपना जुड़ाव जारी रखा।

उमर ने अपनी पहली वेब सीरीज अवरोध हासिल की और फिर दीया मिर्ज़ा के साथ काफिर और स्कैम 1992 जैसी सीरीज की। तब्बू और दीया जैसे अभिनेताओं के साथ काम करने के बारे में बात करते हुए, उन्होंने साझा किया, ये अभूतपूर्व कलाकार हैं, जो एक दृश्य और अभिनय की पूरी प्रक्रिया को इतना सहज और आसान बनाते हैं। मैंने उनसे बहुत कुछ सीखा। यह अभिनय पर एक किताब पढ़ने जैसा था। मुझे ऐसी परियोजनाओं का सौभाग्य प्राप्त हुआ है जिनमें कुछ बेहतरीन कलाकार रहे हैं।अभिनेता अगली बार वूट पर रनेती और द केरला स्टोरी में दिखाई देंगे।

मैं लगन नाम से पहली बार पूरा एल्बम ला रही हूं:ध्वनि भानुशाली

लोकप्रिय गायिका ध्वनि भानुशाली ने कहा कि वह पहली बार संगीत प्रेमियों के लिए एक संपूर्ण एल्बम लाने को लेकर उत्साहित हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि दर्शक लगन की प्रशंसा करेंगे।

ध्वनि को बद्रीनाथ की दुल्हनिया के हमसफर एकॉस्टिक, वीरे दी वेडिंग के वीरे और वेलकम टू न्यूयॉर्क फिल्म के इश्तेहार जैसे गानों के लिए जाना जाता है।

उन्होंने दिलबर गाने के लिए नेहा कक्कड़ के साथ भी काम किया और इशारे तेरे के लिए गुरु रंधावा के साथ काम किया।

ध्वनि अपने एल्बम को एक प्रोजेक्ट मानती हैं। उन्होंने कहा : एल्बम मेरे दिल के बहुत करीब है, क्योंकि इसमें प्यार की बात है। मेरे करीबी लोगों ने मुझे इसके साथ आगे आने के लिए प्रेरित किया है। यह पहली बार है, जब मैं अपने दर्शकों के लिए एक पूरा एल्बम ला रही हूं। मुझे उम्मीद है कि वे हमेशा की तरह इस खास एल्बम को अपना प्यार और समर्थन देंगे।यह एल्बम प्यार और जुड़ाव के बारे में है और इसमें ध्वनि भानुशाली द्वारा गाए गए पांच ट्रैक शामिल हैं, जिसमें अभिजीत वघानी ने दो गाने और ऐश किंग ने एक गाना गाया है।

लगन के गीत श्लोके लाल ने लिखे हैं और अभिजीत वघानी ने कंपोज किया है। यह एल्बम जल्द ही हिट्ज म्यूजिक पर रिलीज किया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर किया नमन

रायपुर,22 जनवरी, 2023 (ए)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने स्वतंत्रता संग्राम के महानायक और आजाद हिंद फौज के संस्थापक नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 23 जनवरी को जयंती पर उन्हें नमन किया है। बघेल ने कहा है कि नेताजी ने भारत की आजादी के लिए कठिन संघर्ष किया और तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा जैसे नारों से देशवासियों में नये जोश का संचार किया। नेताजी ने आजाद हिंद फौज का गठन कर स्वाधीनता आंदोलन को नई दिशा प्रदान की। भारत की स्वतंत्रता के लिए किए गए संघर्ष और अमूल्य योगदान के लिए नेताजी सदा याद किए जाएंगे।

दिनदहाड़े युवक की हत्या से दहल उठी राजधानी

रायपुर,22 जनवरी, 2023 (ए)। राजधानी रायपुर में दिनदहाड़े युवक की हत्या का मामला सामने आया है। वारदात गुढ़ियारी थाना इलाके के रामनगर चौकी अंतर्गत कबीर चौक का है जहां युवक की हत्या से इलाके में सनसनी फैल गयी। मौके पर पहुँची पुलिस टीम मामले की जांच में जुटी है

स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मीडियम स्कूल खोलने की घोषणा

रायपुर,22 जनवरी, 2023 (ए)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा है कि गोधन न्याय योजना के तहत गोबर विक्रेताओं से एक लाख क्विंटल गोबर की खरीदी की गई है और उनको अब तक 201 करोड़ रूपए का भुगतान किया गया है। गोबर से वर्मी कम्पोस्ट तैयार करने में लगभग 80 हजार महिलाओं को रोजगार भी मिल रहा है। छत्तीसगढ़ देश का पहला राज्य है जहां गोबर की खरीदी हो रही है। गोधन न्याय योजना गांव में सामाजिक, आर्थिक परिवर्तन का माध्यम बन गई है। मुख्यमंत्री आज रायपुर जिला के धरसींवा विधानसभा के ग्राम माठ में भेंट मुलाकात के दौरान ग्रामीण के सम्बोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने भेंट-मुलाकात में ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य शासन की विभिन्न योजनाएं जो आम जनता के लिए बनाई गई हैं, उसका लाभ उन्हें मिल रहा है या नहीं, यह जानने के लिए मैं आया हूं। आज रायपुर जिले में भेंट-मुलाकात कार्यक्रम की शुरुआत धरसीवा विधानसभा से हो रही है। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने कहा कि हमने सभी वर्गों के लिए योजनाएं बनाई हैं। सबसे पहले हमने किसानों का ऋण माफ किया है, ऋण माफी की बात पर सभी लोगों ने हाथ उठाकर ऋण माफ होने की अपनी सहमति जताई। मुख्यमंत्री ने कहा कि धान के साथ साथ हम कोदो, कुटकी भी समर्थन मूल्य में खरीद रहे हैं। धान खरीदी में देश में छत्तीसगढ़ का पंजाब के बाद दूसरा स्थान है, अब तक 103 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी हुई है। छत्तीसगढ़ में लगभग 23 लाख किसान धान बेच कर लाभांवित हुए हैं। पहले केवल 15 लाख किसान ही धान बेचते थे, पहले धान का रकबा 22 लाख हेक्टेयर था, उसमे भी इजाफा हुआ है। इस अवसर पर धरसींवा विधायक श्रीमती अनिता योगेंद्र शर्मा, खनिज विकास निगम के अध्यक्ष श्री गिरीश देवांगन सहित अनेक जनप्रतिनिधि, बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार गाड़ा-गाड़ा धान खरीदना चाहती है, धान से इथेनॉल बनाना चाहती है, इसके लिए केंद्र सरकार से अनुमति नहीं मिला है। धान से बने इथेनॉल का रेट तय नहीं हुआ है ये सभी व्यावहारिक दिक्कत है। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि गन्ने से इथेनॉल बनाने का प्लांट कवर्धा में प्रारंभ होने वाला है। कोंडागांव में मक्का से इथेनॉल संयंत्र भी जून में प्रारंभ हो जायेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार अनुमति दे तो हम किसानों से एक-एक दाना धान की खरीदी करेंगे। उन्होंने इस अवसर पर ग्राम पंचायत गनियारी में स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मीडियम स्कूल, ग्राम पंचायत मढ़ी और जारा-कुम्हारी में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र एवं ग्राम सारागांव में जिला सहकारी बैंक की शाखा खोलने सहित कई घोषणाएं की।

मुख्यमंत्री को भेंट मुलाकात कार्यक्रम में गोधन न्याय योजना से लाभान्वित हितग्राही भूमिन टंडन ने मुख्यमंत्री को बताया कि उन्होंने इस योजना का लाभ लेकर एक लाख रुपए की कमाई की और इस पैसे को बेटे और बेटी की शादी में खर्च किया। हितग्राही ने बताया कि उन्होंने एक लाख 35 हजार का गोबर बेचा। घर में डेयरी बनाया है, लेकिन दो साल से बंद होने के कगार में था, लेकिन गोधन न्याय योजना अंतर्गत गोबर बेचने से पैसा मिल रहा है। अब उनका डेयरी बंद नही होगा। भेंट मुलाकात में माठ निवासी दुरबति यादव ने बताया कि गोबर बेचकर उन्होंने 70 हजार रुपए की आमदनी की है। मुख्यमंत्री ने हंसते हुए कहा कि यादव जी (आपके पति को) को आपने तो काम पर लगा दिया है, इस पर दुरबति ने कहा कि यादव जी के लिए कुछ खरीद लूंगी।

भेंट मुलाकात कार्यक्रम में आये श्री जीवन लाल पारधी ने बताया कि उनकी 27 एकड़ जमीन है, वे खेती-किसानी का काम करते हैं। उनका सभी कर्ज माफ हो गया है। श्री जीवन ने बताया कि वे 900 कट्टा धान बेचे है, धान बेचते ही 3 दिन पैसा आया। योजना से लाभ लेकर आधा एकड़ खेत खरीदा है, इसी खेत का नाम बोनस खेत रखा है।

स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल तिल्दा-नेवरा की कक्षा 12वीं की छात्रा मुस्कान वर्मा ने फ़र्राटेदार अंग्रेजी में मुख्यमंत्री से बात करते हुए बताया कि दूसरे स्कूल के मुकाबले आत्मानंद स्कूल में पढ़ने से पैसे की बचत हो रही है। हमारे स्कूल में सभी प्रकार की सुविधाएं, लैब लाइब्रेरी और उत्कृष्ट शिक्षक मौजूद हैं। दूसरी छात्रा ने बताया कि वो स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल तिल्दा से पढ़कर 12वीं पास होकर नर्सिंग के कोर्स में प्रवेश ली है, कोर्स की फ़ीस लगभग 2 लाख रुपए है। पिता की मृत्यु कोरोना काल में हो गई है, छात्रा ने मुख्यमंत्री से सहायता मांगी। इस पर मुख्यमंत्री ने एक लाख रुपए की सहायता राशि देने की घोषणा की। स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल तिल्दा-नेवरा, 12वीं कक्षा की छात्रा वर्षा यादव ने मुख्यमंत्री से पूछा कि आपकी सफलता में किसकी भूमिका रही, शिक्षक या आपके अनुभव की ? मुख्यमंत्री ने कहा बिना गुरु के ज्ञान नहीं मिलता।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा रायपुर जिले के धरसींवा विधानसभा अंतर्गत ग्राम पंचायत माठ में आयोजित भेंट मुलाकात कार्यक्रम में अनेक घोषणाएं की। उन्होंने ग्राम माठ में पूर्व माध्यमिक शाला का हाईस्कूल में उन्नयन, ग्राम पंचायत माठ, मुरा, पिकरीडीह, बिठिया, मुड़पार और तिल्दाडीह में लिफ्ट इरिगेशन, प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति माठ में अहाता निर्माण, ग्राम खौली से भड़हा-बुडगहन-फरहदा होते हुए ग्राम कोसरंगी तक मार्ग चौडीकरण को राम वनगमन पथ के अंतर्गत स्वीकृति, ग्राम पंचायत फरहदा के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में स्टाफ की स्वीकृति, ग्राम पंचायत गनियारी में स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मीडियम स्कूल की घोषणा, ग्राम पंचायत बरौंडा माध्यमिक शाला को हाई स्कूल के रूप में उन्नयन, ग्राम पंचायत मढ़ही और जारा-कुम्हारी में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की घोषणा, ग्राम नकटी कुम्हारी में पुरानी बस्ती से नई बस्ती तक पहुंच मार्ग, खरोरा नगर पंचायत मे 1.92 करोड़ रुपए की लागत से गौरव पथ निर्माण, ग्राम सारागांव में जिला सहकारी बैंक की शाखा, प्राथमिक स्वास्थ केंद्र सिलयारी का नाम स्व. इंदिरा बनीराम वर्मा के नाम से करने की घोषणा, ग्राम पंचायत मटिया में सामुदायिक भवन निर्माण, आई.टी.आई का नामकरण स्व. श्रीमति गुणवंतीन बाई बघेल के नाम से करने, पेंड्रा वन में डॉ खूबचंद बघेल की मूर्ति लगाने की घोषणा मुख्यमंत्री ने की।

छत्तीसगढ़ सरकार ने बनाया धान खरीदने का एक और रिकॉर्ड

छत्तीसगढ़ सरकार ने धान खरीदने का एक और रिकॉर्ड बनाया है। जिसकी जानकारी सीएम भूपेश बघेल ने ट्वीट कर दी और बताया - देश भर में धान बेचने वाले सर्वाधिक किसान छत्तीसगढ़ से हैं। मतलब सबसे ज़्यादा सधन किसानों की जेब में सछत्तीसगढ़ में गया है. आज छत्तीसगढ़ मंदी से अछूता है, बाजार गुलज़ार हैं।

नर्सिंग छात्रा को एक लाख की सहायता देने की घोषणा की

रायपुर। सीएम भूपेश बघेल आज भेंट-मुलाकात के तहत धरसींवा विधानसभा के ग्राम माठ पहुंचे है. भेंट-मुलाकात में सीएम को छात्रा ने बताया कि वो स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल तिल्दा से पढ़कर 12वीं पास होकर नर्सिंग के कोर्स में प्रवेश ली हूं, कोर्स की लगभग 2 लाख रुपए की फ़ीस है। पिता की मृत्यु कोरोना काल में हो गई है, आपसे सहायता की उम्मीद है। इस पर मुख्यमंत्री ने एक लाख रुपए की सहायता राशि देने की घोषणा की।

सीएम भूपेश बघेल ने की ग्राम माठ में 15 बड़ी घोषणाएं

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा रायपुर जिले के धरसींवा विधानसभा अंतर्गत ग्राम पंचायत माठ में आयोजित भेंट मुलाकात कार्यक्रम में कई घोषणाएं की गई है. छात्रा ने बताया कि वो स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल तिल्दा से पढ़कर 12वीं पास होकर नर्सिंग के कोर्स में प्रवेश ली हूं, कोर्स की लगभग 2 लाख रुपए की फ़ीस है। पिता की मृत्यु कोरोना काल में हो गई है, आपसे सहायता की उम्मीद है। इस पर मुख्यमंत्री ने एक लाख रुपए की सहायता राशि देने की घोषणा की। वही स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल तिल्दा-नेवरा की कक्षा 12वीं की छात्रा मुस्कान वर्मा ने फ़र्राटेदार अंग्रेजी में मुख्यमंत्री से बात करते हुए बताया कि दूसरे स्कूल के मुकाबले आत्मानंद स्कूल में पढ़ने से पैसे की बचत हो रही है। हमारे स्कूल में सभी प्रकार की सुविधाएं, लैब लाइब्रेरी और उत्कृष्ट शिक्षक मौजूद हैं।

छत्तीसगढ़ में हाथ से हाथ जोड़ो यात्रा

सीएम भूपेश की योजनाओं पर फोकस

रायपुर,22 जनवरी, 2023 (ए)। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा की तर्ज पर अब छत्तीसगढ़ में भी हाथ से हाथ जोड़ो यात्रा कांग्रेस पार्टी करेगी. इस यात्रा के जरिए कांग्रेस सरकार अपने 4 साल के कामकाज की सफ्लता और केंद्र सरकार की नाकामी गिनाएगी. इस अहम यात्रा की तैयारी और रणनीति को लेकर कांग्रेस प्रदेश प्रभारी कुमारी शैलजा ने कांग्रेस के प्रमुख कार्यकर्ता पदाधिकारी के साथ राजधानी के राजीव भवन में बैठक की.

भूपेश मॉडल को घर घर पहुंचाने की कोशिश : कृषि मंत्री रविंद्र चौबे ने कहा कि '' यह सौभाग्य की बात है कि राजधानी रायपुर में कांग्रेस का महाधिवेशन प्रस्तावित है. अधिवेशन की तारीख भी तय हो चुकी है. एआईसीसी अधिवेशन और हाथ से हाथ जोड़ो यात्रा के सिलसिले में कांग्रेस के सभी पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं के साथ कुमारी शैलजा ने बैठक की है. इस बैठक में यह तय किया गया है कि भूपेश सरकार के मॉडल को किस तरह एग्जिबिशन लगाकर लोगों को दिखाया जाएगा.''

कुमारी शैलजा के मुताबिक ''जमीन पर लोगों की बात सुन रहे हैं. जन जन की आवाज सुन रहे हैं. ऐसा कदम किसी ने अभी तक नहीं उठाया है. इसके विपरीत भाजपा नेता कभी लोगों की बातें नहीं सुनते. कांग्रेस पार्टी लोगों के बीच में उतरकर राहुल जी के नेतृत्व में लोगों के बीच में जाकर उनसे बात कर रही है. इसी के तहत कांग्रेस पार्टी अब छत्तीसगढ़ में हाथ से हाथ जोड़ो यात्रा निकालेगी.''

पुलिस कर्मियों का हुआ तबादला

» थाना प्रभारी भी बदले गए,

» एसएसपी ने जारी किया आदेश

रायपुर,22 जनवरी, 2023 (ए)। राजधानी रायपुर में एसएसपी प्रशांत अग्रवाल ने आदेश ज़ारी करते हुए 2 निरीक्षक और 4 उपनिरीक्षक का तबादला किया है। आपको बता दे कि गोलबाजार थाना प्रभारी सुदर्शन ध्रुव को अब थाना प्रभारी तिल्दा-नेवर की ज़िम्मेदारी सौंपी गई है, वही निरीक्षक योगेश कश्यप अब गोलबाजार थाना के प्रभारी बने है।उप निरीक्षक विनोद कश्यप को गुढ़ियारी थाना इलाके के अंतर्गत रामनगर चौकी प्रभारी बनाया गया है, जहां के वर्तमान प्रभारी गुरविंदर सिंह संधू की सिविल लाइन भेजा गया है। वही कोमल भूषण पटेल को सिलयारी चौकी प्रभारी की ज़िम्मेदारी दी गयी है। सिलयारी चौकी के वर्तमान प्रभारी कमल नारायण शर्मा को सिविल लाइन थाने भेजा गया है।

धर्मांतरण पर गुंडागर्दी कर रही बीजेपी : सीएम भूपेश बघेल

रायपुर,22 जनवरी, 2023 (ए)। बागेश्वर धाम के नाम से प्रसिद्ध शास्त्री धीरेंद्र शास्त्री इन दिनों हर किसी के जुबान पर हैं. टीवी में हेडलाइन और अखबारों में उनके चमत्कार के किस्से सुर्खियों के बीच विवादों में भी हैं. अब ये चमत्कार सियासी रंग में आ गए हैं. धर्मांतरण पर छिड़ी जंग के बीच सीएम भूपेश बघेल ने बड़ा बयान दिया है. उन्होंने कहा कि चमत्कार दिखाना जादूगरों का काम होता है. सीएम भूपेश बघेल ने छत्तीसगढ़ में धर्मांतरण के आरोपों पर कहा कि धर्मांतरण पर हमने लगातार कार्रवाई की है, लेकिन भाजपा इसके नाम से गुंडागर्दी कर रही है. हम इसे रोकने के लिए लगातार कार्य कर रहे हैं.

वहीं मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भाजपा कार्य समिति की बैठक पर सवाल किया. आखिरकार कोई केंद्रीय नेता वहां गया क्यों नहीं. धर्मांतरण पर घर वापसी और बाबा की बात पर कहा कि जो लोग वापस कराए हैं, उन्हें यह भी बताना चाहिए कि उन्हें किस वर्ण में रखा गया है. साथ ही उन्हें किस समाज से जोड़ा गया है. महाराज धीरेंद्र शास्त्री की चमत्कारों को लेकर सीएम ने कहा कि वो चाहे कोई भी मार्ग अपनाएं, कोई मार्ग से साधना करें, उसे सिद्धियां मिल ही जाती है, लेकिन किसी को इस तरह चमत्कार नहीं दिखानी चाहिए. इससे केवल समाज में जटिलता आती है. मख्यमंत्री ने कहा कि चमत्कार दिखाना जादूगरों का काम होता है.

वहीं सीएम भूपेश बघेल द्वारा धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री को लेकर दिए गए बयान पर बीजेपी की प्रतिक्रिया सामने आई है. सांसद सुनील सोनी ने कहा कि शास्त्री का बड़ा उद्देश्य है, जो छग में बड़ी तेजी से धर्मांतरण हो रहा है, वो रुके. इस मुद्दे को मैंने लोकसभा में भी उठाया था. बस्तर के अंदर अदिवासी नृत्य भी विलुप्त हो रहा है. सांसद ने कहा कि यह धर्मान्तरण के कारण हो रहा है. देश से अलग करने का षड्यंत्र चल रहा है, इसका हम विरोध करते हैं. सब अपने धर्म में वापस लौटे, इसलिए धीरेंद्र शास्त्री प्रयास कर रहे हैं. हम उनके समर्थन में है. धर्म मंच को चुनौती देना अनैतिक है.

8 लाख की इनामी नक्सली ने की आत्मसमर्पण

सुकमा ,22 जनवरी, 2023 (ए)। सुकमा में नक्सलियों की खोखली विचारधारा से तंग आकर व जिले में चलाए जा रहे पूना नर्कोम (नई सुबह नई शुरुआत) से प्रभावित होकर 8 लाख की इनामी सक्रिय महिला नक्सली ने सुकमा पुलिस के सामने सरेंडर किया. पुलिस अधीक्षक सुनील शर्मा ने बताया छत्तीसगढ़ शासन की पुनर्वास नीति और सुकमा जिले में चलाए जा रहे पूना नर्कोम (नई सुबह नई शुरुआत) अभियान का प्रचार प्रसार लगातार सुकमा जिले के नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में किया जा रहा है.

सभी नक्सलियों से आत्मसमर्पण करने के लिए अपील भी की जा रही है. यही कारण है कि शनिवार को नक्सली मोर्चे पर सुकमा पुलिस को एक बड़ी सफलता मिली है. जिले के किस्टाराम क्षेत्रान्तर्गत नए कैंप पोटकपल्ली खुलने से लगातार इलाके के ग्रामीण पुलिस से जुड़ रहे हैं. यही कारण है कि माड़ डिवीजन कुतुल एरिया कंपनी नंबर 1 की सदस्या और सक्रिय महिला नक्सली वेट्टी मंगी ने अतरा पीसी भूपेंद्र बघेल एसटीएफ व थाना किस्टारम के सामने आत्मसमर्पण किया है.

कर्मचारियों और पेंशनरों को महंगाई भत्ता देने में मध्यप्रदेश से पीछे क्यों है छत्तीसगढ़ सरकार:नामदेव

रायपुर,22 जनवरी,2023 (ए)। मध्यप्रदेश के सीएम शिवराज सिंह द्वारा अपने राज्य के कर्मचारियों को केन्द्र के बराबर पूरा 38त्न महंगाई भत्ता देने के आदेश जारी करने की घोषणा के बाद छत्तीसगढ़ राज्य सरकार के ऊपर भी तुरन्त बकाया 5% महंगाई भत्ता देने का बढ़ गया है। भारतीय राज्य पेंशनर्स महासंघ के राष्ट्रीय महामन्त्री व छत्तीसगढ़ राज्य संयुक्त पेंशनर फेडरेशन के अध्यक्ष वीरेन्द्र नामदेव ने कहा है कि कर्मचारियों व पेंशनरों को महंगाई भत्ता देने में छत्तीसगढ़ राज्य सरकार मध्यप्रदेश से पीछे क्यों रहता है और उनके बाद आदेश प्रसारित करने के पीछे क्या राज है समझ से परे है।

यह भी विडम्बना है कि केन्द्रीय दर से छत्तीसगढ़ सरकार महंगाई भत्ता का अपना अलग दर तय करता है जबकि देश में ऐसा कहीं नहीं होता। कांग्रेस समर्थित अथवा कांग्रेस शासित राज्य में भी ऐसा कहीं नहीं हुआ जो छत्तीसगढ़ में हो रहा है। उन्होनें छत्तीसगढ़ राज्य सरकार से आग्रह किया है कि इस बार मध्यप्रदेश से अलग एरियर सहित महंगाई भत्ता देने के आदेश जारी कर उदाहरण प्रस्तुत करे ताकि इस चुनावी वर्ष में कर्मचारियों व पेंशनरों में सरकार के प्रति व्याप्त आक्रोश में कमी आ सके।

पूर्व कर्मचारी नेता और अब पेंशनर्स प्रमुख नेता वीरेन्द्र नामदेव ने बताया है कि छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण के बाद सन् 2000 से अब तक छत्तीसगढ़ सरकार निरंतर मध्यप्रदेश सरकार का पिछलग्गू बन कर रह गया है। यहाँ के अधिकारी अधिकतर मामलों में मध्यप्रदेश का अनुशरण करते हैं और यही कारण है कि आज 22 वर्ष बाद भी भारी आर्थिक हानि होने के बावजूद पेंशनरों के आर्थिक स्वत्वों विभाजन करने में छत्तीसगढ़ सरकार विफल है।परंतु सरकार के जिम्मेदार लोग चुप्पी साधे बैठे हैं।

पेंशनर फेडरेशन के अध्यक्ष वीरेन्द्र नामदेव एंव फेडरेशन से जुड़े यशवंत देवान, प्रांताध्यक्ष पेंशनर्स एसोसिएशन छत्तीसगढ़ प्रदेश,आर पी शर्मा प्रान्ताध्यक्ष छत्तीसगढ़ प्रगतिशील पेंशनर कल्याण संघ,डॉ डी पी मनहर प्रांताध्यक्ष छत्तीसगढ़ पेंशनधारी कल्याण संघ तथा जे पी मिश्रा, प्रदेश अध्यक्ष, भारतीय राज्य पेंशनर महासंघ छत्तीसगढ़ तथा ओ पी भट्ट अध्यक्ष पेंशनर समाज ने मुख्य मंत्री भूपेश बघेल से इसे संज्ञान में लेकर तुरन्त कार्यवाही करने केन्द्र बराबर 38% महंगाई भत्ता का भुगतान एरियर सहित करने बकाया 5% महंगाई भत्ता के आदेश प्रसारित करने जरूरी निर्देश अधिकारियों को देने की मांग की है।

3 दुकानें हुई खाक,6 दमकल की गाड़ियां आग बुझाने में जुटी

रायपुर ,22 जनवरी, 2023 (ए)। राजधानी में भीषण आग से तीन दुकानें जलकर खाक हो गई। घटना रायपुर के शारदा चौक की बताई जा रही है, जिन तीन दुकानों में आग लगने की घटना हुई है उसमें वेडिंग कार्ड और इलेक्ट्रॉनिक्स दुकान के साथ-साथ किचनवेयर की दुकान भी शामिल है।

आपकी वजह से दुकान में रखा पूरा सामान जलकर राख हो गया है।

जानकारी के मुताबिक दुकान के पिछले हिस्से में भी आग फैला है, जिसकी वजह से और बिल्डिंगों को भी खतरा हो रहा है। जानकारी के मुताबिक बगल की बिल्डिंग में रहने वाले परिवार इस आगजनी की वारदात के बाद दहशत में दिख रहे हैं। आग पर काबू पाने के लिए दमकल की छह और गाड़ियां मौके पर पहुंची है। विधायक विकास उपाध्याय भी मौके पर मौजूद है और आग पाने की काबू पाने की कोशिशें लगातार जारी है।

पेड़ से टकराने के बाद कार में लगी आग,तीन लोग जिंदा जल गए

जली कार से बरामद हुए सिर्फ कंकाल

पेंड्रा, ,22 जनवरी, 2023 (ए)। छत्तीसगढ़ के पेंड्रा से सड़क हादसे की बड़ी घटना सामने आई है ।

मिली जानकारी के अनुसार शनिवार देर रात बिलासपुर जिले के रतनपुर थाना क्षेत्र में एक कार पेड़ से टकराई और उसके बाद उसमें भयानक आग लग गई। कार सवारों को बाहर निकलने का भी मौका नहीं मिला। राहगीरों ने बचाने का प्रयास किया लेकिन कुछ नहीं हो सका। घटना स्थल पर पहुंचने के बाद पुलिस ने फायर ब्रिगेड की सहायता से आग पर काबू पाया लेकिन तब तक पूरी कार चलकर राख हो चुकी थी। कार के अंदर केवल नरकंकाल बरामद हुआ। पेड़ से टकराने के बाद लगी आग जानकारी के अनुसान यह दर्दनाक हादसा रतनपुर-पेंड्रा मार्ग के ग्राम खैरा और पोड़ी के बीच स्थित देसी मसाला दुकान के पास हुआ। घटना रात 1 से 2 के बीच की बताई जा रही है।

रतनपुर से पेंड्रा जाने वाले रोड़ पर कार क्रमांक छ्त्र 10 क्ष्ठ 7861 अनियंत्रित होकर पेड़ से टकराई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि देखते ही देखते कार में आग लग गई। कार में सवार लोगों को बाहर निकलने का भी मौका नहीं मिला। सभी कार सवार जिंदा ही जल गए।

कार के रजिस्ट्रेशन नंबर से पतासाजी

पुलिस कहना है कि कार नंबर के अनुसार रजिस्ट्रेशन किसी शहनवाज के नाम पर है। वहीं मरने वालों में दो युवक और एक युवती के शामिल होने की बात कही जा रही है। कार शाहनवाज खान के नाम से रजिस्टर्ड है। मृतक दो युवकों में एक का नाम अभिषेक कुर्रे बताया जा रहा है। वहीं दूसरा युवक पत्रकार बताया जा रहा है। कार सवार युवती भिलाई की रहने वाली बताया जा रहा है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No. CHHHIN/2004/15050,मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)